धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित   सबकी बात सबके साथ

सुप्रभात
रांची, गुरुवार
03.04.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

khabarmantra.net | चैत्र, शुक्ल पक्ष, षष्ठी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 258 | khabarmantralive.com

मां का चौथा स्वरूप : कात्यायनी

**चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानव-घातिनी॥**

मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं। भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। इसीलिए यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इनका स्वरूप अत्यन्त भव्य और दिव्य है। यह स्वर्ण के समान चमकीली हैं और भास्वर हैं। इनकी चार भुजाएं हैं। मां कात्यायनी योद्धा रूप में हैं। ये देवी शक्ति और वीरता की देवी हैं। इनकी पूजा से दुश्मनों पर विजय मिलती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी सहजता से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है।

संशोधित वक्फ कानून से गरीब मुसलमानों की तकदीर बदलेगी : संसदीय कार्य मंत्री

संसद का कानून सबको मानना होगा : शाह

विपक्ष ने कहा- संविधान विरोधी और विभाजनकारी कदम, आंदोलन छेड़ने की घोषणा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने बजट सत्र के दौरान बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों के प्रबंधन करने वाले वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को पेश किया। बिल पेश करते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, इस नये कानू से गरीब मुसलमानों की तकदीर बदलेगी। मस्जिदों, दरगाहों की कोई संपत्ति जब्त नहीं होगी। उन्होंने कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम सभी अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हो सकते हैं, लेकिन हम सभी भारतीय हैं। यह किसी भी मस्जिद, दरगाह या अन्य किसी धार्मिक स्थान को हड़पने के लिए नहीं है बल्कि शुद्ध रूप से दान की गई संपत्ति के बेहतर प्रबंधन के लिए है ताकि मुस्लिम समाज के गरीबों एवं महिलाओं की तकदीर बदली जा सके। वहीं विपक्ष ने इसे संविधान का अपमान और विभाजनकारी कदम बताया। चर्चा में भाग लेते हुए नये कानून के पक्ष में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि संसद का कानून है सबको स्वीकार करना पड़ेगा।

अमित शाह ने कहा कि कोई दान अपनी संपत्ति का कर सकता हैं, सरकारी जमीन का नहीं। उन्होंने कहा कि वक्फ एक प्रकार का चैरिटेबल एंडोरमेंट है। इसमें व्यक्ति पवित्र दान करता है। दान उसी चीज का किया जा सकता है जो हमारा है। मैं सरकारी संपत्ति या किसी दूसरे की संपत्ति का दान नहीं कर सकता। ये सारी बहस इसी बात पर है। यही नहीं शाह ने अपनी बात रखते हुए दो टूक कहा कि संसद का कानून है सबको स्वीकार करना पड़ेगा।

संसद की बिल्डिंग पर भी किया गया था क्लेम

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 2013 में वक्फ अधिनियम में प्रावधान जोड़े जाने के बाद, दिल्ली में 1977 से एक मामला चल रहा था, जिसमें सीजीओ कॉम्प्लेक्स और संसद भवन सहित कई संपत्तियां शामिल थीं। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इन पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया था। मामला अदालत में था, लेकिन उस समय यूपीए सरकार ने सारी जमीन को डीनोटिफाई करके वक्फ बोर्ड को सौंप दिया। अगर हमने आज यह संशोधन पेश नहीं किया होता, तो हम जिस संसद भवन में बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। किरेन रिजिजू ने कहा, साल 2013 में यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को ऐसा अधिकार दिया कि वक्फ बोर्ड के आदेश को किसी सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अगर यूपीए सरकार सत्ता में होती तो संसद इमारत, एयरपोर्ट समेत पता नहीं कितनी इमारतों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाता। साल 2013 में मुझे इस बात पर बहुत आश्चर्य हुआ कि इसे कैसे जबरन पारित किया गया।

गरीब मुसलमानों की सुधरेगी दशा

वक्फ बिल पर रिजिजू ने कहा, जब हमारे देश में दुनिया की सबसे बड़ी वक्फ संपत्ति है, तो इसका इस्तेमाल गरीब मुसलमानों की शिक्षा, चिकित्सा, कौशल विकास और आय सृजन के लिए क्यों नहीं किया गया। इस संबंध में अब तक कोई प्रगति क्यों नहीं हुई। अगर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह सरकार गरीब मुसलमानों की बेहतरी के लिए काम कर रही है, तो इसमें आपत्ति क्यों है। सदन में चर्चा जारी है।

सदन में हंगामे की स्थिति

कांग्रेस के नेताओं ने चर्चा के दौरान कहा कि सरकार ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को जल्दबाजी में पेश किया है और विपक्ष को इस पर चर्चा के लिए उचित अवसर नहीं दिया गया। विधेयक पेश होने के बाद सदन में हंगामे की स्थिति देखी गयी। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कांग्रेस पार्टी की ओर से चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि जेपीसी ने आवश्यक विचार-विमर्श नहीं किया। शुरू से ही सरकार का इरादा एक ऐसा कानून पेश करने का रहा है जो असंवैधानिक, अल्पसंख्यक विरोधी और राष्ट्रीय सद्भाव को बाधित करने वाला है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन छेड़ने की घोषणा की है।

न्यूज डायरी

11 को भोगनाडीह जायेंगे सीएम हेमंत

साहिबगंज। वीर क्रांतिकारी सिद्धो कान्हू की जयंती पर 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भोगनाडीह में होनेवाले जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे। बुधवार को आयोजित झामुमो की बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी ने की।

एचइसी सीएमडी का चेंबर कोर्ट के आदेश पर अटैच

रांची। कॉमर्शियल कोर्ट के आदेश के बाद बुधवार को एचईसी (हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) के सीएमडी का चेंबर अटैच कर दिया गया। यह कार्रवाई एक लंबित बिल के भुगतान न होने पर हुई। दयाचंद इंजीनियरिंग इंडस्ट्री, मुजफ्फरनगर ने 2015-16 में एचईसी को एक करोड़ से अधिक की वेल्डिंग रॉड की आपूर्ति की थी। उसे करीब 22.83 लाख का भुगतान नहीं मिला था, जिसपर कार्रवाई हुई।

जमशेदपुर एलआइसी से 55 लाख की चोरी

जमशेदपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) दफ्तर के दो लॉकर से करीब 55 लाख लाख रुपये की चोरी हो गयी है। घटना के बाद कार्यालय में हड़कंप मच गया। मामला बिष्टुपुर थाना क्षेत्र का है। सूचना मिलने के बाद ही पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख के पिता का निधन

रांची। झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के पिता हरि पत्रलेख का निधन हो गया है। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची लाया जा रहा था। हरि पत्रलेख की गिनती कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में होती थी। उनके निधन पर केशव महतो कमलेश समेत कई नेताओं ने शोक जताया है।

दो आइपीएस मिड टर्म ट्रेनिंग को हैदराबाद गये

रांची। झारखंड कैडर के दो आइपीएस अधिकारी मिड टर्म ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद रवाना हो गये। यह प्रशिक्षण नेशनल पुलिस अकादमी में 21 अप्रैल से 16 मई तक होगा। ट्रेनिंग में 2014 बैच के आईपीएस अमन कुमार और विजय आशीष कुजूर शामिल होंगे। अमन खूंटी एसपी जबकि विजय एसपी सीटीसी, मुसाबनी में कार्यरत हैं।

लालू की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली रवाना

पटना। राजद सुप्रीमो व पूर्व सीएम लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गयी। बुधवार की शाम वे दिल्ली के लिए रवाना हो गये हैं। उनके साथ राबड़ी देवी भी हैं। उनका शुगर बढ़ने की खबर है। पिछले साल उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी। राजद सुप्रीमों किडनी ट्रांसप्लांट भी करा चुके हैं।

सात वर्षीय मासूम बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या

- घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच घंटों रखा जाम

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। थाना क्षेत्र में सात साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद नृशंस हत्या कर दी गयी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने रांची-डालटनगंज मुख्य पथ करीब तीन घंटे तक जाम रखा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। मंगलवार की रात हुई इस घटना के बाद बुधवार सुबह पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। ग्रामीणों का कहना था आरोपी को उनके हवाले किया जाये। खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस के समझाने बुझाने के बाद मुख्य पथ पुनः बहाल किया गया।

जानकारी के अनुसार रातू थाना क्षेत्र के बुची दाढ़ी, बाजपुर निवासी राजू उरांव चान्हो थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित अपने ससुराल आया था। 7 वर्षीय मासूम उसके ससुराल के बगल के घर में ही रहती थी। बीजूपाड़ा में सरहुल मेला दिखाने के नाम पर वह बच्ची को लेकर घर से शाम में निकला। रात साढ़े आठ बजे तक जब दोनों वापस नहीं लौटे। तब लड़की के परिजनों ने मामले को लेकर संबंधित थाने में सनहा भी दर्ज करायी।

चान्हो : गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत

चान्हो। थाना क्षेत्र के करकट गांव के दो बच्चों की सिचाई के लिए खोदे ग्गये गड्ढे में डूबने से मौत हो गयी। घटना बुधवार सुबह 11 बजे की है। दोनों के परिजन गांव के निकट ही आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित खेत में गेहूं की फसल काटने गये थे। बच्चे भी उन्हीं के साथ गये थे। इसी बीच दोनों बच्चे गेंहू खेत से थोड़ी दूर पर स्थित सिंचाई के लिए जेसीबी से खोदे गये पानी भरे गड्ढे के निकट चले गये और खेलने के क्रम में दोनों गड्ढे के पानी में डूब गये। इसे देख वहां खेल रही एक बच्ची ने शोर मचाया। लोगों ने दोनों को गड्ढे से बाहर निकाला और मांडर अस्पताल ले गये। पहुंचने से पहले ही दोनों ने दम तोड़ दिया।

पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख के पिता का निधन

रांची। झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के पिता हरि पत्रलेख का निधन हो गया है। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। बेहतर इलाज के लिए रांची आने के क्रम में उनका निधन हो गया। हरि पत्रलेख कांग्रेस के एक सक्रिय कार्यकर्ता थे। उनकी गिनती पार्टी के प्रमुख नेताओं में होती थी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने उनके निधन पर शोक जताया है।

राज्य के कई जिलों में बारिश, ओलावृष्टि संभव

रांची। राजधानी रांची सहित कई जिलों में बुधवार को बादल छाये रहे। इससे रांची समेत, दक्षिणी-पूर्वी, मध्यवर्ती, दक्षिणी, उत्तर-पश्चिमी जिलों के कुछ हिस्सों में गर्जन के हल्की बारिश होने, ओलावृष्टि और वज्रपात होने की आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के निर्देशक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी आ रही है।

सरहुल पर हिंसा : पिठोरिया में शांति पर स्थिति तनावपूर्ण

आदिवासी संगठनों ने दिया अल्टीमेटम गिरफ्तारी नहीं हुई, तो होगा आंदोलन

खबर मन्त्र संवाददाता

पिठोरिया, रांची। पिठोरिया क्षेत्र के हेठ बालू ग्राम में कल हुए दो पक्षों के बीच हिंसक झडप के बाद बुधवार को मामला नियंत्रण में रहा, लेकिन दोनों पक्षों के बीच तनाव का माहौल बना हुआ है। सरहुल की शोभा यात्रा के दौरान हुई झड़प के बाद आदिवासी समाज आक्रोशित है। उनका आरोप है कि शोभायात्रा के बालु गांव स्थित हेटबालु टोली में पाहन को निशाना बनाया गया। आदिवासी संगठनों ने अल्टीमेट दिया है कि शीघ्र यदि हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया तो रोड ब्लॉक और राज्य में आंदोलन शुरू किया जायेगा।

रोकी जा सकती थी झड़प : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों के बीच घटना से एक दिन पूर्व से ही एक विशेष समुदाय के घर के पास सरना झंडा गाड़ने को लेकर मन- मुटाव चल रहा था। सरहुल शोभायात्रा के दिन हिंसक झड़प का रूप ले लिया। अगर समय रहते पुलिस प्रशासन और शांति समिति के सदस्यों द्वारा मामले को गंभीरता से लिया जाता तो ऐसी घटना को रोका जा सकता था।

दोनों पक्षों ने दर्ज कराया मामला

हालांकि दोनों पक्षों द्वारा न्याय की गुहार और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर पिठोरिया थाना में अलग-अलग मामला दर्ज किया गया है। सरना समिति के नेताओं ने कहा कि आदिवासी समाज के लोग सभी धर्मों के त्यौहार में शामिल होते हैं। दूसरे धर्म के त्यौहार को बिल्कुल डिस्टर्ब नहीं किया जाता है, लेकिन हेटबालु में ईद के दौरान लगाये गए चमकीले पन्नी वाली झालर का डोर टूटने पर सुनियोजित तरीके से हमला बोल दिया गया। जहां यह घटना घटी, वहां दूसरे पक्ष के लोगों का सिर्फ एक मकान है। फिर भी बड़ी संख्या में लोग विवाद पैदा करने के लिए लोग जमा थे। धारदार हथियार से हमला बोला गया। हमले में इसमें पाहन समेत चार लोग जख्मी हो गये। फिर भी आदिवासी समाज के लोगों ने शांति बरती। एक शख्स ने बताया कि चंद शरारती तत्वों की वजह से सरहुल के अगले दिन होने वाली फुलखोसी की परंपरा भी डिस्टर्ब हो गयी। घटना स्थल पर पुलिस की एक टीम तैनात है। पुलिस की ओर से लिखित आश्वासन दिया गया है कि शीघ्र नामजद हमलावरों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

आदिवासी क्षेत्रों में 728 एकलव्य स्कूल जल्द खोलने का लक्ष्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को राज्य सभा को बताया कि देश भर में लगभग 3.5 लाख एसटी छात्रों को लाभान्वित करने के लिए कुल 728 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। पहले से स्थापित 288 ऐसे स्कूल भी हैं जिन्हें उन्नत किया जा रहा है। केंद्रीय जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रखंड में कम से कम एक-एक ईएमआरएस स्कूल के हिसाब से ऐसे 440 नये मॉडल स्कूल उन प्रखंडों में खोले जायेंगे। जहां आदिवासियों की आबादी 50 से अधिक है और जहां 2011 की जनगणना के अनुसार कम से कम 20,000 आदिवासी व्यक्तियों की आबादी रहती है।

मुंडारी को आठवीं अनुसूची में लाने की मांग : राज्यसभा में बुधवार को अनेक राज्यों में बोली जाने वाली मुंडारी , हो और भूमिज जैसी आदिवासी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किये जाने की मांग की गयी। बीजू जनता दल के सस्मित पात्रा ने शून्यकाल में यह विषय उठाते हुए कहा कि ये भाषाएं अनेक राज्यों के लाखों लोगों द्वारा बोली जाती हैं।

आदिवासियों के विकास में 24,104 करोड़ की योजना

9 मंत्रालयों के सहयोग से हो रहा क्रियान्वयन

एजेंसी

नयी दिल्ली। आदिवासी समुदायों के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनसन) शुरू किया है। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने राज्यसभा बताया कि इस योजना के लिए कुल 24,104 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित है। इनमें 15,336 करोड़ रुपये केंद्र सरकार और 8,768 करोड़ रुपये राज्य सरकारों द्वारा दिए जा रहे हैं। इस योजना को 9 मंत्रालयों के सहयोग से 11 प्रमुख पहलों के माध्यम से लागू किया जा रहा है। योजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सरकार राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से जागरूकता अभियान चला रही है। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री ने बताया कि पीएम मोदी ने 15 नवंबर 2023 को इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का उद्देश्य 18 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाएं और आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान करना है।

झारखंड के आदिवासियों को वक्फ कानून से होगा बड़ा लाभ: रिजिजू

एजेंसी

नयी दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल में एक अहम प्रावधान किया गया है, जिसा फायदा झारखंड के आदिवासियों को होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में बिल पेश करते हुए कहा कि शेड्यूल 5 और शेड्यूल 6 की जमीनों पर वक्फ बोर्ड दावा नहीं कर सकेगा। झारखंड की काफी जमीन है, जो शेड्यूल 5 और 6 में आती हैं। ऐसे में इस बिल के पास हो जाने पर झारखंड के आदिवासियों की जमीन पर वक्फ बोर्ड कभी दावा नहीं कर पायेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नेतृत्ववाली यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में कई बार बदलाव किये और इसको अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया। इसलिए इसमें संशोधनों की जरूरत पड़ी।

रिजिजू ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास 8.72 लाख संपत्ति है, जो 9.4 लाख एकड़ में फैला है। इसका अनुमानित मूल्य 1.2 लाख करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड के पास 8,72,328 स्थायी और 16,713 अस्थायी संपत्ति है। इतना ही नहीं, वक्फ बोर्ड के तहत 3,56, 051 वक्फ एस्टेट्स पंजीकृत हैं।

शाह ने मुसलमानों में फैलाये जा रहे भ्रम पर कहा- नहीं छिनेगी किसी की जमीन

मोदीजी ने लालू यादव की इच्छा पूरी कर दी

एजेंसी

नयी दिल्ली। वक्फ बिल पर चल रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने लालू यादव की इच्छा पूरी कर दी। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने कहा था कि वक्फ को लेकर कड़ा कानून बनना चाहिए। कांग्रेस ने तो नहीं, लेकिन मोदी जी ने लालू जी की इच्छा पूरी कर दी। गृह मंत्री अमित शाह ने लालू का पुराना बयान लोकसभा में पढ़ा। अमित शाह ने कहा कि 2010 में लोकसभा में चर्चा के दौरान लालू यादव ने कहा था कि वक्फ को लेकर कठोर कानून बनना चाहिए। संपत्ति अधिग्रहण और दुरुपयोग की हेर-फेर किसी से छिपी नहीं है। लालू ने कहा था कि वक्फ बोर्ड ने सरकार और आम लोगों दोनों की जमीन हड़प ली है, इस पर लगाम लगाने के लिए सख्त कानून की जरूरत है। शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आगे कहा कि आप लोग देश तोड़ दोगे।

धार्मिक क्रियाकलाप में कोई दखल नहीं

गृह मंत्री ने कहा, वक्फ मुस्लिम भाइयों की धार्मिक क्रिया-क्लाप और उनके बनाये हुए दान से ट्रस्ट है, उसमें सरकार कोई दखल नहीं देना चाहती है। मुतवल्ली भी उनका होगा, वाकिफ भी उनका होगा, वक्फ भी उनका होगा। ये जो भ्रम खड़ा किया जा रहा है कि यह एक्ट मुस्लिम भाइयों के धार्मिक क्रियाकलापों के अंदर उनकी दान की हुई संपत्ति के अंदर दखल करने का है। ये बहुत बड़ी भ्रांति फैलाकर माइनॉरिटी को डराकर अपनी वोटबैंक खड़ी करने के लिए किया जा रहा है।

- कोई भी विवाद अदालतें ही तय करेंगी : गृह मंत्री अमित शाह

बोर्ड को रिपोर्ट, बैलेंस शीट देनी होगी

शाह ने कहा- वक्फ बोर्ड को अब रिपोर्ट देनी पड़ेगी, बैलेंस शीट जमा होगी, कैग के रिटायर्ड ऑफिसर ऑडिट करेंगे और पारदर्शिता आयेगी। पारदर्शिता से क्यों डरना चाहिए किसी को? वक्फ बोर्ड या काउंसिल के किसी ऑर्डर पर कोर्ट में भी जाया जा सकेगा। कांग्रेस ने तो ये प्रावधान ही खत्म कर दिया था, इम इसमें जोड़ रहे हैं। अब किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित नहीं किया जा सकता।

गिरिडीह बनेगा झारखंड का सबसे बड़ा सोलर हब

- कोल इंडिया 170 मेगावाट का प्लांट लगवायेगा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कोल इंडिया गिरिडीह को सोलर हब के रूप में विकसित कर रही है। सीसीएल गिरिडीह एरिया में अब झारखंड का सबसे बड़ा सोलर प्लांट बनाने की योजना है। योजना के अनुसार सीसीएल की खाली जमीन पर 170 मेगावाट सौर ऊर्जा तैयार की जायेगी, फिर इस बिजली को बेचा भी जायेगा। इसकी जानकारी सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के महाप्रबंधक गिरीश कुमार राठौर और परियोजना पदाधिकारी जीएस मीणा ने दी। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा से चार मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रही सीसीएल गिरिडीह एरिया अब इस दिशा में बड़ी परियोजना लाने की तैयारी में हैं। जीएम ने बताया कि झारखंड की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना के लिए जमीन को चिह्नित किया गया है। वहीं सीएमपीडीआई की टीम सर्वे भी कर चुकी है। सीएमपीडीआई की टीम द्वारा रिपोर्ट की गयी, अब डीपीआर बनेगी। इसके बाद योजना धरातल पर उतारी जायेगी।

वक्फ संशोधन विधेयक पर झारखंड की राजनीति गरमायी, विभिन्न राजनीतिक दलों ने दी प्रतिक्रिया

विधेयक के विभिन्न प्रावधान हितकारी नहीं : केशव महतो

केन्द्र सरकार की वनाधिकार अधिनियम की उपेक्षा से लाखों आदिवासी परिवार अपनी पारंपारिक जमीन से बेदखली के कागार पर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस वक्फ संशोधन विधेयक के विभिन्न प्रावधानों के विरोध में है। वक्फ बोर्ड परिषद में दो गैर मुस्लिम को शामिल करना, वक्फ ट्रिव्यूनल के स्थान पर सरकारी अधिकारी को विवाद निपटारे का अधिकार देना, वक्फ न्यायाधिकरणों के आदेशों को उच्च न्यायालय में अपील करने की अनुमति देने से वक्फ से संबंधित विवाद लंबे समय तक चलेंगे। उन्होंने कहा कि देश की सामाजिक समरसता को विभक्त करने के लिए भाजपा अपने एजेंडे के तहत इस संशोधन विधेयक को लायी है। भाजपा के कुत्सित विचारों का विरोध संवैधानिक ढांचे के अनुरूप कांग्रेस करती रहेगी।

नीति के साथ-साथ नीयत साफ होनी चाहिये : ठाकुर

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने वक्फ बिल को लेकर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस बिल के जरिए समाज में झगड़ा और फसाद पैदा करना चाहती है, साथ ही बेरोजगारी और महंगाई जैसे गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि 2013 में यूपीए सरकार ने जो कानून लाया था, उसे प्रभावी तरीके से लागू करने में विफलता के लिए वर्तमान सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि 2014 के बाद से केंद्र में उनकी ही सरकार है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य कई संगठन इस बिल का विरोध कर रहे हैं, तो सरकार ने उनसे संवाद क्यों नहीं किया। श्री ठाकुर ने झारखंड सरकार द्वारा अबुआ वीर अबुआ दिसोम के माध्यम से वन पट्टा देने के प्रयासों की सराहना की और कहा कि संशोधन का विरोध नहीं है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि संशोधन राज्य और देश के हित में हो।

देश के धर्मनिरपेक्ष ताने–बाने को तोड़ने की साजिश : सुबोधकांत

सुबोधकांत सहाय ने वक्फ बिल को लेकर सरकार पर तीखा हमला करते हुए इसे देश के धर्मनिरपेक्ष ताने–बाने को तोड़ने की साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि यह बिल भारतीय जनता पार्टी के 2014 के बाद से चल रहे एजेंडे का हिस्सा है, जो समाज को विभाजित करने की मंशा से प्रेरित है। वहीं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शाहजादा अनवर ने कहा कि यह बिल केवल एक समुदाय को निशाना बनाने और समाज में ध्रुवीकरण पैदा करने के लिए लाया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि भाजपा अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कुचलने का प्रयास कर रही है। मौके पर राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजिनी, सोनाल शांति, मंजूर अंसारी, जोसाई मार्डी उपस्थित थे।

कांग्रेस भवन में बुधवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2006 में कांग्रेस ने आदिवासियों को जल जंगल और जमीन पर अधिकार सुनिश्चित करने के लिए वन अधिकार अधिनियम लागू किया था लेकिन केन्द्र सरकार की निष्क्रियता के चलते इस कानून के तहत किये गये लाखों वास्तविक दावे बिना किसी समीक्षा के मानमाने ढंग से खारिज कर दिये गये। वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे सभी लोगों को उनकी जमीन से बेदखल करने का आदेश दिया, जिनके दावे खारिज हो चुके थे लेकिन भारी विरोध के बाद कोर्ट ने रोक लगाई और दावों की गहन समीक्षा का आदेश दिया था।

वक्फ संशोधन विधेयक हमारे संविधान पर सीधा हमला : डॉ. इरफान अंसारी

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि वक्फ बिल हमारे संविधान पर सीधा हमला है। इतिहास में यह दिन काले अक्षरों में लिखा जाएगा। देश को झंझावात में झोंकने वाली भाजपा को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। भारतीय हमेशा से शांति के प्रतीक रहे हैं, लेकिन भाजपा ने पूरे देश को तबाह करके रख दिया है। देश में अमन-चैन की जगह सिर्फ और सिर्फ नफरत एवं हिन्दू-मुस्लिम विभाजन रह गया है, जबकि विश्व प्रतिदिन विज्ञान के क्षेत्र में इतिहास रचने को आतुर है। इसके विपरीत, मोदी सरकार किसी एक वर्ग का हक छीनने पर आमदा है। यह बिल असंवैधानिक है और मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस बिल को जबरन संसद में लाया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनना है। आज सरकार की नजर एक खास समुदाय की जमीन पर है, तो कल उनकी नजर समाज के दूसरे अल्पसंख्यकों की जमीन पर होगी। यह सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचल रही है। जनता इनकी साजिशों को भली-भांति समझ चुकी है और समय आने पर इनसे हिसाब लेगी। यह बिल पूरी तरह अस्वीकार्य है और हम इसे पूरी तरह खारिज करते हैं।

गरीब मुस्लिमों की प्रगति नहीं चाहने वाले कर रहे वक्फ संशोधन बिल का विरोध : बाबूलाल मरांडी

- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने वक्फ संशोधन विधेयक का किया स्वागत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि गरीब मुसलमानों, महिलाओं की प्रगति नहीं चाहने वाले वक्फ संशोधन बिल का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी सहित इंडी गठबंधन को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन मुस्लिम समाज के गरीबों, महिलाओं को उनके हक और अधिकार दिलाने का विधेयक है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड को भू-माफियाओं और लुटेरों के चंगुल से मुक्त कराकर गरीब मुसलमानों के हित में इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है लेकिन कुछ लोग इसे गरीब मुसलमानों के हित में इस्तेमाल करने की बजाय भू-माफियाओं की कठपुतली बनकर काम कर रहे हैं। उन्हें गरीब मुसलमानों की चिंता करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि विधेयक कहीं से भी असंवैधानिक नहीं है। आजादी के पहले से वक्फ है और आजादी से पहले भी संशोधन हुआ है। अब से पहले तक इस एक्ट में 5 बार संशोधन हो चुके हैं। आजादी के बाद 1954 में अंग्रेजों के समय से चले आ रहे वक्फ एक्ट को रेगुलेट कर वक्फ एक्ट बनाया गया। इसके बाद साल 1995 में नया वक्फ बोर्ड एक्ट आया। उन्होंने कहा कि 2013 में कांग्रेस की यूपीए सरकार ने इसमें गैरकानूनी तरीके से संशोधन कर वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार दे दिया। उन्होंने कहा कि वक्फ से जुडी समस्या केवल मुसलमानों की नहीं है। बल्कि इससे बड़े पैमाने पर हिंदू, सिख, बौद्ध, इसाई और यहां तक कि मुस्लिम भी पीड़ित हैं। कई ऐसे मामले आये हैं जिसमें वक्फ ने मनमाने तरीके से मंदिरों, गुरुद्वारों और यहां तक कि पूरे गांव को ही वक्फ की प्रॉपर्टी बता दिया है। उन्होंने कहा कि सच्चर समिति की रिपोर्ट पर आधारित संशोधन विधेयक लाया गया है, जिसे कांग्रेस ने बनाया था। इस विधेयक से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा।

आदिवासी विरोधी है कांग्रेस पार्टी: समीर

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर किया पलटवार

- पिछले 5 वर्ष से ज्यादा समय से राज्य में कांग्रेस समर्थित सरकार है, आखिर क्यों लागू नहीं हुआ पेसा कानून

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो के बयान पर पलटवार किया है। श्री उरांव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 60 वर्षों तक आदिवासियों को केवल वोट बैंक बनाकर रखा, विकास की कोई चिंता नहीं की। आज नरेंद्र मोदी नेतृत्व में जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास की योजनायें धरातल पर उतर रही है। इसके पूर्व अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आदिवासी मंत्रालय बनाये और विकास के रास्ते को प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्ष से ज्यादा समय से राज्य में कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही है। आखिर क्यों पेसा कानून लागू नहीं हुआ। वन पट्टा देने के लिये किसने रोका है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की जमीन घुसपैठिए लूट रहे हैं। आदिवासी बहन बेटियों के साथ रोज अपमानजनक घटनायें घट रही है। इसको रोकने में सरकार क्यों दिलचस्पी नहीं दिखाती है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार 5 वर्षों में महिला आयोग का गठन नहीं कर सकी। आदिवासी गांव में कनेक्टिविटी बड़े इसके लिए टावर लगाने के लिये जमीन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण योजना के अनाज बिचौलियों द्वारा लूटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संध्या टोपनो, रूपा तिर्की, रुबिका पहाड़िया क्या आदिवासी समाज की नहीं थी। उन्होंने कहा कि सिरमटोली सरना स्थल विवाद को ही देखा जाये तो आखिर यह सरकार क्यों मामले को जटिल बना रही है। जबकि समाज के लोगों ने विवाद आगे नहीं बढ़े इसके लिये जमीन भी दिये हैं। उन्होंने कहा कि स्पष्ट है कि इंडी गठबंधन सरकार की कथनी और करनी में आसमान जमीन का अंतर है।

वक्फ बिल संशोधन विधेयक असंवैधानिक : कैलाश यादव

- यह बिल मुस्लिमों को कमजोर, भय पैदा करने, जमीन लूटने एवं देशहित में नहीं
- जेडीयू टीडीपी लोजपा ने सत्ता सुख के लिए सेक्युलर विचारधारा को सौदा किया राजद इन्हें बेनकाब करेगा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने वक्फ बिल संशोधन का विरोध करते हुए कहा कि यह बिल सीधे तौर पर मुस्लिम समाज को कमजोर करने और भय का माहौल बनाने वाला है। यह बिल स्पष्ट रूप से असंवैधानिक है, क्योंकि ईश्वर के नाम से दान की हुई वक्फ संपति को लूटने और बेदखल करने की कोशिश है। वक्फ कानून में किसी की दान की हुई संपति उस धर्म और समुदाय का होता है जिसे पूर्वजों ने दे दिया था। मालूम हो कि मोदी सरकार ने लगातार राष्ट्रीय संपति/संपदा रेलवे, एयरपोर्ट, पोर्ट के जमीनों को निजी तौर पर अडानी-अंबानी जैसे पूंजीपतियों के हाथों बेच रही है। श्री यादव ने कहा कि 2014 के बाद जब से केंद्र में मोदी सरकार बनी है निरंतर एक विशेष समुदाय मुस्लिम और अल्पसंख्यक समाज को प्रताड़ित किया जा रहा है। विदित है भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, जहां हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई जैन धर्म के लोग आपसी सौहार्द्र और एकता में अनेकता तथा गंगा जमुनी तहजीब को आदर्श मान कर चलते हैं। उन्होंने कहा कि अपने आप को सेक्युलर पार्टी मानने वाले जेडीयू, टीडीपी, लोजपा (आर) हम्म, रालोद, शिवसेना शिंदे, अजीत पवार एनसीपी पार्टी जैसे नेताओं का वक्फ बिल संशोधन में समर्थन करने से इनके दोहरी मानसिकता का पर्दा खुल गया। राजद का मानना है कि इन सभी दलों ने सेक्युलरिज्म के नाम वोट मांगने का हक खत्म कर दिया है। अब चरणबद्ध जनजागरण कार्यक्रम के तहत गांव गांव पंचायत स्तर पर इन्हें बेनकाब करने की जरूरत है।

भाजपा ने धूमधाम से मनाया उड़ीसा का स्थापना दिवस

अटक से कटक तक भारत एक : कर्मवीर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत बुधवार को भाजपा और उत्कलिका ने ओड़िशा राज्य का 89वां स्थापना दिवस मनाया। यह आयोजन रांची प्रेस क्लब सभागार में किया गया था। इस मौके पर उत्कलिका परिवार के बच्चों ने मन को मोह लेने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सीपी सिंह उपस्थित थे। उन्होंने उत्कालिका के द्वारा लिये जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रसंशा की। उन्होंने कहा कि आप भारत के जिस कोने में रहते हैं वहां की विकास की भी चिंता आपको करनी चाहिये।

कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने के कहा कि पूरा भारत एक है। किसी भी राज्य का वासी और कोई भी भाषा-भाषी पूरे भारत में कहीं भी अपनी पहचान के साथ रह सकता है। झारखंड और ओड़िशा एक दूसरे से सिर्फ सीमायें ही साझा नहीं करती बल्कि रीति रिवाज परंपरायें, संस्कृति और भाषा भी एक समान है। उत्कल समाज के लोग झारखंड में जरूरतमंदों की सेवा में भी सदा जुटे रहते हैं। इस अवसर पर प्रेम मित्तल ने कहा कि भारत की विविधता के साथ एकता का मंत्र दोहराने योग्य है। उन्होंने ओड़िशा राज्य की कला स्थापत्य, सामुद्रिक तट, जंगल वनभूमि एवं आदिवासी संस्कृति को देश की अमूल्य धरोहर बताया। हेमंत दास अतिथियों की परिचय प्रदान किया तथा कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ प्रसन्न कुमार प्रधान ने स्वागत भाषण दिया। कोषाध्यक्ष प्रभात रथ ने उत्कलिका की वार्षिक विवरण पाठ किया। डॉ असित महापात्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर डॉ मुक्तिकांत सेनापति, गौतम शामल, सर्वेश्वर साहू, बनज सवाई, कैलाश साहू आदि उपस्थिता थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवपूजन पाठक, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, अनिता वर्मा, राजू सिंह, विश्वजीत सिंह, सोनू सिंह, राम लगन राम आदि की भूमिका रही।

फर्जीवाड़े से बदहाल हो रहा झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय आज अपनी अस्तित्व की जंग लड़ रहा है। भले ही विश्वविद्यालय की स्थापना को सात वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अब तक शासी निकाय का गठन नहीं हो पाया है, जो विश्वविद्यालय के संचालन और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में गंभीर अव्यवस्था देखने को मिल रही है। कुलपति प्रो गोपाल पाठक के नेतृत्व में 15 जून 2017 को विश्वविद्यालय की शुरूआत हुई थी, लेकिन अब तक शासी निकाय की बैठकें आयोजित नहीं हो पाई है। शासी निकाय का गठन विश्वविद्यालय के अधिनियम की धारा-16 के तहत अनिवार्य है, जिसमें कुलाधिपति को चेयरमैन और कुलपति को सचिव के रूप में कार्य करने का प्रावधान है।

रिक्त पदों पर त्वरित नियुक्ति की आवश्यकता

यूनिवर्सिटी के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार से आग्रह किया गया है कि वह सभी रिक्त पदों पर योग्य और अनुभवी पदाधिकारियों और कर्मियों की त्वरित नियुक्ति करे। शासी निकाय का गठन किया जाए, दो पीजी डिग्री कोर्स शुरू किए जाएं और छात्रों के प्रतिनिधियों का चयन किया जाए। अगर स्थिति नहीं बदली तो आने वाले समय में विश्वविद्यालय के संचालन पर गंभीर प्रश्न उठ सकते हैं, और उच्च तकनीकी शिक्षा भी प्रभावित होगी।

शैक्षणिक परिषद व कार्य परिषद की अस्थायी व्यवस्था

पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के कार्यकाल में अस्थायी रूप से कार्य परिषद और शैक्षणिक परिषद का गठन किया गया था। यह निर्णय लिया गया था कि जल्द ही सरकार द्वारा नियमावली प्रदान की जाएगी। इसके बाद इन परिषदों का पुनर्गठन किया जाएगा। लेकिन आज तक यह अस्थायी व्यवस्था जारी है। इस कारण विश्वविद्यालय के संचालन में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

वित्तीय और प्रशासनिक संकट

वर्तमान में वित्तीय मामलों के लिए कोई स्थायी वित्त समिति का गठन नहीं हो सका है। इसके साथ ही वित्त पदाधिकारी का पद भी रिटायर्ड अधिकारियों द्वारा संभाला जा रहा है। पिछले पांच वर्षों से विश्वविद्यालय बिना परिनियम के ही संचालित हो रहा है और परीक्षा संचालन के लिए भी नियमावली राज्यपाल सचिवालय से अधिसूचित नहीं हो पाई है।

नियुक्ति नियमावली की कमी : यूनिवर्सिटी में अब तक नियुक्ति नियमावली अधिसूचित नहीं की गई है। इस कारण 91 पदों पर सीधी नियुक्ति प्रक्रिया अटकी हुई है। यही कारण है कि वर्तमान कुलपति के पद को छोड़कर अन्य सभी पदों पर नियुक्तियां नहीं हो पा रही है।

शैक्षणिक संकट : झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कुल पांच पीजी विभागों का संचालन होना था, लेकिन अब तक सिर्फ तीन विभाग ही संचालन में हैं। इनमें से दो विभाग घंटी आधारित शिक्षकों पर निर्भर हैं। इसके कारण छात्रों को उच्च तकनीकी शिक्षा के अवसरों से वंचित होना पड़ रहा है और राज्य में प्रतिभाओं का पलायन हो रहा है।

भवन की खंडहर स्थिति : सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च कर विश्वविद्यालय के लिए भव्य भवन तैयार किया था, लेकिन वर्तमान में अधिकांश भवन खंडहर में बदल चुका है, जो विश्वविद्यालय के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर रहा है।

कुलपति की नियुक्ति और प्रशासनिक समस्याएं : वर्तमान कुलपति डॉ डीके सिंह के बारे में चर्चा है कि वे बिरसा प्रौद्योगिकी संस्थान, सिंदरी से एमटेक करने के बाद उसी संस्थान से वेतन ले रहे थे। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां नहीं होने के कारण शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

संस्कृति बचानी है तो मांदर-नगाड़ा पर नृत्य करें, डीजे और आधुनिक गीतों पर नहीं

केंद्र सरना कोड नहीं देगा तो होगा आंदोलन : चमरा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अनुचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि झारखंड में आदिवासी समुदाय द्वारा पारंपरिक उल्लास और श्रद्धा के साथ सरहुल महोत्सव मनाया जा रहा है। अगर केंद्र सरकार सरना कोड नहीं देती है, तो हम सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। यह बातें बुधवार को कांके स्थित मायापुर सरना स्थल में आदिवासी 22 पड़ाहा सरना समिति ओरमांझी कांके द्वारा 29वां सरहुल पूजा महोत्सव के मौके पर उन्होंने कही। आयोजन किया गया। मंत्री ने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को संरक्षित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति को संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है। सरहुल महोत्सव में पारंपरिक मांदर और नगाड़े की धुनों पर नृत्य करना चाहिए, न कि आधुनिक डीजे और फिल्मी गीतों के माध्यम से। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्रालय आदिवासी कल्याण के लिए कार्यरत है और हम आदिवासी समाज को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मांदर-नगाड़ा और सरहुल राग के संरक्षण का संकल्प

मंत्री चमरा लिंडा ने बताया कि आदिवासी समाज की पारंपरिक धरोहर को बचाने के लिए सरकार ने 15 करोड़ रुपये के मांदर–नगाड़े वितरित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरहुल पर्व की मूल आत्मा को जीवंत बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

सरना कोड के लिए आंदोलन जारी रहेगा

सरना धर्म को मान्यता दिलाने के संघर्ष पर जोर देते हुए मंत्री लिंडा ने कहा कि जब तक हम संघर्ष करते रहेंगे ,तब तक हम अपनी संस्कृति को बचाए रख पायेंगे। अगर केंद्र सरकार सरना कोड नहीं देती है, तो हम सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो हम संपूर्ण राज्य को बंद करने के लिए भी तैयार रहेंगे। उन्होंने समाज के सभी लोगों से एकजुट होकर इस आंदोलन को समर्थन देने की अपील की और कहा कि संघर्ष ही जीवन है। हमें साथ मिलकर लड़ना होगा और अपने अधिकार प्राप्त करने होंगे।

आदिवासी समाज के विकास की योजनाएं

मंत्री श्री लिंडा ने आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिवासी और ओबीसी समुदाय को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल, ट्यूशन सेंटर, कॉलेज और अस्पताल खोले जाएंगे। हरिजन समुदाय के लिए भी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा और छोटानागपुर क्षेत्र में सभी सरना स्थलों की बाउंड्री निर्माण के लिए सरकार कार्य करेगी।

झारखंड में भी कांग्रेस के शुभारंभ पर लाल झंडा फहराया गया

हिंदुत्व गठजोड़ को परास्त करने के संकल्प के साथ सीपीएम की 24वीं अखिल भारतीय कांग्रेस शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

मदुरै/रांची। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की 24वीं अखिल भारतीय पार्टी कांग्रेस मजदूर वर्ग और कम्युनिस्ट आंदोलन के परंपरागत गढ़ और तमिल संस्कृति की गौरवशाली इतिहास को समेटे तमिलनाडु के मदुरै शहर में प्रारंभ हुई। मदुरै छठी शताब्दी में निर्मित प्राचीन मीनाक्षी - सुंदरेश्वर मंदिर के लिए भी प्रसिद्ध है। इस शहर को इस बात का गर्व है कि इसने देश के कम्युनिस्ट आंदोलन के इतिहास में तीन बार कम्युनिस्ट पार्टी के महाधिवेशन के आतिथ्य की जिम्मेवारी पूरी की है। आजाद भारत में कम्युनिस्ट पार्टी ने यहां से 6 बार सांसद चुन कर भेजा है। वर्तमान में भी यहां की लोकसभा सीट सीपीएम ने जीती है।

एक जबर्दस्त उत्सवी माहौल में सीपीएम की 24वीं अखिल भारतीय पार्टी कांग्रेस की शुरूआत पार्टी के वरिष्ठ नेता विमान बोस द्वारा लाल झंडा फहराए जाने और शहीद वेदी पर माल्यार्पण किए जाने के साथ हुई। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री मानिक सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुए महाधिवेशन के खुले सत्र में पोलित ब्यूरो सदस्य वृन्दा कारात द्वारा शोक प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद स्वागत समिति के अध्यक्ष के. बालकृष्णन ने स्वागत वक्तव्य रखा। इसके बाद पार्टी के समन्वयक प्रकाश कारात ने पार्टी कांग्रेस के बारे में अपनी बात रखी। खुले सत्र को सीपीआई के महासचिव डी. राजा, भाकपा माले लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य आरएसपी के महासचिव मनोज भट्टाचार्य और फॉरवर्ड ब्लाक के महासचिव देबराजन ने भी संबोधित किया। पार्टी कांग्रेस में पूरे देश से एक हजार से ज्यादा निर्वाचित प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं, जो अगले पांच दिनों तक पार्टी को एक सशक्त और जनोन्मुख पार्टी बनाने तथा देश के सामने मौजूद कार्पोरेट- हिंदुत्व गंठजोड़ के षड्यंत्र को परास्त किए जाने की चुनौतियों से निपटने की कार्ययोजना पर सघन चर्चा करेंगे।

चैती छठः खरना संपन्न, आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोक आस्था का महापर्व चैत्री छठ के दूसरे दिन बुधवार को नेम निष्ठा के साथ खरना संपन्न हो गया। गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। पंडित संतोष पांडेय के अनुसार छठ महापर्व में खरना का खास महत्व है। इस दिन व्रती दिनभर व्रत रखकर खरना का प्रसाद बनाती हैं। फिर शाम में पूजा के पश्चात प्रसाद ग्रहण करती हैं। इसके बाद बाद उनका 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है। खरना में व्रती तन और मन का शुद्धिकरण करते हैं।

मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी में बनता है प्रसाद : उन्होंने कहा कि खरना का प्रसाद नये मिट्टी के चूल्हे पर बनता है लेकिन बदलते जमाने के साथ अब खीर बनाने के लिए गैस चूल्हा का भी इस्तेमाल होने लगा है। खरना का प्रसाद बनाने में सिर्फ आम की लकड़ी का ही प्रयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि छठ का पर्व चार दिनों का होता है। यह पर्व नहाय खाय से शुरू होता है। दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन शाम को अर्घ्य और चौथे दिन सुबह अर्घ्य देकर पारण किया जाता है। पहला अर्घ्य इस साल 3 अप्रैल को है। इस दिन इस दिन सूर्यास्त शाम 06 बजकर 05 मिनट पर होगा। 4 अप्रैल को उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जायेगा। इस दिन सूर्योदय 05 बजकर 38 मिनट पर होगा। इसके बाद पारण करके चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन होगा।

तीन दिवसीय प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम के साथ संपन्न

पाहनों ने सरई फूल खोंसकर सुख-समृद्धि की कामना की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रकृति प्रेम और आस्था के महापर्व सरहुल का उल्लास पूरे झारखंड में छाया रहा। बुधवार को रांची के विभिन्न मुहल्लों जैसे हाथमा, नगड़ा टोली, धोबीघाट, करम टोली, सरईटाड़, हरमु, टैगोर हिल, पिस्का मोड़, अरगोड़ा समेत कई इलाकों में सरना स्थल के पाहनों ने विशेष अनुष्ठान किया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों-ढोल, ढाक, नगाड़ा और मांदर की गूंज के बीच पाहनों की मंडलियां मुहल्लों के घर-घर पहुंचीं। उनके साथ सूप में सजे सरई फूल थे, जिन्हें देखकर हर घर आनंदित हो उठा। पाहनों के आगमन पर घर की महिलाओं ने श्रद्धा के साथ उनका स्वागत किया, पवित्र जल से उनके पैर धोए, माथे पर तिलक लगाया और अरवा चावल अर्पित किए। इसके बाद पाहनों ने घर-परिवार के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए सरई फूल भेंट किए। हाथमा के मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने कहा कि दरवाजे पर सरई फूल खोंसने से घर में खुशहाली बनी रहती है और गांव में एकजुटता का भाव मजबूत होता है।

शादी-ब्याह और नयी फसल का संकेत

नगड़ा टोली के हलधर चंदन पाहन ने बताया कि सरहुल पर्व के साथ ही आदिवासी समाज में शादी-विवाह की रस्में शुरू हो जाती हैं। साथ ही पेड़ों पर आए नए फूल और फल अब भोजन और सब्जियों में उपयोग किए जाएंगे। इस पर्व के माध्यम से ग्राम देवता से सुख-शांति की प्रार्थना की जाती है।

1.77 लाख किसान करा चुके हैं रजिस्ट्रेशन

झारखंड में बढ़ रहा मिलेट मिशन योजना का दायरा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में मिलेट मिशन योजना का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस योजना के तहत अब तक एक लाख 77 हजार 638 किसानों का निबंधन (रजिस्ट्रेशन) हो चुका है। झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना के तहत, हर किसान को प्रति एकड़ भूमि पर 3000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जो अधिकतम 5 एकड़ तक मिलती है। राज्य के 27549 हेक्टेयर क्षेत्र को इस योजना के अंतर्गत लाया जा चुका है। अबतक 17,238 लाभुक कृषकों को 5.54 करोड़ की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा चुकी है।

वर्ष	क्षेत्र	किसान
2019-20	11334	14755
2020-21	17000	10376
2021-22	12000	11441
2022-23	10580	10003

पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना भी कारगर : उन्नत सिंचाई के तहत पीडीएमसी (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) योजना भी कारगर साबित हो रही है। इसके तहत, लघु और सीमांत किसानों को 90 प्रतिशत और अन्य किसानों को 80 प्रतिशत अनुदानित दर पर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का लाभ दिया जा रहा है।

बड़ा तालाब महावीर मंडल का सम्मान समारोह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। श्री महावीर मंडल बड़ा तालाब के तत्वावधान में बुधवार को रामनवमी मोहत्सव को सफल बनाने के लिये सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर श्री महावीर मंडल रांची के अंतर्गत पड़ने वाले सभी अखाड़ाधारियों, नेतृत्वकर्ताओ एवं पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्यरूप से सुभाष साहू, राज किशोर प्रसाद, ललित ओझा, राकेश सिंह, बिंदुल वर्मा, रमेश सिंह, बीरेंद्र साहू, मुन्ना लाल अग्रवाल, कैलाश केसरी, शंकर दुबे, गोपाल पारीक, अकील उर रहमान, महेश चंद्रा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत महाबली हनुमान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह की अध्यक्षता संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि सभी अखाड़ाधारी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल भव्य शोभायात्रा निकालने की तैयारी करें।

लूटकांड के आरोपियों की क्रिमिनल अपील खारिज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लूट और छिनतई में सजायाफ्ता तीन सड़क लुटेरों की सजा न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने बरकरार रखी है। साथ ही, तीनों की ओर से दाखिल क्रिमिनल अपील सुनवाई पश्चात अदालत ने खारिज कर दी है। अदालत ने बीते 21 जनवरी को तीनों सड़क लुटेरे अरसलान अंजाराए मो. कैफ उर्फ टेना तथा अनगड़ा थाना क्षेत्र निवासी अक्षय शर्मा को दोषी करार कर तीन-तीन साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। साथ ही, तीनों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। इसी सजा को चुनौती देते हुये तीनों ने न्यायायुक्त की अदालत में याचिका दाखिल की थी। सड़क लूट की घटना सज्जन पोद्दार के साथ 16 मई 2023 की सुबह 9. 30 बजे घटी थी। घटना के दिन सज्जन पोद्दार अपनी मोटरसाइकिल से लालगंज से सिल्ली जा रहे थे। चम्हाटी के पास तीनों आरोपी सज्जन पोद्दार को घेर लिया और चाकू से प्रहार करते हुये उसे जख्मी कर दिया था। इसके बाद तीनों अभियुक्त उनकी मोटरसाइकिल और मोबाइल लूटकर भाग गया। स्थानीय लोग जख्मी हालत में सज्जन को रिम्स में भर्ती कराकर इलाज कराया। इस घटना को लेकर सज्जन पोद्दार ने अनगड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

सागरिका ने मनाया उत्कल दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची में ओड़िया लोगों का सबसे पुराना सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन सागरिका ने बुधवार को मेकॉन कम्युनिटी हॉल में अपना वार्षिक उत्कल दिवस (ओड़िशा स्थापना दिवस) मनाया। यह एक वार्षिक कार्यक्रम है जो हर साल शहर के विभिन्न हिस्सों से रांची के ओड़िया लोगों को एकजुट करता है। कला, ओड़िशी नृत्य, संगीत, मूर्तिकला, साहस, समुद्री यात्रा, चचेरे भाई-बहन और नेतृत्व में अपनी समृद्ध विरासत के लिए जाने जाने वाले ओड़िया लोग ओड़िशा के इतिहास पर प्रकाश डालकर, ओड़िशी नृत्य का अभ्यास करके, ओड़िशा के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं और विरासत पर विभिन्न आयु समूहों में प्रतियोगिताओं का आयोजन करके इस दिन को मनाते हैं। सागरिका के सचिव शिक्षाविद बिनय पटनायक ने एक अप्रैल, 1936 को एक अलग राज्य के रूप में ओडिशा की स्थापना के उपलक्ष्य में हर साल आयोजित होने वाले ऐतिहासिक उत्कल दिवस की प्रमुख विशेषताओं के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरूआत शाम 7.30 बजे झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ए.के. चौधरी, आईएएस (सेवानिवृत) पीसी मिश्रा, एमआर पांडा, पूर्व कार्यकारी निदेशक, एमटीआई, डॉ जेके रथ, अध्यक्ष सागरिका और पूर्व सीएमओ, मेकॉन अस्पताल संजय परीदा, महाप्रबंधक, सेल और सागरिका के सबसे बुजुर्ग सदस्य सिद्धेश्वर दास महापात्रा, सेवानिवृत्त मेकॉन जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुई। इसके पृष्ठभूमि में सागरिका की महिलाओं ने एक प्रार्थना गीत गाया। इसके बाद सांस्कृतिक दल डॉ. रश्मिमाला साहू, जबश्री, मधु, स्वागतिका, पुष्पा, सुलग्ना, सागरिका, बिनय, अशोक द्वारा राज्य गीत बंदे उत्कल जननी का गायन किया गया। देवस्तुता ओडिसी अकादमी, रांची, जो प्रसिद्ध ओड़िशी नृत्यांगना गुरु सबिता मिश्रा के मार्गदर्शन में छात्रों को ओडिसी नृत्य का प्रशिक्षण देने के लिए जानी जाती है, ने मंगलाचरण और अन्य ओड़िशी समूह नृत्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में ओडिशी और अन्य लोक नृत्य शामिल थे।

सागरिका के महासचिव शिक्षाविद् बिनय पटनायक ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। ड्राइंग और संगीत प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सभी ने खूब सराहा।

बीआइटी में कल होगा डॉक्टरल कोलोकियम 2025 का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा के प्रबंधन विभाग की ओर से 4 अप्रैल को डॉक्टरल कोलोकियम 2025 का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन हाइब्रिड मोड में कैट हॉल में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम डॉक्टरल स्कॉलर्स, संकाय सदस्य और उद्योग पेशेवरों को शैक्षणिक संबंधित वातालाप में भाग लेने का और अपनी बात रखने के लिए मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के निर्देशक प्रो डॉ दीपक कुमार श्रीवास्तव होंगे। उनका भाषण शोध और नवाचार के भविष्य पर प्रकाश डालेगा और शोधकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावशाली योगदान देने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

इस वातालाप में भाग लेने वाले विशिष्ट अतिथियों में संस्थान के मैनेजमेंट विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. सुप्रियो रॉय, संयोजक डॉ. अनुपम घोष, और सह संयोजक डॉ. रोहिणी झा और डॉ. सत्यजीत महतो शामिल होंगे। उनके संबोधन में शैक्षणिक कठोरता अंतःविषयक सहयोग और उद्योग-उन्मुख अनुसंधान के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर ध्यान केंद्रित करेगा। डॉक्टरल कोलोकियम 2025, संस्थान के मैनेजमेंट विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल होगी। इसका मुख्य उद्देश्य विद्वानों के बीच अनुसंधान उत्कृष्टता और ज्ञान के आदान- प्रदान को बढ़ावा देना है।

खबर एक नजर में

ट्रेनिंग पर जायेंगे झारखंड कैडर के दो आईपीएस

रांची। झारखंड कैडर के दो आईपीएस अधिकारी मिड टर्म ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद जायेंगे। यह ट्रेनिंग नेशनल पुलिस अकादमी में 21 अप्रैल से 16 मई तक चलेगी। ट्रेनिंग पर जाने वाले आईपीएस में 2014 बैच के अमन कुमार और विजय आशीष कुजूर शामिल हैं। अमन कुमार वर्तमान में खूंटी एसपी के पद पर पदस्थापित हैं, जबकि विजय आशीष कुजूर एसपी सीटीसी मुसाबनी के पद पर कार्यरत हैं।

पर्याप्त साक्ष्य के अभाव मे आरोपी बरी

रांची। अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार नंबर 2 की अदालत ने बुधवार को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में ट्रायल फेस कर रहा युवक मनीष लोहरा को पर्याप्त सबूत के अभाव में बरी कर दिया है। सिर्फ चार साल पुराने मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से एक भी गवाह न सूचक और न ही अनुसंधान पदाधिकारी गवाही देने पहुंचे। इसका लाभ कांके के मनातु निवासी मनीष लोहरा को मिला। आरोपी पर शादी शुदा होने के बावजूद रातू की एक युवती को प्रेम जाल में फंसा कर शादी का झांसा देकर साथ रखने का आरोप था। युवती को हकीकत पता चलने पर उसने आत्महत्या कर ली थी। घटना को लेकर युवती के पिता ने रातू थाना में 29 मार्च 2021 को मनीष लोहरा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

अरयू में 8 से होगी पीजी थर्ड सेम की परीक्षा

रांची। रांची विश्वविद्यालय में पीजी कला, विज्ञान और वाणिज्य थर्ड सेमेस्टर (सेशन 2023-25) की रेगुलर कोर्स परीक्षा आठ अप्रैल से शुरू होगी। विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार परीक्षा दोपहर एक से चार बजे तक आयोजित की जाएगी। इसी के साथ थर्ड सेमेस्टर वोकेशनल कोर्स (सेशन 2023-25) की परीक्षा भी आठ अप्रैल से आयोजित की जाएगी। वही, यूजी कला, विज्ञान और वाणिज्य (सेशन 2022-26) के रेगुलर और वोकेशनल कोर्स की परीक्षा सात अप्रैल से सात मई तक आयोजित की जाएंगी।

झारखंड के गौतम सिंह बने थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव, कहा

यह केवल एक पद नहीं, बल्कि खेल और खिलाड़ियों की उन्नति के लिए कार्य करने का एक बड़ा अवसर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के उपाध्यक्ष एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय थ्रोबॉल खिलाड़ी गौतम सिंह को थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया का महासचिव निर्वाचित किया गया है। यह घोषणा भिलाई के कीरत रिसॉर्ट में आयोजित फेडरेशन की वार्षिक आम सभा (एजीएम) में की गई। इस अवसर पर पूर्व महासचिव रमन साहनी को भी निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। गौतम सिंह के महासचिव बनने से झारखंड के थ्रोबॉल खेल जगत में हर्ष की लहर दौड़ गई है। गौतम सिंह ने अपनी खेल यात्रा की शुरूआत एक राज्य स्तरीय खिलाड़ी के रूप में की और अपने कठिन परिश्रम एवं समर्पण से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। वे झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के पदाधिकारी सचिव भी रहे और अब देश के थ्रोबॉल की राष्ट्रीय संस्था में महासचिव के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। इस पद तक पहुंचने के सफर में उन्होंने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन खेल के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और संघर्ष ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।

थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव निर्वाचित होने के बाद रांची पहुंचकर गौतम सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि थ्रोबॉल

फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव के रूप में निर्वाचित होना मेरे लिए अत्यंत गर्व और जिम्मेदारी का क्षण है। यह केवल एक पद नहीं, बल्कि खेल और खिलाड़ियों की उन्नति के लिए कार्य करने का एक बड़ा अवसर है। मैं अपने अनुभव और मेहनत से थ्रोबॉल खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करूंगा। मैं इस उपलब्धि को अपने थ्रोबॉल खेल के अभिभावक सह वर्तमान अध्यक्ष रमन साहनी जी, झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता, प्रशिक्षकों, सह खिलाड़ियों, पदाधिकारियों और झारखंड के खेल प्रेमियों को समर्पित करता हूं, जिनका सहयोग और समर्थन हमेशा मेरे साथ रहा है।

इस उपलब्धि पर झारखंड के कई खेल प्रेमियों और अधिकारियों ने गौतम सिंह को हार्दिक बधाई दी। इनमें प्रमुख रूप से डॉ. राजेश गुप्ता, भरत कांशी, जमील अंसारी, सुनील चक्रवर्ती, आलोक दुबे, विजेता वर्मा, वेदांत कौस्तव, शंकर दुबे, शिव शंकर पांडे, नगीना कुमार, सोनू सिंह, देवव्रत कुमार, मनीष शाहदेव, कीर्ति कुमार, गौरव सिंह, नीरज वर्मा, नीतीश सिंह, राकेश कुमार, विवेक कुमार, विश्वजीत कुमार, क्वीन ठाकुर, अभिषेक शुक्ला, अभिषेक झा, सुकांता कुंडू, सुनीता महतो, रणधीर ज्वाला, अमित कुमार, अरुणा यादव, रवि सिंह, अवधेश ठाकुर, अन्नू यादव, सरस्वती, जेबा, तमन्ना, शायरा, अंशुमन और अजित जयसवाल हैं। इनका कहना है कि झारखंड के लिए यह एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। खेल समुदाय को उम्मीद है कि गौतम सिंह के नेतृत्व में थ्रोबॉल खेल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

महावीर मंडल की बैठक में अनिल टाइगर को दी गयी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। श्री महावीर मंडल महानगर के सभी क्षेत्रों के अखाड़ों की एक अहम बैठक राजेंद्र चौक के समीप दा पाम गार्डन में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कांके महावीर मंडल के अध्यक्ष स्व अनिल टाईगर को श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। महानगर के मुख्य संरक्षक सीपी सिंह, अध्यक्ष कुणाल अजमानी, मंत्री मुनचुन राय, शेखर शरण, रमेश बाली, दिलीप सोनी, रोहित शारदा, बादल सिंह एवं समस्त पदाधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर 215 महावीर मंडल एवं अखाड़ाधारियों के अध्यक्षों को अंगवस्त्र, तलवार एवं महावीरी झंडा देकर स्वागत किया गया । इस अवसर पर सदर

अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन आप सभी के साथ हैं। कोई भी असामाजिक तत्वों को बर्दाश्त नही किया जायेगा। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि सभी राम भक्तों को एकजुट होने कर रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हो। धन्यवाद ज्ञापन समिति के संयोजक दिलीप कुमार सोनी एवं मंच का संचालन रोहित शारदा ने किया। बैठक को सफल बनाने में शेखर शरण, रमेश बाली, अशोक चौधरी, दिलीप सोनकर, राजेश्वर राजन, रोहित पांडे, वीरेंद्र साहू, राहुल चंकी, अमरनाथ सरकार, सनी साहू, अनिल केसरी, महेश सोनी, विपिन बर्मन, शैलचंद्र साहू, यश चंद्र साहू, समीर सिंह, अमन सिंह, अमित गुप्ता, देवेश अजमानी, रवि प्रकाश टुन्ना, सतीश सिन्हा आदि की भूमिका रही।

राहे प्रखंड के सुमानडीह गांव में डालसा के पीएलवी ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

जरूरतमंदों को लाभ दिलाने में कड़ी का काम करता है डालसा : पीएलवी

10 मई को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की दी जानकारी

ज्ञात हो कि 10 मई को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में डालसा के पीएलवी के द्वारा जानकारी दी गयी। जगदीश महतो, सुभाष चंद्र महतो व पुष्पा देवी ने कहा कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित है, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चोक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के मार्गदर्शन में राहे प्रखंड के होटलो पंचायत गांव सुमानडीह में डालसा, रांची के पीएलवी के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी पुष्पा कुमारी, दिलखुश महतो, जगदीश महतो, सुभाषचंद्र महतो, संजय भोगता व अन्य उपस्थित थे।

पुष्पा कुमारी ने जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों को पोक्सो एक्ट, मोटरवैहिकल एक्ट, बाल श्रम, बाल विवाह, डायन बिसाही एवं पीड़ित को मुआवजा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में डालसा कड़ी का काम करता है। दिलखुश महतो ने कहा कि माननीय न्यायालय से पीड़ित या पीड़िता को मुआवजा देने के आदेश होने पर डालसा पीड़ितों को जिला प्रशासन से समन्वय बनाकर पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में सहायता करता है। जगदीश महतो ने कहा कि बाल-विवाह एवं बाल-श्रम कानूनन अपराध है, इसमें सजा का भी प्रावधान है। सुभाषचंद्र महतो ने नशा उन्मूलन पर बताया कि युवाओं को नशा से बचना चाहिए क्योंकि नशा से घर-परिवार बरबाद होता है, नशा के सेवन से शारीरिक व मानसिक हानि होती है। संजय भोगता ने बताया कि डायन-बिसाही भी अपराध के श्रेणी में आता है, किसी भी महिला को डायन कहना गलत है। इसके अलावा डालसा के पीएलवी ने आगामी 10 मई को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उक्त तिथि को वादकारी अपने वादों का निःशुल्क निस्तारण करा सकते है।

पीएलवी जगदीश महतो व सुभाषचंद्र महतो ने वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन एवं जॉब कार्ड के बारे में जानकारी दी। दिलखुश महतो ने मंईयां सम्मान योजना के बारे में फोकस किया तथा राशन कार्ड व प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में बताया। पूष्पा देवी व संजय भोगता ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के बारे में जानकारी दी। कहा कि सभी पंचायत, ब्लॉक और अस्पतालों में पीएलवी नियुक्त किये गये हैं। जरूरत पड़ने पर पीएलवी से संपर्क कर मदद ले सकते हैं।

अंत में डालसा के पीएलवी के द्वारा लोगों के बीच कानूनी पुस्तिका एवं पम्पलेट बांटे गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में लोवाहातू पंचायत भवन के लोगों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राज्य के सरकारी स्कूलों में आज से होगी शैक्षिक सत्र की शुरुआत

रांची। राज्य के सरकारी स्कूलों में नये शैक्षिक सत्र की कक्षाएं गुरुवार से शुरू होंगी। स्कूलों का संचालन प्रात:कालीन समय-सारिणी के अनुरूप होगा। विद्यालय का संचालन सुबह सात से एक बजे तक होगा। प्रात:कालीन समय-सारिणी 30 जून तक प्रभावी होगी। बच्चों को इस माह किताब व बैग भी उपलब्ध करा दिया जायेगा। बैग वितरण को लेकर जिलों को निर्देश जारी कर दिया गया है।

रानी बागान इलाके में चार घंटे नहीं रहेगी बिजली

रांची। राजधानी रांची के रानी बागान, बैंक कॉलोनी और इंद्रप्रस्थ कॉलोनी सहित आसपास के कई इलाकों में गुरुवार को चार घंटे बिजली नहीं रहेगी। बिजली विभाग की ओर से 11 केवी आरके मिशन फीडर में एबी बंच केबल लगाया जाएगा। साथ ही पेड़ की डालियों की छंटाई तथा तारों की मरम्मति का कार्य भी किया जाएगा। इसकी वजह से इन इलाकों में सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर तीन बजे तक बिजली सेवा बाधित रहेगी। यह जानकारी बुधवार को बिजली विभाग ने दी।

अन्नपूर्णा सेवा में 425 लोगों ने किया भोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से संचालित पहाड़ी मंदिर रोड स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा और पुरुलिया रोड स्थित स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में बुधवार को कुल 425 लोगों ने भोजन किया। बुधवार की इस अन्नपूर्णा सेवा को चंद्रकला देवी मित्तल की चौथी पुण्यतिथि पर उनके पुत्र राजकुमार मित्तल और उनके परिवार ने आयोजित कराया था। वहीं सम्मेलन की ओर से संचालित पुरुलिया रोड स्थित स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में 210 लोगों ने भोजन किया। इस अवसर पर अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा की माता अन्नपूर्णा लोगों को इसी प्रकार सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करें और प्रभु की कृपा सदैव सबों के परिवार पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए अन्नपूर्णा सेवा निरंतर चलती रहेगी। दोनों अन्नपूर्णा सेवा पिछले तीन वर्षों से प्रतिदिन निरंतर सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन, प्रमोद अग्रवाल, पुरुषोत्तम विजयवर्गीय, प्रदीप नारसरिया,मनोज रुइया, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, निर्भय शंकर हरित, सांवरमल बुधिया, रमेश बंका, संजय सर्राफ, राजकुमार मित्तल, सुनील केडिया सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

बिरसा कृषि विवि में सरहुल पर शोभा यात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं और कर्मियों ने विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित कार्तिक उरांव के प्रतिमा स्थल से शोभायात्रा निकाली जो बिरसा भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद विवि के मुख्य द्वार के निकट स्थित सरना स्थल तक गई। सरना स्थल पर पाहन द्वारा विधिवत पूजा की गई, जिसका समन्वयन छात्र अरविंद उरांव ने किया।

कृषि महाविद्यालय सभागार में विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा ने कहा कि सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने, सामूहिकता को बढ़ावा देने और जीवन के पुनर्जागरण का प्रतीक है। कुलसचिव डॉ शैलेश चट्टोपाध्याय मुख्य अतिथि थे।

विचार व्यक्त करने वालों में डॉ एमएस मलिक, डॉ डीके शाही, डॉ जगरनाथ उरांव तथा डॉ बीके अग्रवाल शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सीएस महतो तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ रामप्रसाद मांझी ने किया।

संगठन की मजबूती के लिए आजसू की छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यशाला आज

- कार्यशाला में पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो मुख्य अतिथि होंगे

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी की दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को रांची के रिंग रोड स्थित ट्रेडीशनल बैंक्वेट हॉल में किया जाएगा।

कार्यशाला में पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो मुख्य अतिथि होंगे। इसके अलावा कार्यशाला को पार्टी के विधायक निर्मल महतो, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, उपाध्यक्ष राजेंद्र मेहता, हसन अंसारी सहित कई केंद्रीय नेता संबोधित करेंगे।

यह कार्यशाला पार्टी के संगठन को प्रभावी और सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

कार्यशाला में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी केंद्रीय पदाधिकारी, जिला एवं प्रखंड प्रभारी, पार्टी जिलाध्यक्ष, महिला जिलाध्यक्ष, युवा जिलाध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख सहित पार्टी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

यह कार्यशाला प्रखंड एवं जिला प्रभारियों को उनके जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उक्त कार्यशाला में पार्टी की संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए चर्चा होगी और जरूरी दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

खबर एक नजर में

अन्नपूर्णा सेवा में लगी ठंडा पेयजल की मशीन

रांची। रांची के पहाड़ी रोड स्थित रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से संचालित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा में बुधवार को ठंडा शीतल पेयजल मशीन लगाई गई। मशीन को समाजसेवी राजकुमार मित्तल और संगीता मित्तल ने चंद्रकला देवी मित्तल की स्मृति में लगाई गई है। ठंडा पेयजल मशीन का शुभारंभ तिरुपति बालाजी मंदिर के पुजारी सत्यनारायण गौतम ने विधि विधान से किया। इसके बाद राजकुमार मित्तल ने पूजा अर्चना कर मशीन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री विनोद कुमार जैन और संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने मित्तल परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस अन्नपूर्णा सेवा में लोगों को शुद्ध भोजन के साथ-साथ ठंडा पेयजल भी हमेशा मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि यहां भोजन करनेवाले लोगों को गर्मी में ठंडा पानी से काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और मानव सेवा से बढ़कर कोई काम नहीं है। इस अवसर पर सुनील कुमार केडिया, विजया केडिया, राजकुमार मित्तल, संगीता मित्तल, विनोद कुमार जैन, संजय सर्राफ सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर में 223 महिला और बच्चों की जांच

रांची। राष्ट्रीय लघु उद्योग लिमिटेड, भारत सरकार के सामाजिक उत्तरदायित्व जन स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत स्वयं सेवी संस्था अभियान की ओर से बुधवार को रांची के सीठियो रोड, एचईसी धुर्वा में महिला और बच्चों के लिये नि:शुल्क स्वास्थ्य की जांच शिविर लगाया गया। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विजेता सिंह ने उपस्थित महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। संस्था की ओर से शिविर में सीठियो बस्ती की जरूरतमंद महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच के बाद दवा और सेनेटरी पैड दिया गया। इसके पूर्व शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लघु उद्योग लिमिटेड की रांची शाखा प्रमुख किरण तिरु का स्वागत डॉक्टर विजेता सिंह ने किया। वहीं शिविर में समय देने के लिये किरण तिरु ने डॉक्टर विजेता सिंह का आभार प्रकट किया और उनका स्वागत अंगवस्त्र देकर किया। शिविर में लगभग 213 महिला और बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस अवसर पर संस्था के सचिव मनोज कुमार राय, काउंसलर अम्बिका रानी, कंपाउंडर शिवलाल प्रसाद, सहायक रमेश कुमार, गुनगुन, मौली और अन्वेषा सहित अन्य उपस्थित थे।

युवराज गोपाल शरण नाथ शाहदेव की 56वीं जयंती मनी

- छोटानागपुर राज की शान थे युवराज : निर्मला भगत
- चाहने वालों ने श्रद्धा से किया याद, चित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। हटिया विधानसभा क्षेत्र के दिवंगत कांग्रेस विधायक युवराज गोपाल शरण नाथ शाहदेव 56 वीं जयंती पर श्रद्धा से याद किये गये। उनकी चित्र और मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। काठीटांड़ स्थित युवराज चौक में चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित समारोह में जिप अध्यक्ष निर्मला भगत बतौर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने केक काट कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्रीमती भगत ने युवराज को छोटानागपुर की शान बताया। अध्यक्षता अशोक तिर्की, संचालन अतुल राज और धन्यवाद ज्ञापन पृथ्वीनाथ शाहदेव ने किया। इधर, राजकिला और फन कैशल पार्क में भी उनकी तस्वीर व मूर्ति में श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये।

कार्यक्रम में अजयनाथ शाहदेव, नितेश नाथ शाहदेव, पृथ्वीनाथ शाहदेव, दामोदर नाथ मिश्र, देविया उरांव, महावीर विश्वकर्मा, सरवर खान, शमीम मंसुरी, अक्लिमा खातून, अरविंद पांडेय, चिंटू मिश्र, जयगोविंद मुंडा, संजय गुप्ता, हीरामणि साहू, अंजुम खान, जितेश्वर मुंडा, पंकज दयाल, विपिनेश्वर दयाल सिंह, हीरालाल मंडल, संतोष कुमार, महावीर विश्वकर्मा, कृष्णा रज्जक, प्रदीप सिंह, रामेश्वर दयाल, संतोष साहू, राजेंद्र साहू, विजय सिंह, हुसे उरांव, सुधीर सिंह, बाबू साहू, हरि साहू, संजय साहू, राजकुमार वर्मन, कृष्णा गोप, निर्मल साहू, अरशद अयूब, निर्मल सिंह, लखन गोप, विजय सिंह, प्रदीप साहू व हाजी मंसूर आलम शामिल थे।

जलजमाव से सरहुल शोभायात्रा में हुई परेशानी, जिम्मेदार उदासीन

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। रांची-गुमला मुख्य मार्ग से बेड़ो सब्जी मंडी जाने वाली सड़क में जलजमाव एवं नाले से बहता गंदा पानी व कचरे से दुकानदारों व आमलोगों का जीना मुहाल हो गया है। वहीं आने-जाने वाले किसानों, व्यापारी व राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इससे बेखबर स्थनीय प्रखंड प्रशासन व जनप्रतिनिधि मूकदर्शक बने हैं। सब्जी मंडी जाने वाले इस मार्ग में नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने से स्थिति नारकीय हो गई है। जिससे लोगों को पैदल चलना दूभर हो गया है। लेकिन इस नारकीय स्थिति से निजात दिलाने के लिए आज तक कोई सामने नहीं आया है। नतीजतन स्थिति विकराल होती जा रही है। जिससे लोगों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर गंदा पानी जमा होने से आवागमन करने में भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ता है। वहीं बुधवार को बेड़ो में निकली सरहुल शोभायात्रा में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जबकि शोभायात्रा से पहले इसे मोरम भरकर दुरुस्त करने की बात जिम्मेदारों द्वारा कही गई थी। लेकिन स्थिति ज्यो की त्यों बनी हुई है। लोगों का कहना है कि सब्जी मंडी जानेवाले एकमात्र रास्ते में गंदगी व कचरे का ढेर लगा है और प्रखंड कार्यालय में स्वच्छता का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। वहीं सड़क पर गंदा पानी की समस्या होने से चलना दूभर हो गया है। इससे मार्ग पर गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। साथ ही जलजमाव से ग्रामीणों को संक्रामक बीमारी फैलने का भय बना हुआ है।

डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल, सिल्ली में नर्सरी से 11वीं कक्षा तक के इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

- एडमिशन लेने वाले नये बच्चों के अभिभावकों ने कार्यक्रम में लिया हिस्सा
- छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समा बांधा

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली। डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल, सिल्ली में नर्सरी से कक्षा 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में एडमिशन लेने वाले नए बच्चों के अभिभावकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या बी शरण ने समेत अभिभावकों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। आगंतुक अभिभावकों का स्वागत स्कूली छात्रों ने स्वागत गीत गाकर किया। स्कूल के छात्र व छात्राओं ने इस अवसर पर गणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समा बांधा। इंडक्शन कार्यक्रम में नर्सरी कक्षा से लेकर 11वीं कक्षा तक के नए अभिभावक व नए नामांकित बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अभिभावकों का स्वागत करते हुए स्कूल के प्राचार्या बी शरण ने नए अभिभावकों से परिचय प्राप्त किया व स्कूल के छात्रों के महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने अभिभावकों को समय पर स्कूल में छात्रों को भेजने के लिए अनुरोध किया। साथ ही उन्हें अनुशासन में रहकर पढाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को साफ-सुथरे ड्रेस व स्कूल बैग में संबंधित किताब के साथ भेजने का आग्रह किया। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षकों के साथ उनका परिचय भी कराया गया। इंडक्शन कार्यक्रम के तहत उपस्थित अभिभावकों को उनके बच्चों के विभिन्न कक्षाओं का सिलेबस व स्कूल रुटीन भी उपलब्ध कराकर वितरण किया गया। इस दौरान संगीत म्यूजिकल चेयर समेत कई खेल प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसमें अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षक शंभू नाथ मुखर्जी तथा विजय मंडल शिक्षिकाएं नैना कांदू , खुशबू शर्मा, मोनालिसा सेनगुप्ता, अंकिता शर्मा, ज्योति कुमारी, और श्वेता शाह का योगदान सराहनीय रहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक शंभू नाथ मुखर्जी तथा विजय मंडल, शिक्षिकाएं नैना कांदू, खुशबू शर्मा, मोनालिसा सेनगुप्ता, अंकिता शर्मा, ज्योति कुमारी और श्वेता शाह का योगदान सराहनीय रहा।

समापन कार्यक्रम में प्राचार्य बी. शरण ने प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया।

इस मौके पर शंभू नाथ मुखर्जी तथा विजय मंडल शिक्षिकाएं नैना कांदू, खुशबू शर्मा, मोनालिसा सेनगुप्ता, अंकिता शर्मा, ज्योति कुमारी, और श्वेता शाह का सराहनीय योगदान रहा।

बेड़ो के डुमरदोन में बांसुरी वादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

बांसुरी वादन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आधार है : क्षितीश कुमार राय

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बांसुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य वादन का साधन है। बांसुरी के बगैर सांस्कृतिक कार्यक्रम की कल्पना करना असम्भव है। यह बातें झारखंड रत्न, नागपुरी कवि सह कलाकार क्षितिश कुमार राय ने कहीं। वे पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र कोलकाता भारत सरकार सह सांस्कृतिक कार्य निदेशालय झारखंड सरकार के तत्वावधान में बुधवार को बेड़ो प्रखंड के डुमरदोन गांव में गुरु शिष्य परंपरा के तहत आयोजित बांसुरी वादन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर व फीता काटकर समारोह का उद्घाटन किया। इसके पूर्व ग्रामीणों ने ढोल,ढाक,नगाड़ा व मांदर की थाप पर परंपरागत नाच गान के साथ अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर जनमानस को झूमने पर विवश कर दिया। समारोह में वक्ताओं ने बांसुरी वादन की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि बांसुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान दर्शकों के दिल व दिमाग पर मीठा रस का पान कराती है। बांसुरी के बगैर सांस्कृतिक कार्यक्रम अधूरा है। वक्ताओं ने बांसुरी वादन प्रशिक्षण केन्द्र के खुलने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इसके खुलने से बांसुरी वादन की कला में निखार पैदा होगा।जो कालांतर में बांसुरी वादन के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगा। वहीं मौके पर लोककलाकारों में बतौर अतिथि पद्मश्री मधु मंसूरी,ईजेडसीसी कोलकाता के सदस्य बंदी उरांव, महावीर नायक,क्षितीश कुमार राय, महावीर साहू, रामप्रसाद महली, यशोदा देवी, वाणी कुमार रॉय, जगन्नाथ भगत, राजीव रंजन अधिकारी, पड़हा संचालन समिति के संरक्षक नीलमणि भगत, पूर्व उप प्रमुख धनंजय राय, बलराम सिंह व भीखा उरांव समेत दर्जनों लोग मौजूद थे। अध्यक्षता मनरखन बड़ाईक व संचालन शंकर बड़ाईक ने किया।

सरहुल प्रकृति और परंपरा के प्रति हमारी आस्था और सम्मान का प्रतीक है : शिल्पी

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। सरहुल पर्व प्रकृति और परंपरा के प्रति हमारी आस्था और सम्मान का प्रतीक है। उक्त बातें बुधवार को बेड़ो सरहुल पूजा महासमिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य जुलूस शोभायात्रा में अलग-अलग जुलूस में शामिल होकर कृषि, पशुपालन सह सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने संबोधित करते हुए कही। उन्होंने प्रकृति पर्व सरहुल पर राज्य वासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रकृति और परंपरा के प्रति हमारी आस्था और सम्मान का प्रतीक है। इधर

बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में बुधवार को प्रकृति पर्व सरहुल की खूब धूम रही। जहां दर्जनों गांवों की झांकी व जुलूस के साथ हजारों ग्रामीणों ने ढोल, ढाक, मांदर व नगाड़ा की थाप पर परंपरा गत नाच गान के साथ भव्य शोभायात्रा निकाला। इस दौरान झांकियों के साथ जुलूस का अद्भुत नजारा दिखाई दिया। इसके पूर्व सरहुल पूजा महासमिति के अगुवाई में सरना स्थल में पूजा अर्चना कर वन विभाग रोड से अध्यक्ष सुका उरांव, संरक्षक राकेश भगत व जुगेश उरांव की अगुवाई में शोभायात्रा निकाली गई। जो देवी मंडप की परिक्रमा करते हुए बाजार टांड़,बेड़ो बस्ती होते हुए छोटा सरनास्थल पहुंचा। जहां बुधवा पहान व बुदा उरांव,पूजार पंचम तिर्की व राकेश भगत ने परंपरागत तरीके से मां सरना की पूजा अर्चना व सामुहिक प्रार्थना कर सुख- समृद्धि की कामना किया। वहीं सरना स्थल की परिक्रमा करते हुए शोभायात्रा गुमला रोड होते हुए महादानी मंदिर मैदान पहुंचा और एक समारोह में बदल गया। शोभायात्रा में प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए दर्जनों खोड़हा दलों के लोगों ने अपनी सहभागिता निभायी। इसमें शामिल हर उम्र के लोगों ने पारंपरिक परिधानों में सज धज कर परंपरागत नाच गान करते हुए जनजातीय संस्कृति का अद्भुत समां बांधा। वहीं शोभायात्रा में ग्रामीणों के साथ परंपरागत नाच गान में कृषि सह पशुपालन सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की थिरकीं। इधर समाजसेवियों व प्रबुद्धजनों ने शोभायात्रा में शामिल होकर एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर सरहुल की शुभकामनाएं दीं । साथ ही एक दूसरे के गले लगकर बधाई दिया। वहीं शोभायात्रा में युवा व युवतियां कलश के साथ झूमर नृत्य किया। जो समारोह व शोभायात्रा का आकर्षण रहा। साथ ही जगह-जगह शिविर लगाकर पानी, शरबत, चना व गुड़ का वितरण किया गया। वहीं थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इधर शोभायात्रा को सफल बनानेवहीं समारोह में धनंजय कुमार राय, मुखिया सुशांति भगत, अनिल टोप्पो, प्रभात टोप्पो, मंगा पहान, रंजीत टोप्पो, अनिल उरांव, दिलीप उरांव, सुशील उरांव, अनिल उरांव, प्रदीप भगत, मनोज लकड़ा, पंचम तिर्की, सुका उरांव, प्रभात लकड़ा, रंजीत टोप्पो, राकेश भगत, बुधराम उरांव, सुनील कच्छप, जुगेश उरांव, मंगा पहान, अनिल उरांव, सुजीत कुमार, राजेश भगत, सुका उरांव, सुशील भगत, बुधवा उरांव ने सराहनीय योगदान दिया।

निकली सरहुल शोभायात्रा में शामिल ग्रामीण।

शोभायात्रा में ग्रामीणों के साथ थिरकतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की।

श्रीश्री 1008 आंजनेय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ शुरू 1800 महिलाओं ने निकली कलश यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। श्रीश्री 1008 हनुमान आंजनेय मंदिर फुरहुरा टोली केदल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को आसपास गांव की 1800 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंदिर परिसर से फुरहुरा होते हुए विभिन्न गांव होते हुए जुमार नदी जलाषय पहुंची। जहां पंडित मिथिलेश पांडेय द्वारा विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कल में जल भरवाया गया। जिसके बाद एचएच-20 पथ से बीआईटी चैंक होते हुए यज्ञ स्थल पहुंचे। इस दौरान लोग जयश्रीराम व हनुमान की जयकारा लगा रहे थें। आचार्य पंडित मिथिलेश पांडेय ने पांच दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम की जानाकरी देते हुए बताया महायज्ञ के प्रथम दिन कलश मंडप प्रवेश के बाद पंचांग व वेदी पूजन, अरणीमंथन के साथ भगवान अग्नी का प्राकट्य किया जाएगा। दूसरे दिन अखंड हरिकीर्तन, विभिनन धार्मिक आयोजन को साथ अंतिम दिन भंडारे व रात्रि में भक्ति जागरण का आयोजन होगा। कलश यात्रा में पूर्व विधायक जितूचरण राम, जिप सदस्य संजय कुमार, मुखिया राहूल मुंडा, राजेष कंडरवार, मनरखन महतो, मनेस महतो, मनोज कुमार महतो, जयराम सिंह, सुभाष मालपानी, समिति के अध्यक्ष बिनोद कुमार महतो, सचिव बिरेन्द्र महतो, उपाध्यक्ष कमलेश महतो, अनिल कुमार महतो, अरुण कुमार महतो, रमेश महतो, मुख्य संरक्षक नारायण महतो, मनोज कुमार महतो, अमित कुमार महतो, विजय कुमार महतो, प्रेम कुमार महतो, चंदन कुमार महतो, अजय कुमार महतो, सत्येंद्र महतो, अकाश गोप संतोष महतो, राहूल मुंडा, ब्रजमोहन, संजयलाल, राजकुमार महतो, विवेक रंजन, राजेश महतो, श्यामलाल, मोहनलाल, सुबोध कुमार, दिलीप महतो, महावीर महतो, राजू महतो, भुवनेश्वर महतो, फेकनलाल महतो आदि शामिल थें।

करकट्टा बस्ती में मनाया गया सरहुल पूजा

खलारी। तुमांग पंचायत के ग्राम करकट्टा बस्ती में सरहुल पर्व मनाया गया। इस अवसर पर करकट्टा बस्ती स्थित झखरा स्थल पर पाहन गणेश पाहन एव पनभोरा संजय गंझु के द्वारा परंपरिक तरीके से मुर्गे की बलि देकर पूजा की गई। उंसके बाद पाहन के द्वारा उपस्थित ग्रामीणो के बीच फुलखोन्सी किया। वही इसके बाद पाहन के द्वारा घर घर जाकर फुलखोन्सी किया जाएगा। सारहुल को लेकर करकट्टा बस्ती में उत्साह का माहौल है। इस मौके पर बहुरा मुंडा, किसुन मुंडा, पंकज मुंडा, शत्रुघ्न मुंडा, सुधन मुंडा, अशोक राम, विनोद मुंडा, अजय मुंडा, प्रदीप मुंडा सहित काफी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर विशाल शोभा यात्रा निकाली

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर इटकी में बुधवार को विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। केंद्रीय सरना समिति के तत्वावधान में निकाले गए शोभा यात्रा में प्रखंड के मोरो, बोड़िया, मकुंदा, मल्टी, कुंदी व रानीखटंगा सहित अन्य खोड़ा दलों के आदिवासी समुदाय के हजारों महिला पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में इटकी मौसीबाड़ी में एकत्र हुए। जहां से विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। जो गुलजार रोड, बाजार टांड़ से होते हुए सरना स्थल पहुंची जहां पारंपरिक नृत्य गान प्रस्तुत किया गया। शोभा यात्रा में एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा कर त्योहार की बधाई दी गयी। मौके पर आदिवासी समाज के महिला पुरुष ढोल, नगाड़ा व मांदर की थाप पर जम कर थिरके। इधर गढ़गांव टिकरा टोली में खददी उरांव के नेतृत्व में शोभा यात्रा निकाली गई। जो टिकरा टोली सरना स्थल से निकल कर चमेली मैदान पहुंची जहां नृत्य गान प्रस्तुत किया गया। इधर शोभायात्रा में थाना प्रभारी मनीष कुमार के नेतृत्व में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल मुस्तैद थी।

लहना में पंचायत स्तरीय सरहुल महोत्सव आयोजित
बेलांगी स्टेडियम में खूब थिरके खोड़हेधारी

होचर से भी निकला शोभायात्रा एक-दूसरे को दी पर्व की बधाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। प्रखंड के लहना में पंचायत स्तरीय सरहुल महोत्सव आयोजित किया गया। काटू, लहना, मखमंदरो, बेलांगी, ब्रजपुर, कुंबाटोली, चितरकोटा बड़काटोली, छोटकाटोली, मलटोटी व मरियातु के खोड़हेधारी बाजारटांड़ में जुटे। राज्य के काबिना मंत्री चमरा लिंडा और जिप अध्यक्ष निर्मला भगत ने लोगों का हौसला अफजाई की। शोभायात्रा निकाल लोग बेलांगी स्टेडियम पहुंचे। वहां घंटों गीत-नृत्य का दौर चला। युवक-युवती मांदर की थाप पर खूब थिरके। इस दौरान एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगा त्योहार की बधाई दी गयी। प्रमुख संगीता तिर्की व सांसद प्रतिनिधि बिमल उरांव खास मेहमान थे। पाहन, महतो, कोटवार व पईनभरा सम्मानित किये गये। इधर, होचर में भी इंद टोंगरी से मलमाडू जतरास्थल तक शोभायात्रा निकाली गयी।

नृत्य करते युवक-युवती।

रोहताशगढ़ से आये प्रतिनिधि

रोहताशगढ़ के प्रतिनिधियों ने भी समारोह में हिस्सा लिया। इसमें मुखिया श्यामनारायण उरांव व मनोज उरांव प्रमुख हैं। उन्होंने आदिवासी परंपरा को खूब सराहा और युवाओं से इस धरोहर को बचाने की अपील की। उरांव द्वय ने गीत-नृत्य को संस्कृति का हिस्सा बताया और अखरा परंपरा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बतायी।

इन्होंने निभायी भूमिका

मेरी भगत, नीलम कच्छप, विश्राम उरांव, लक्ष्मी भगत, महावीर विश्वकर्मा, शकुंतला देवी, लखन गोप, दोहराई उरांव, चमरू उरांव, नरेश भगत, सुखमनी भगत, कुशल उरांव, राजेश भगत, अशोक भगत, रामानंद तिवारी, राजू तंबोली, अविनाश लकड़ा, गोयंदा उरांव, सुकरा उरांव, ज्योति भगत, रीता भगत, परमेश्वर सिंह, लाला कुजूर व उत्तम तिग्गा आदि।

खबर एक नजर में

राम भरोसे चल रही रेल थाना की चौकी चौकी इंचार्ज रहते हैं नदारद

सिल्ली/मुरी। मुरी रेल थाना का हाल कुछ इस तरह है कि वहां आपको ना ही समय पर सिपाही मिलेंगे ना ही चौकी इंचार्ज। जरूरी दस्तावेजों का हाल कुछ इस तरह है कि उन्हें बिना किसी चिंता के खुले में टेबलों पर रखा गया है। ऐसे में अब सवाल ये उठता है कि अगर किसी को कोई परेशानी है तो वो आखिर जाए कहां। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह अक्सर थाना से नदारत रहते हैं। उसके जगह हमेशा थाना में पदस्थापित एसआई डी राम तथा अन्य पुलिस कर्मी किसी भी मामले पर को उलझाने के बाद लीपापोती करने के लिए लोगों को परेशान करते हैं। परेशान रेल यात्री थाना प्रभारी को बुलाने की मांग करने पर यह आनाकानी करते हैं ना ही उनसे बात करने के लिए उनका नंबर देते हैं। इस संबंध में जब थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह से उनके मोबाइल नंबर 7004714661 पर बात करना चाहा पर उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया।

बुंडू में वैदिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

बुंडू। महात्मा एन डी ग्रोवर डी ए वी पब्लिक स्कूल, बुंडू में बुधवार से तीन दिवसीय वैदिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ ओम् ध्वजारोहण एवं हवन के साथ किया गया। इस शुभ अवसर पर आर्य समाज रांची की आजीवन संरक्षिका श्रीमती सुशीला गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में आर्य ज्ञान प्रचार समिति के अध्यक्ष श्री एस एल गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यालय समिति के अध्यक्ष श्री सुनील गुप्ता जी एवं उनकी धर्मपत्नी, सचिव श्री अजय आर्य जी सपत्नीक, प्राचार्य डॉ. रविप्रकाश तिवारी, श्री अशोक भाटिया, अन्य गणमान्य अतिथि, अभिभावकगण एवं लगभग 300 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य श्री दीपक कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि यह शिविर बच्चों में अनुशासन, एकता, सहिष्णुता, राष्ट्र प्रेम एवं गौरवशाली इतिहास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन विगत दो वर्षों से संपूर्ण विकास के लिए किया जा रहा है। श्री अशोक कुमार पाठक ने शिविर की उपयोगिता एवं उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेष उपलब्धियों के लिए विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। गुरुवार 3 अप्रेल को बुंडू के मुख्य मार्ग पर एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक भाग लेंगे। इस आयोजन में अभिभावकों का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा है।

खरना संपन्न, 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। लोक आस्था महापर्व चैती छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान के दूसरे दिन व्रतियों का खरना का प्रसाद खाने के साथ ही छठ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया। गुरुवार को व्रतीं अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। अर्घ्य के लिए ठेकुआ का प्रसाद तैयार किया जाएगा। फिर उसे सूप में फल -फूल और पूजन सामग्रियों के साथ सजाया जाएगा। शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ महापर्व संपन्न हो जाएगा। इधर चार दिवसीय छठ पूजा अनुष्ठान के दूसरे दिन बुधवार को खरना पूजा कर छठ व्रतियों के साथ श्रद्धालुओं ने खरना का प्रसाद ग्रहण किया। वहीं छठव्रत धारियों ने दिनभर निराहार व निर्जला उपवास रहकर सूर्यास्त के उपरान्त चन्द्र को अर्घ्य देकर शाम में खरना का प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही छठ माता को केले के पत्ते पर प्रसाद निवेदित कर व्रतधारी व स्वजनों ने प्रणाम कर छठी मईया से आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात व्रतियों ने अपने मित्रों, सगे- संबंधियों के बीच प्रसाद वितरण किया।

खरना पूजा करतीं छठव्रती।

माहौल बिगाड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: दीपक

खबर मन्त्र संवाददाता

सिकिदिरी। रामनवमी त्यौहार में क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर बुधवार को सिकिदिरी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता थाना प्रभारी दीपक कुमार सिन्हा ने किया।बैठक में दोनों समुदाय के गणमान्य व्यक्तियों सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों ने भाग लिया। लोगों ने क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन को हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिन्हा ने लोगों से जिला प्रशासन की ओर से जारी गाइडलाइन के तहत ही रामनवमी का पर्व आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।कहा कि पर्व के दौरान माहौल बिगाड़ने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। अफवाह फैला का शांति भंग करने वालों पर पुलिस की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट मीडिया के से सावधान रहने कि बात कही।

जंगली हाथी के आने से गांव में दहशत का माहौल

इटकी। इटकी प्रखंड अंतर्गत कुन्दी टोंगरी पतरा में दो जंगली हाथी के आने से गांव में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया. हाथी देखनेके लिए क्षेत्र से लोगों कि भीड़ उमड़ पड़ी। प्रात: से शाम तक कुन्दी के समीप रेलवे ट्रैक स्थित टोंगरी पतरा के किनारे हाथी देखने के लिए लोगों का हुजूम लगा रहा। सूचना पाकर वन विभाग की टीम व इटकी पुलिस पतरा (जंगल) के समीप जाने से लोगो को रोके रखा और लोगों को जंगली हाथी को छेड़ छाड़ करने से मना करता रहे। शाम करीब साढ़े छह बजे वन विभाग के हाथी भगाओ टीम बम पटाखे, मशाल लेकर पहुंची और पतरा किनारे आग लगा दी। थोड़ी देर में जंगली हाथी नगड़ी थाना क्षेत्र के लद्दा गांव स्थित नदी तक गयी जहां पानी पीकर पुन: इटकी तुरुगुरु टिकरा की ओर रुख किया। समाचार लिखे जाने तक हाथी भगाओ टीम द्वारा जंगली हाथी सुरक्षित दिशा में भगाने के प्रयास में जुटी थी।

सरना कोड नही तो जनगणना नही होने दी जायेगी : चमरा लिंडा

- सरहुल पूजा महोत्सव में ओरमांझी पहुंचे मंत्री
- सरना स्थल में की प्रार्थना, बनेगा पड़हा भवन

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। आदिवासी 22 पड़हा सरना समिति सदमा ओरमांझी द्वारा बुधवार को सरना स्थल मायापुर में 29वां सरहुल पूजा महोत्सव में झारखंड के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा पहुंचे। उन्होने सरना स्थल पर पूजा व प्रार्थना किया, कहा पहले आदिवासी व हिन्दू में काफी समरसता थी। एक दूसरे के पर्व त्योहार साथ मिलकर पकवान खाते आ रहे हैं। बाहरी लोगों द्वारा दोनो को आपस में लड़ाने का कार्य किया जा रहा है। आदिवासी व दिन्दू की समरसता पुनः कायम करने की जरूरत है। कहा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुझे आदिवासियों के कल्याण मंत्री बनाया है। उन्होने सरना स्थल पर पड़हा भवन निर्माण कराने की घोषणा किया, कहा एसटी, एसी व ओबीसी के विकास, सरना स्थल की घेराबंदी, धूमकुड़िया भवन व गांव के बच्चों के लिए इंगलिस मीडियम स्कूल का निर्माण सहित काफी कार्य करना है। उन्होने कहा राज्य के सभी विधायक को उपहार में आदिवासी संस्कृति का सैंबोलिक नागाड़ा दिया है। घर में रखे नगाड़ा सभी को झारखंड की संस्कृति बचाने का बोध कराते रहेगा। सरहुल में आयोजित नृत्य संगीत के साथ अपने पुरखों की परंपरा को भी बचाए रखने की अपील किया, कहा पूरी दुनिया से भारत की संस्कृति सबसे बेहतर है। सरहुल के माध्यम से हमें देष को बचाने का भी संदेष मिलती है। सृष्टि को बचाने के लिए ही आदिवासी समाज पूजा करती है। उन्होने कहा आपनी धर्म व संस्कृति बचाने के लिए सरना कोड जरूरी है। 2026 में राज्य का परिसिमन होना है। सरना कोड लागू नही हुआ तो 2025 में जनगणना होने नही दिया जाएगा। कार्यक्रम में टीएसी सदस्य नारायण उरांव, सहित कई लोगों ने संबोधित किया। वहीं मंच का संचालन समिति के अध्यक्ष बाबुलाल महली ने किया। इससे पूर्व आसपास गांव से लोग नाचते-गाते लोग शोभायात्रा लेकर पहुंचे, व सरना सरना स्थल पर सामुहिक नृत्य किए। वहीं शोभायात्रा लेकर पहुंचने वालों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री चमरा लिंडा।

कार्यक्रम में समुहिक नृत्य करती युवतियां।

चैती छठ पर हुई खरना पूजा, पहला अर्घ्य आज

सिल्ली। महापर्व चैती छठ के चार दिवसीय पूजा के तहत छठव्रतियों ने खरना पूजा की। बुधवार की शाम को छठ व्रतियों के घरों में खरना प्रसाद ग्रहण करने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। लोगों ने खरना का प्रसाद खीर ग्रहण किया। सूर्य उपासना पर्व छठ को लेकर गुरुवार की संध्या में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दी जाएगी। जबकि, शुक्रवार की प्रात: छठव्रती व अनेक श्रद्धालु भगवान उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देंगे। इधर, शहर के स्वर्ण रेखा नदी, साहेब बांध के अलावा बंता के तालाब, पतराहातू एवं रामपुर के तालाब सहित पवित्र जलाशयों में छठ वर्ती अर्घ्य अर्पण करेंगे। छठ घाटों की सफाई की गई है। हालांकि, साहेब तालाब के सफाई नहीं की गई। इससे, छठ व्रतियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

खरना पूजा होने के साथ शुरू हुआ छठ व्रतियां का 36 घंटो का निर्जला उपवास

खलारी। लोक आस्था का महापर्व चैती छठ के दुसरे दिन बुधवार को खरना किया गया। पूरे दिन छठव्रती निर्जला उपवास रखा। वहीं छठव्रती अपने आसपास के नदी एवं जलाश्यों में स्नान कर नेम निष्ठा से शुद्ध चूल्हे में आम के लकड़ी से खीर प्रसाद बनाई। शाम में छठ माता को खीर को अर्पित की उसके बाद खुद ग्रहण किया। प्रसाद ग्रहण करने के बाद से 36 घंटे की निर्जला उपवास शुरू हो गया। वहीं खरना पूजा के बाद लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरूवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद शुक्रवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

विषम परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बीच एनके एरिया में बेहतर प्रदर्शन रहा : दिनेश

- वित्त वर्ष एनके एरिया 23 लाख 324 टन कोयले का उत्पादन और 14 लाख 806 टन कोयला डिस्पैच किया

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। विषम परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बीच एनके एरिया वित्त वर्ष 2024-25 में कोयला उत्पादन में बेहतर प्रदर्शन किया है। एरिया में 23 लाख 324 टन कोयले का उत्पादन किया है। वहीं 14 लाख 806 टन कोयला डिस्पैच किया गया है। उक्त जानकारी एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने डकरा वीआईपी सभागार में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। उन्होंने बताया कि एरिया को 38 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला था। लेकिन कई परियोजनाओं में जमीन की समस्या के कारण कोयला उत्पादन पर बुरा असर पड़ा। जिससे एरिया अपने लक्ष्य से पीछे रह गया। पुरनाडीह परियोजना 10 लाख टन के एवज में 2 लाख 5 हजार 592 और रोहिणी 6 लाख में 1 लाख 2 हजार 660 टन ही कोयला निकाल पाई। एरिया को वित्त वर्ष 2025- 26 में एरिया को 34 लाख टन का लक्ष्य मिला है। जिसमें डकरा परियोजना को 5 लाख टन, पुरनाडीह 7 लाख, केडीएच 10 लाख, रोहिणी 6 लाख और चूरी 6 लाख टन का लक्ष्य मिला है। उन्होंने कहा कि अधिकारी, श्रमिक प्रतिनिधि, श्रमवीरों,विस्थापित ग्रामीणों के सहयोग से लक्ष्य हासिल करेंगे। उन्होंने भविष्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रोहिणी परियोजना में एक नई क्रेशर मशीन लगाई जाएगी। जिससे कोयला उत्पादन में आने वाले दिनों में बढ़ोतरी दिखेगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल एरिया की स्थिति अच्छी नहीं है। लेकिन कोयला उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काफी काम किया जा रहा है। जिसका परिणाम वित्तीय वर्ष के अंतिम तक जरूर देखने को मिलेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते महाप्रबंधक।

एनके एरिया के डकरा परियोजना को छोड़कर सभी लक्ष्य से पीछे

एनके एरिया के डकरा परियोजना 5.50 लाख टन के निर्धारित लक्ष्य को बाखूबी नियत समयपुर्व पूरा करते हुए 5 लाख 69 हजार 632 लाख टन का उत्पादन किया है। जो पिछले डेढ़ दशकों में सबसे अधिक का ग्रोथ है। परियोजना के खान प्रबंधक अशोक कुमार ने इस उपलब्धि के लिए अधिकारी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा परियोजना के दृढ़ संकल्पी श्रमविरो, कर्मचारियों एवं अधिकारियों की अथक परिश्रम एवं लग्न से ही उपलब्धि संभव हो पाया है।

प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर शोभायात्रा निकाला

बुढ़मू। केंद्रीय सरना समिति ठाकुरगांव के तत्वाधान में प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर बुधवार को ठाकुरगांव में 45 खोड़हा के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाला गया। शोभायात्रा में हजारों ग्रामीण शामिल हुए। शोभायात्रा पूरे गांव का भ्रमण करते हुए एतिहासिक मंडाटांड मैदान में पहुंचकर मेला में तब्दील हो गया। मेला में बतौर मुख्य अतिथि सुबोधकांत सहाय व विधायक सुरेश कुमार बैठा शामिल हुए। मेला को संबोधित करते हुए सुबोधकांत सहाय ने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति पूजा का एक महाउत्सव है। पाहन राजा के द्वारा पूजा अर्चना करने के उपरांत आदिवासी समुदाय के लोग नए फसलों का प्रयोग करते हैं। यह पर्व प्रकृति की रक्षा करने का संदेश देता है। मेला में बतौर विशिष्ठ अतिथि अंचलाधिकारी सचिदानंद कुमार वर्मा व बीडीओ धीरज कुमार, विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था की कमान थाना प्रभारी विनीत कुमार सशस्त्र बल के साथ संभाले हुए थे।

संघ से संधि

भा यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चचाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि

आज का राशिफल

मेष : बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No. JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

हरिभाऊ वाकणकर: भीमबैठका और वैदिककालीन सभ्यता की खोज

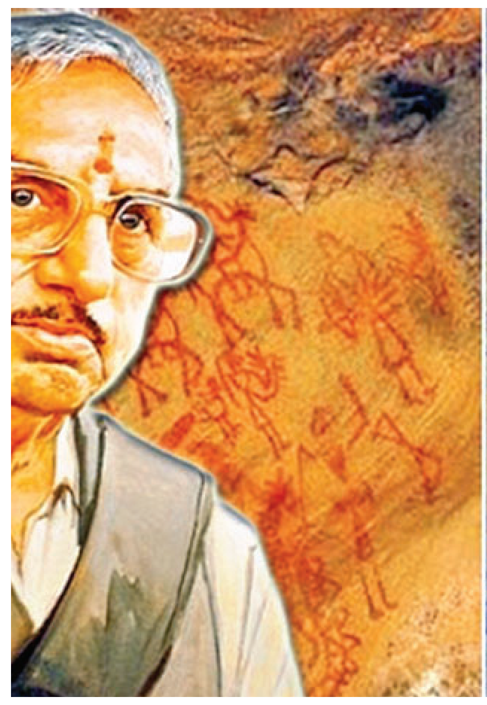

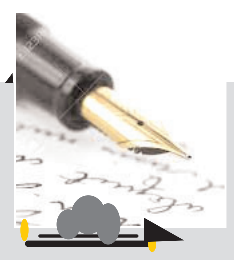

- रमेश शर्मा

> मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग चालीस किलोमीटर दूर भीमबेटका के प्राचीन शिलाचित्रों की खोज वाकणकरजी ने की थी। भीमबैठका और भोजपुर के आसपास के कुछ चित्र तो लगभग पौने दो लाख वर्ष पुराने प्रमाणित हुये। इन सभी चित्रों का कार्बन-डेटिंग पद्धति से परीक्षण किया गया। इसका सत्यापन अंतरराष्ट्रीय शोधकताओं ने किया । इसी शोध के चलते उन्हें 1975 में पद्मश्री अलंकरण मिला।

सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् की पुण्यतिथि

डॉक्टर हरिभाऊ वाकणकर की गणना संसार के प्रमुख पुरातत्वविदों में होती है। उन्होंने भारत के विभिन्न वनक्षेत्र के पुरातन जीवन और भोपाल के आसपास लाखों वर्ष पुराने मानव सभ्यता के प्रमाण खोजे। भीमबैठका उन्हीं की खोज है। उनके शोध के बाद विश्व भर के पुरातत्वविद् भारत आये और डाक्टर वाकणकर से मार्गदर्शन लिया। उनका पूरा नाम श्रीविष्णु श्रीधर वाकणकर था लेकिन वे हरिभाऊ वाकणकर के नाम से प्रसिद्ध थे।

उनका जन्म 4 मई 1919 को मध्यप्रदेश के नीमच नगर में हुआ। पिता श्रीधरजी वाकणकर वैदिक विद्वान थे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। बड़े भाई लक्ष्मण वाकणकर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियर थे। उन्हें सिरेमिक कला में विशेषज्ञता प्राप्त थी। लिपियों के विकास विशेषकर देवनागरी के डिजिटलीकरण में विशेषज्ञ के रूप में उनकी ख्याति थी। हरिभाऊ जी की प्रारंभिक शिक्षा नीमच में ही हुई और उच्च शिक्षा केलिये बनारस गये। पारिवारिक पृष्ठभूमि ने उनके भीतर भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट स्वाभिमान जागृत किया और राष्ट्रीय स्वयं सेवकसंघ से जुड़ने के लिये प्रेरित किया। वे बालवय में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गये थे। हरिभाऊ जी बहुत अध्ययन एवं कल्पनाशील थे, स्मरण शक्ति और स्वत्व वोध विलक्षण था। छात्र जीवन में अपनी कक्षा के साथियों और अन्य मित्रों से परस्पर चर्चा में तर्क सहित वे उन धारणाओं का खंडन करते थे जो विदेशी लेखकों ने भारतीय वाड्मय की गरिमा कम करने के लिये स्थापित की थीं। शिक्षा पूरी कर उन्होंने इसी दिशा में कदम बढ़ाये। उन्होंने भारतीय पुरातन साहित्य का विस्तृत अध्ययन किया और पुराणों कथाओं से संबंधित विवरणों के सजीव प्रमाण खोजे।अनेक उन तथ्यों को प्रमाणित किया जिन्हें मिथक कहकर नकारा जाता रहा था। इसमें वेद वर्णित सरस्वती नदी का अस्तित्व भी है।

वाकणकर जी ने सरस्वती नदी की खोज के लिये विश्व इतिहास के इस तथ्य को आधार बनाया कि संस्कृतियों के विकास और इतिहास के प्रमाणीकरण में नदियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वाकणकर जी ने वैदिक साहित्य में वर्णित सरस्वती नदी की खोज आरंभ की। उन्होंने उपग्रह छवि से प्रमाणित किया कि सरस्वती नदी का प्रवाह हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरता है। आगे चलकर इस मार्ग के लिये एक परियोजना का गठन हुआ जिसके सलाहकार मंडल कै संयोजक वाकणकर जी बनाये गये। उन्होंने सिंधु घाटी सभ्यता को भी सरस्वती नदी से जुड़े होने के प्रमाण दिये। पुरातात्विक खोज के लिये उन्होने उन्होंने पूरे देश की यात्रा की। गंगा और नर्मदा के किनारे, विन्धय एवं सतपुड़ा पर्वत क्षणियों के मैदानों में लाखों वर्ष पुराने मानव सभ्यता के चिन्ह खोजे। पर उन्हें मालवा से बहुत लगाव था। इसलिये उन्होंने नीमच, रतलाम, उज्जैन, इंदौर, कायथा, शाजापुर के साथ भोपाल, रायसेन, विदिशा आदि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया और वनक्षेत्र में पदयात्राएँ कीं। उनके जीवनवृत के अध्ययन से लगता है कि प्रकृति से उन्हें कोई अतिरिक्त ऊर्जा प्राप्त थी। वे पुरातात्विक और खंडित प्रतिमाओं को इतने ध्यान से देखते थे कि लगता था उनसे बातें कर रहे हो। कई बार तो बैठे-बैठे उठकर किसी विशिष्ठ स्थान की ओर चल देते थे अथवा चलती ट्रेन में अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर जंगल में उतर जाते थे और उन्हें वहाँ कुछ न कुछ पुरातात्विक खजाना मिल ही जाता था।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग चालीस किलोमीटर दूर भीमबेटका के प्राचीन शिलाचित्रों की खोज वाकणकरजी ने की थी। भीमबैठका और भोजपुर के आसपास के कुछ चित्र तो लगभग पौने दो लाख वर्ष पुराने प्रमाणित हुये। इन सभी चित्रों का कार्बन-डेटिंग पद्धति से परीक्षण किया गया। इसका सत्यापन अंतरराष्ट्रीय शोधकताओं ने किया । इसी शोध के चलते उन्हें 1975 में पद्मश्री अलंकरण मिला।

वाकणकर जी उज्जैन के सिंधिया ओरियंटल इंस्टीट्यूट से जुड़े थे और भारतीय कला मंदिर उनकी साधना स्थली था। वे न केवल पुरातत्वविद् थे अपितु अच्छे चित्रकार भी थे। उन्हें जितनी विशिष्टता पुरातात्विक अनुसंधान में प्राप्त थी वे उतने ही श्रेष्ठ संगठक थे। उनका पूरा जीवन ऋषि परंपपरानुरूप था। उन्होंने अपने शिष्यों की एक विशाल मंडली तैयार की। उनमें श्याम सुंदर सक्सेना, गोमती संकुशल, सचिदा नागदेव , मुजफ्फर कुरैशी, रहीम गुट्टीवाला आदि प्रमुख रहे। अपने शिष्यों की टोली के साथ उन्होंने चंबल और नर्मदा के बीहड़ों की खोज की और इंग्लैड तक यात्रा की। उनका शिष्य मंडल मानों परिवार था, उनके व्यक्तित्व का अंग था। वे सुनते अधिक थे बोलते कम थे। जो बोलते मानों ब्रह्म वाक्य होता। उन्होंने जीवन में कभी विश्राम नहीं किया। उन्होंने निरंतर यात्राएँ कीं, भारत के सभी महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थानों के साथ विश्व के अनेक स्थानों की यात्रा इसमें शामिल है। वे कभी भी एक झोला कंधे पर टाँग कर निकल पड़ते थे। जिस प्रकार उनके जीवन का आरंभ भारतीय परंपरा, संस्कृति और श्रेष्ठता को प्रतिष्ठित करने के अभियान के साथ हुआ था, जीवन का समापन भी कर्मपथ पर हुआ। उन्होंने 4 मई 1988 को सिंगापुर में जीवन की अंतिम श्वाँस ली।

यह उनके व्यक्तित्व और कार्य क्षमता और ऊर्जा की विलक्षण विशेषता थी कि पुरातात्विक अन्वेषण में अपने अतुलीय और अथक कार्य के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रकल्पों में भी उनकी सक्रियता निरन्तर रही। वे 1981 में स्थापित संस्कार भारती के संस्थापक महामंत्री रहे। वनक्षेत्र में अपने शोध कार्य के साथ उन्होने संघ की योजनानुसार सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान कार्य भी किये।

पुरातात्विक अनुसंधान और सामाजिक कार्यों के साथ वाकणकरजी ने सिक्कों और शिलालेखों का संग्रह भी किया। उन्होंने ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी से लेकर अब तक के लगभग 5500 सिक्कों और संस्कृत, प्राकृत, ब्राह्मी आदि भाषाओं के लगभग 250 शिलालेखों का संग्रह किया। उनके योगदान की स्मृति को सजीव रखने के लिये संस्कार भारती ने 4 मई 2019 से 3 मई 2020 के बीच उनकी जन्म शताब्दी वर्ष का आयोजन किया था। उनका शरीर भले आज संसार में नहीं है पर उनके अनुसंधान सजीव हैं। वे पुरातात्विक अनुसंधान के मील के पत्थर थे। उनके द्वारा स्थापित मानदंड आज भी अनुसंधानकताओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

लेटर टू एडिटर

शिक्षा का अर्थ

शिक्षा का अर्थ केवल एक निश्चित पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों तक पहुंचाना नहीं होता, बल्कि नैतिकता का पाठ भी पढ़ाना होता है। भारतीय शिक्षा पद्धति का आधार नैतिक चरित्र ही रहा है। ज्ञान में किया गया निवेश सर्वश्रेष्ठ होता है। शिक्षा व्यक्ति में निहित प्रतिभा को निखारती है। शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं, बल्कि स्वयं ही जीवन है।

–अनूप कुमार, रांची

किसानों की नाराजगी

भारतीय किसान यूनियन और पंजाब सरकार के बीच टकराव का उल्लेख है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान किसानों की मांगों के प्रति सहानुभूति रखते हुए भी भारतीय किसान यूनियन की बैठक छोड़कर चले गए। इसके बाद किसान यूनियन ने आंदोलन का ऐलान किया, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हुई। पंजाब सरकार को हड़ताली कर्मचारियों की समस्याओं को सहानुभूति से हल करना चाहिए। – रवि,

ट्वीट

अमित शाह ने आगे कहा अभी अभी फैशन है संविधान लहराने की। यह संविधान के हिसाब से सरकार का या सरकार का या किसी भी निजी संस्था का कोई पर कोई भी फैसला मान्यवर कायदे की कोर्ट से बाहर कैसे हो सकता है? कोई भी फैसला हो, यह देश की अदालत वह फैसले तक रुचि नहीं रखेगी। नागरिक जीवन से लेकर कहां जाएंगे, जिसकी भूमि हड़प कर ली गई, वह कहां जाएगा? ऐसा नहीं चलेगा. आपकी वोट बैंक के लिए आपने क्या किया था?

– अमित शाह, गृह मंत्री

पेड़ काटना मानव हत्या के समान

पर्यावरण

- राकेश दुबे

अब यह समझ लेना जरूरी है कि कोई कानून और पेड़ों को हल्के में न ले। देश में लगातार जारी पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ सख्त रवैया अख्तियार करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने कहा है कि एक पेड़ का कटना इंसान की हत्या से भी बदतर है। कोर्ट ने आरोपी व्यक्ति को नये पौधे लगाने की अनुमति तो दी, लेकिन काटे गए 454 पेड़ों के बदले प्रति पेड़ एक लाख रुपये के हिसाब से लगाया जुमार्ना कम करने से इनकार कर दिया। ऐसा कोर्ट ने अभियुक्त के गलती स्वीकारने और माफी मांगने के बावजूद किया।

इसके जरिये कोर्ट ने साफ संदेश दिया कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों को कोई रियायत नहीं दी जाएगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया कि संबंधित प्राधिकारी की आज्ञा के बिना पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि ताजमहल व अन्य पुरातात्विक इमारतों के संरक्षण के लिये बनाये गए ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में 454 पेड़ कटवा दिए गए थे। दरअसल, कोर्ट ने इस मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में सहयोग कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एडीएन राव के इस सुझाव पर सहमति जतायी कि कोई कानून और पेड़ों को हल्के में न ले। वहीं, जुमार्ना लगाने के बाबत भी कोर्ट ने मानक तय किया कि इसमें किसी तरह रियायत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी चिंता जतायी कि जो पेड़ काटे गए हैं, उसकी जगह नये पेड़ लगाने के बावजूद इसकी क्षतिपूर्ति में सौ साल लग जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील संरक्षित ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में अदालत ने पेड़ काटने पर वर्ष 2015 से ही प्रतिबंध लगा रखा था। इसके बावजूद अदालत की अनुमति के बिना

सैकड़ों पेड़ काट डाले गए। जिसके बाद न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति यानी सीईसी की वह रिपोर्ट स्वीकार कर ली कि बीते वर्ष 454 पेड़ काटने वाले व्यक्ति पर प्रति पेड़ के हिसाब से एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जाए।

कोर्ट ने अभियुक्त की तरफ से पेश वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की वह दलील ठुकरा दी कि अभियुक्त ने गलती मानते हुए माफी मांग ली है, तो उसे जुमार्ना कम करके राहत दी जाए। हालांकि कोर्ट ने पास के किसी स्थान पर पौधरोपण करने की अनुमति जरूर प्रदान कर दी है।

ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग के चलते तापमान में निरंतर वृद्धि जारी है, वृक्षों का होना प्राणवायु का जरिया ही है। जो हमें शहरों के कंक्रीट के जंगल से उत्पन्न खतरों से बचाते हैं। खासकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाकों में उनकी दोहरी भूमिका है। ऐसे में नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि कैसे किसी व्यक्ति को संवेदनशील इलाके में पेड़ काटने की अनुमति दी गई। निरंतर बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता शासन-प्रशासन के साथ समाज में भी होनी चाहिए। उत्तराखंड में चिपको आंदोलन और राजस्थान में खेजड़ी वृक्षों को बचाने के लिये लोगों के त्याग व संघर्ष को हमें याद रखना चाहिए। जनता का कड़ा प्रतिरोध भी वृक्षों की रक्षा करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

ट्रंप बोले- आज, हम नियंत्रण वापस ले रहे हैं

सामयिक

लंबे समय से दुनिया का गुल्लक बना था अमेरिका, ट्रंप बोले- आज, हम नियंत्रण वापस ले रहे

ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि काफी समय से अमेरिका दुनिया का गुल्लक बना हुआ था। आज, हम नियंत्रण वापस ले रहे हैं। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को अमेरिका के घरेलू उद्योगों को विदेशी निर्भरता से ₹मुक्त₹ करने की अपनी लड़ाई में एक मील का पत्थर करार दिया।

संयुक्त राज्य अमेरिका की तरफ से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट किया है। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा इट्स लिबरेशन डे इन यूएस यानी अमेरिका में आज आजादी का दिन है। ट्रंप आज अमेरिकी समयानुसार शाम 4:00 बजे (भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे) रोज गार्डन में 'मेक अमेरिका वेल्दी अगेन इवेंट में भाषण देंगे। इसी इवेंट में रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर घोषणा होगी। ट्रम्प ने लंबे समय से व्यापार असंतुलन के समाधान के रूप में टैरिफ का समर्थन किया है, जबकि अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि उपभोक्ताओं को अंततः इसकी कीमत चुकानी होगी। आलोचकों का तर्क है कि आयात की उच्च कीमतें मुद्रास्फीति को बढ़ावा दे सकती हैं और अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकती हैं।

आज, हम नियंत्रण वापस ले रहे हैं

ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि काफी समय से अमेरिका दुनिया का गुल्लक बना हुआ था। आज, हम नियंत्रण वापस ले रहे हैं। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को अमेरिका के घरेलू उद्योगों को विदेशी निर्भरता से मुक्त करने की अपनी लड़ाई में एक मील का पत्थर करार दिया। लिबरेशन डे पर घोषित किए जाने वाले टैरिफ के अलावा, जैसा कि ट्रम्प इसे कहते हैं, ऑटो और ऑटो पार्ट्स के आयात पर 25% टैरिफ गुरुवार से प्रभावी होने वाले हैं।

'डर्टी 15' देश कौन हैं?

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने हाल ही में देशों के एक समूह को डर्टी 15 के रूप में संदर्भित किया, जिसे उन्होंने अमेरिका के उन 15 प्रतिशत व्यापारिक साझेदारों के रूप में वर्णित किया जो अमेरिकी वस्तुओं पर भारी टैरिफ और अन्य व्यापार बाधाएं लगाते हैं। हालांकि बेसेन्ट ने इन देशों की सटीक सूची का खुलासा नहीं किया, लेकिन अमेरिकी वाणिज्य विभाग की 2024 व्यापार घाटे की रिपोर्ट के डेटा से कुछ सुराग मिलते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के साथ सबसे ज्यादा माल व्यापार घाटे वाले देश हैं-

चीन यूरोपीय संघ,मेक्सिको वियतनाम,आयरलैंड जर्मनी,ताइवान

जापान,दक्षिण कोरिया कनाडा,भारतथाईलैंड, इटली स्विट्जरलैंडमलेशिया इंडोनेशिया

कौन से टैरिफ लगाए जाएंगे?

टैरिफ अलग-अलग देशों और उद्योगों में अलग-अलग होने की उम्मीद है। ट्रम्प ने पहले स्टील और एल्युमीनियम पर व्यापक टैरिफ लगाए हैं, विदेशी ऑटोमोबाइल पर शुल्क लगाए हैं और चीनी वस्तुओं पर लक्षित शुल्क लगाए हैं। नए व्यापार उपायों में ये शामिल हो सकते हैं:विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स और सेमीकंडक्टर में अतिरिक्त क्षेत्र-विशिष्ट शुल्क

ऑटोमोबाइल आयात और स्पेयर पार्ट्स पर उच्च टैरिफ, 4 अप्रैल से प्रभावी होने वाले हैं

अमेरिका के साथ बड़े व्यापार अधिशेष वाले देशों से निर्मित वस्तुओं पर व्यापार बाधाओं में वृद्धि

गर्मी का तेवर तल्ख होते ही मिट्टी के प्राकृतिक फ्रिजों की मांग बढ़ गयी है। तस्वीर अजय सानी की

कार्टून वर्ल्ड

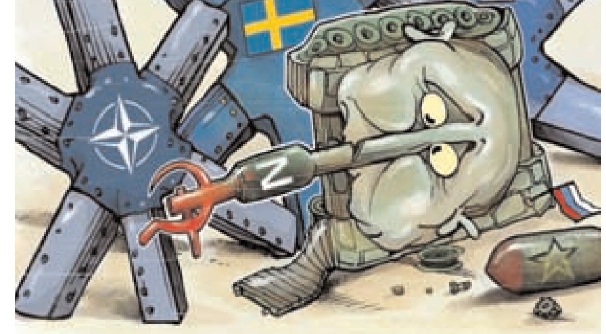

स्पीड न्यूज

कुजू : करमा परियोजना में 2000 टन से अधिक कोयले का उत्पादन

कुजू। 2024-25 में सीसीएल मुख्यालय से मिले लक्ष्य सीसीएल कुजू ने 83 प्रतिशत हासिल किया। वर्ष 2024-25 में सीसीएल कुजू क्षेत्र को कोयला उत्पादन के लिए 22 लाख टन मिट्रिक का लक्ष्य मिला था। जिसमें 18 लाख 28 हजार 208 मिट्रिक टन कोयला ही उत्पादन में सफल रही। जबकि ओबीआर में 2024-25 में 45 लाख क्यूबिक मीटर निकालने का लक्ष्य मिला था। जिसमें क्षेत्र ने 31 लाख 25 हजार 828 क्यूबिक मीटर ही निकाल सका। वहीं इस बार करमा परियोजना क्षेत्र ने मिले 10 लाख लक्ष्य को पार करते हुए 2 हजार टन मिट्रिक ज्यादा किया। जबकि तोपा परियोजना को 9 लाख टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य मिला था। जिसमें 7 लाख 125 मिट्रिक ही उत्पादन कर सका। जबकि सारूबेड़ा परियोजना को मिले 3 लाख मीट्रिक टन में 1 लाख 26 हजार 83 कोयला उत्पादन किया। जबकि ओबीआर में करमा परियोजना को मिले 20 लाख लक्ष्य में 16 लाख 43 हजार 135 हासिल किया। जबकि तोपा ने 20 लाख लक्ष्य में 11 लाख 36 हजार 663, सारूबेड़ा ने 5 लाख में 3 लाख 46 हजार 135 क्यूबिक मीटर हासिल किया।

गिद्दी के एमओ बने डॉ जेड खान

रामगढ़। आदर्श क्षेत्रीय चिकित्सालय गिद्दी के नये एमओ के रूप में बुधवार को डॉ जेड आइ खान ने पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि आदर्श क्षेत्रीय चिकित्सालय गिद्दी में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनायेंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन, एक्सरे को बेहतर बनाने का कार्य किया जाएगा। साथ ही जरूरत के अनुसार चिकित्सक बहाल किये जायेंगे। ताकि लोगों को इलाज में किसी तरह की परेशानी नहीं हो। मौके पर ईश्वर केशव राय, सतीश चौधरी, हेमलाल, शंकर, सोनू, धीरज आदि उपस्थित थे।

बजरंग अखाड़ा ने निकाला जुलूस

कुजू। बजरंग अखाड़ा श्री राम चौक द्वारा रामनवमी के अवसर पर मंगलवार शाम गाजे-बाजे के साथ भव्य मंगला जुलूस निकाला गया। जुलूस अखाड़ा परिसर से प्रारंभ होकर क्षेत्र के केबीगेट, कुजू चौक, कुजू बस्ती, डटमा मोड़ हनुमान मंदिर होते हुए पुनः अखाड़ा परिसर आकर संपन्न हो गया। जुलूस के दौरान शामिल श्रद्धालुओं द्वारा जय श्री राम, जय हनुमान के जयघोष लगाते रहे। जिससे पूरा क्षेत्र राममय हो गया। युवतियों द्वारा महाराष्ट्र के वेशभूषा में शामिल होकर जुलूस को और आकर्षक बना दिया। वहीं नवयुवकों ने हैरत-अंगेज लाठी व तलवार बाजी किया। जिसे देख लोग हस्तप्रभ हो गये। जुलूस में समाज सेवी अमर सिंह, जगेश्वर प्रजापति, प्रवीण मेहता, धर्मराज राम, मुखिया राकेश मेहता रॉक, मुखिया बूच बाबा, सहित काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल थे।

महायज्ञ को ले निकली कलश यात्रा

रजरप्पा। चितरपुर प्रखंड के पंचायत बड़कीपोना में श्री श्री 108 राम लखन हनुमत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 525 महिलाएं और कुंवारी कन्याओं ने हनुमान मंदिर से कलश के साथ दामोदर नदी पहुंची और वहां से जल लेकर पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंची। यज्ञाचार्य सत्येंद्र उपाध्याय ने पूजा अर्चना कराया। मौके पर रामगढ़ जिप अध्यक्ष सुधा देवी, पूर्व पार्षद गोपाल चौधरी, आजसू पार्टी युवा नेता पियूष चौधरी शामिल हुए। जिप अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे अनुष्ठान से आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती है।

कुजू में महायज्ञ को लेकर भूमि पूजन

कुजू। 21 अप्रैल से करमा दक्षिणी पंचायत के गंगानगर सतडेकिया में होने वाले श्री श्री 1008 हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर बुधवार को भूमि पूजन किया गया। आचार्य शुभम कृष्ण शास्त्री, पंडित महेन्द्र तिवारी, अशोक तिवारी, जनार्दन तिवारी ने यजमान बने विजय ठाकुर, सुरेश मुंडा सपत्नीक के हाथों गौरी गणेश के पूजन के साथ अन्य धार्मिक अनुष्ठान कार्य संपन्न कराया। तपश्चात पूरे विधि विधान से महावीरी झंडे का ध्वजारोहण कराया। जबकि यज्ञ शांतिप्रिय व्यवस्था के बीच सफल हो इसके लिए गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण कर क्षेत्र के सभी देव स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा अर्चना कर ईश्वर से आशीर्वाद और दुआएं मांगी। बड़ी संख्या में श्रद्धालु छोटे बड़े महावीरी झंडे लेकर नगर भ्रमण में शामिल हुए।

छठमय हुआ भुरकुंडा व भदानीनगर

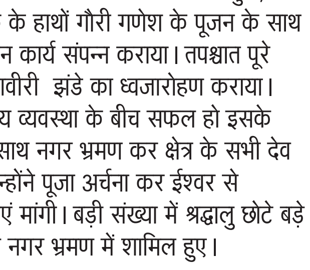

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल का वातावरण छठमय भक्तिमय हो गया है। भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में चार दिवसीय चैती छठ पूजा नियम पूर्वक भक्ति भाव एवं धूमधाम से मनाया जा रहा है। श्रद्धा भक्ति आस्था का महापर्व चैती छठ के दूसरे दिन बुधवार को छठव्रतियों ने खरना पूजा किया। इसमें दिनभर निर्जला उपवास रख शाम में गाय के दूध में शुद्ध रूप से खीर का प्रसाद बनाएं और पूजा-अर्चना के बाद खीर के प्रसाद को सेवन किए। खरना के पश्चात भक्तों के बीच खरना के प्रसाद का वितरण देर शाम तक होता रहा। चैती छठ पर्व के तीसरे दिन गुरुवार को दिन-रात छठव्रती निर्जला उपवास रखेंगे। वहीं अपराह्न में सूप दउरा में फल-फूल पूजा सामग्रियों को सजाकर छठ घाटों पर पहुंच छठव्रतियों भक्तों द्वारा अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इसी प्रकार छठ महापर्व के चौथे दिन शुक्रवार को तड़के सुबह पुनः छठ घाटों पर पहुंचेंगे और उदयीमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पारण करेंगी।

स्वच्छ भारत मिशन का हजारीबाग में खस्ता हाल

देखरेख के अभाव में जंग खा रहे चलंत शौचालय

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वच्छ भारत मिशन, जिसने देश को खुले में शौच से मुक्त करने का सपना दिखाया था, आज हजारीबाग में बदहाली का शिकार हो चुका है। कभी सफाई की गारंटी रहे चलंत शौचालय अब खुद गंदगी और बदइंतजामी की तस्वीर पेश कर रहे हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए ये शौचालय अब कबाड़ बन चुके हैं–टायर पंचर, टंकियों के ढक्कन गायब और अंदर पानी का नामोनिशान नहीं। हर साल रामनवमी के दौरान हजारीबाग शहर में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। इनमें बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग होते हैं, जिनके लिए सार्वजनिक शौचालयों की उपलब्धता जरूरी है। नगर निगम ने इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखकर बाजार, चौक और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में चलंत शौचालय लगाए थे, लेकिन देखरेख के अभाव में वे अब बेकार खड़े हैं।

10 लाख की लागत, फिर भी कबाड़ : स्वच्छ भारत मिशन के तहत

रामनवमी के दिन लाखों भक्तों को होगी परेशानी

10 लाख रुपये प्रति शौचालय की लागत से खरीदे गए ये चलंत शौचालय कभी शहर की स्वच्छता की रीढ़ माने जाते थे। इनका उद्देश्य जरूरत के मुताबिक इन्हें अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर सफाई व्यवस्था बनाए रखना था। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि कोर्ट परिसर और मुख्य सड़कों पर ये शौचालय जंग खाते खड़े हैं शहर के मेन रोड स्थित फाइबर शौचालयों में पानी नहीं है, सदर अस्पताल के गेट के पास बना शौचालय पूरी तरह अनुपयोगी हो चुका है। उसकी टंकी का ढक्कन तक गायब है, जिससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है। मजबूरन लोग दीवारों के पीछे शौच करने को मजबूर हैं, जिससे गंदगी बढ़ती जा रही है।

समाजसेवी गणेश कुमार सीटू का कहना है कि यदि नगर निगम इन शौचालयों की मरम्मत कराए, तो यह फिर से उपयोग में आ सकते हैं और श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी। लेकिन अधिकारी मरम्मत के बजाय नए शौचालय खरीदने में रुचि रखते हैं, क्योंकि वहां मोटी कमाई होती है! रामनवमी का पर्व सिर पर है, और यदि नगर निगम अब भी नहीं जागा, तो लाखों श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। सवाल यह है कि क्या सरकार इस दुर्दशा पर कोई ठोस कदम उठाएगी, या फिर स्वच्छ भारत मिशन सिर्फ फोटो खिंचवाने और आंकड़े गढ़ने तक ही सीमित रहेगा?

रामराज्य महोत्सव में दिखी श्रद्धा

बालिकाओं का बुलेट पर प्रदर्शन बना आकर्षण का केंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। बुधवार को सनराइज ग्रुप, हजारीबाग के तत्वावधान में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण श्री रामराज्य महोत्सव झंडा शोभा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस शोभायात्रा ने पूरे नगर को राममय कर दिया, जब हजारों श्रद्धालु भगवा ध्वज थामे, भजन-कीर्तन गाते और जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण को गुंजायमान करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। यात्रा का शुभारंभ कालीबाड़ी, दुर्गा मंडप और भगत सिंह चौक से हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के आदर्शों का स्मरण कर उनकी महिमा का गुणगान किया।महिलाओं ने भी पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ झूमते हुए जयकारे लगाए, जिससे पूरे नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं के हाथो में शस्त्र और उनके परिधान ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इस दौरान कई झांकिया भी शहर में निकली जिसमे हरियाणा (हिसार) की महाकाल झांकी ने सभी का मन मोह लिया। साथ ही बालिकाओं का बुलेट पर प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़-चढ़कर इस आयोजन में भाग लिया। मार्ग में भक्तों के स्वागत के लिए श्रद्धालु कोल्ड ड्रिंक, जल और प्रसाद की व्यवस्था कर रहे थे, तो कहीं श्रद्धा से सड़कों पर फूलों की वर्षा हो रही थी। यात्रा झंडा चौक, पंच मंदिर चौक, महावीर स्थान होते हुए अखाड़े तक पहुंची, जहां भक्तों ने संकीर्तन और आरती कर महोत्सव का समापन किया। यह आयोजन सिर्फ एक शोभायात्रा नहीं, बल्कि श्रीराम के आदर्शों, सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता के संदेश का अनुपम संगम बन गया। हजारीबाग की इस दिव्य यात्रा ने यह सिद्ध कर दिया कि श्रीराम की भक्ति से संपूर्ण समाज को एकता के सूत्र में पिरोया जा सकता है।

सरहुल में झूमे प्रशिक्षु

हजारीबाग। झारखंड की धरती पर प्रकृति से जुड़े पर्वों की अपनी खास अहमियत है, और इन्हीं में से एक है सरहुल, जिसे गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मुकुंदगंज, हजारीबाग में बुधवार को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रशिक्षुओं ने मांदर की थाप पर थिरकते हुए सांस्कृतिक रंग बिखेरे और झारखंड की जीवंत परंपराओं को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वसुंधरा कुमारी ने सरहुल की आध्यात्मिक और पारिस्थितिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व न केवल आदिवासी समाज की आस्था से जुड़ा है।

रामगढ़ में सेवानिवृत सब इंस्पेक्टर से उचक्कों ने छीना रुपए से भरा थैला

रामगढ़। सेवानिवृत सब इंस्पेक्टर विद्यावती बनर्जी पति नितिन बनर्जी बुधवार को शहर के में रोड स्थित बैंक आफ इंडिया से पैसे की निकासी कर अपने घर पतरातू बस्ती जा रही थी।

इसी बीच बिजुलिया पुल शिव मंदिर के निकट बाइक सवार दो युवकों ने उनसे पैसे से भरा झोला छीनकर तेज रफ्तार से टायर मोड़ की ओर फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर रामगढ़ थाना प्रभारी सदलबल के साथ घटनास्थल पहुंचकर मामले की जानकारी ली। साथ ही छिनतई गिरोह का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी लेट हो चुकी थी। मामले में सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर विद्यावती बनर्जी ने आवेदन में कहा है कि एक बजे बैंक ऑफ इंडिया से पैसे की निकासी कर अपने पति नितिन बनर्जी के साथ अपने घर पतरातू बस्ती जा रही थी। जब हम लोग बिजुलिया शिव मंदिर के पास से पतरातू बस्ती की ओर मुड़े तो पीछे बाइक सवार दो युवक आकर रुपए से भरा झोला जिसमें 60 हजार, पुलिस का आईडी कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, दो एटीएम, पासबुक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक का एफडी पेपर सहित अन्य कागजात से भरा झोला छीनकर फरार हो गए।

रामगढ़ में स्कूल से कई सामान की चोरी

रामगढ़। रामगढ़ जिले में स्कूल को भी चोर अपना निशाना बना रहे हैं। मामले में स्कूल की प्रधानाध्यापिका अरुणा कुमारी ने बुधवार को रामगढ़ थाना में शिकायत दर्ज कराई है। थाने में दिये गये आवेदन में कहा गया है कि रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत जारा टोला में स्थित प्राथमिकी उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईद और सरहुल पर्व को लेकर 31 मार्च और दो अप्रैल तक बंद है।

इसकी सूचना स्कूल के एक छात्रा ने बुधवार को 12 बजे दी। सूचना पाकर जब स्कूल पहुंची तो देखा कि किचन का शेड का ताला टूटा हुआ है और उसमें रखे तीन बोरा चावल, एक पंखा, स्टील की थाली 40 पीस, स्पोर्ट्स का सामान और स्कूल बैग एक बंडल गायब है। इसके बाद में रसोईया को बुलवाई और पूछताछ की लेकिन चोरी का कुछ भी पता नहीं चल पाया। उन्होंने पुलिस से इस मामले में जांच कर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

शिशु मंदिर में वार्षिक रिजल्ट जारी

हजारीबाग। मालवीय मार्ग स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में बुधवार को वार्षिक परिणाम पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर ओम आरोहणम संस्थान की संस्थापिका एवं भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक तरीके से अतिथियों के स्वागत से हुई। विद्यालय प्रबंधन ने मुख्य अतिथि को शॉल एवं पुस्तकें भेंटकर सम्मानित किया। इस सम्मान से अभिभूत भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने छात्रों को अपने हाथों से परिणाम पत्र वितरित किए और उन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। रामनवमी के पावन अवसर पर विद्यालय समिति एवं शिक्षकों को शेफाली गुप्ता ने तलवार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया और सभी को रामनवमी की अग्रिम बधाइयां दीं। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर जैसे विद्यालय न केवल बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि उनमें भारतीय संस्कृति और संस्कारों की गहरी जड़ें भी स्थापित कर रहे हैं। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधकीय समिति के सचिव एवं पूर्व जिला संघ चालक ज्ञानचंद प्रसाद मेहता, सेवा भारती की जिला संयोजिका सत्यभामा, प्रकाश जनसेवा संस्थान की संयोजिका रानी शुक्ला, विद्यालय समिति के कोषाध्यक्ष बादल गोयल व अन्य उपस्थित थे।

होप हॉस्पिटल रामगढ़ में ओपीडी का शुभारंभ

हर महीने के पहले और तीसरे बुधवार को उपलब्ध रहेंगे न्यूरोलॉजिस्ट और किडनी रोग विशेषज्ञ

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़/भुरकुंडा। ऑर्किड हॉस्पिटल रांची द्वारा होप हॉस्पिटल रामगढ़ में बुधवार को न्यूरो और किडनी रोग के लिए ओपीडी सेवा की शुरुआत की गई। ओपीडी सेवा का शुभारंभ ऑर्किड अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जितेन मिधा, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. शालिनी प्रिया सहित होप हॉस्पिटल के डॉ. आशु मल्होत्रा, अस्पताल प्रबंधन की मेघा बागड़िया और पूनम जालान आदि अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक चले इस विशेष ओपीडी में मरीजों को मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारियों और किडनी रोगों पर विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया गया। जिसमें मरीजों को मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारियों और किडनी रोगों से संबंधित समस्याओं पर विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया गया। रांची के विशेषज्ञ कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन एवं स्पाइन सर्जन डॉ. जितेश मिधा ने मरीजों ने मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारियों, स्पाइन समस्याएं (स्लिप डिस्क, स्पोंडिलाइटिस, रीढ़ की हड्डी में चोट या संक्रमण), सिरदर्द, माइग्रेन, ब्रेन ट्यूमर आदि पर परामर्श लिया। वहीं कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट (किडनी रोग विशेषज्ञ) डॉ शालिनी प्रिया ने मरीजों को क्रॉनिक किडनी डिजीज, किडनी फेल्योर, पैरो व टखनों में सूजन, बार-बार पेशाब आना, किडनी परीक्षण में गड़बड़ी और गुर्दे की बीमारियों से संबंधित परामर्श दिया। मौके पर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जितेन मिधा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शरीर में हल्की-फुल्की भी तकलीफ हो तो इसे अनदेखा न करते हुए चिकित्सक से मिलें और चेकअप कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार और दवा से सर्जरी की नौबत आने से बचा जा सकता है। उन्होंने पेन किलर दवाओं के अधिक उपयोग से भी बचने की सलाह दी। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. शालिनी प्रिया ने कहा कि विभिन्न बीमारियों से बचाव

एक नजर में

बरही : बराकर नदी से युवक का शव बरामद

बरही। कोल्हुआकला गांव के 22 वर्षीय सागर कुमार का शव बराकर नदी से हुआ बरामद । पिता प्रकाश दास ने हत्या की आशंका जताते हुए तीन दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है और थाना में आवेदन दिया है। प्रकाश दास के अनुसार, सागर मंगलवार दोपहर 1-2 बजे अपने तीन दोस्तों के साथ घर से निकला था। दोस्त बादल गिरि ने शादी का कार्ड बांटने की बात कहकर उसे अपनी बाइक से ले गया। शाम 5 बजे सागर के ही फोन से बादल गिरि ने राहुल दास को फोन कर बताया कि सागर नदी में डूब गया है। राहुल ने तुरंत परिवार को सूचना दी, जिसके बाद गांव के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। काफी खोजबीन के बावजूद सागर का कोई पता नहीं चला। पुलिस को भी सूचना दी गई, लेकिन देर शाम तक कुछ हाथ नहीं लगा। बुधवार सुबह 7 बजे ग्रामीणों ने सागर का शव पानी में तैरता पाया। शव पर केवल अंडरवियर था, गर्दन पर रस्सी के निशान और सिर पर चोट के निशान मिले। दास ने आरोप लगाया कि बेटे की साजिश के तहत हत्या की गई। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, मुखिया मंगलदेव यादव और कई समाजसेवी पहुंचे। सभी ने परिवार को सांत्वना दी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बरही में अमर शहीद विद्यार्थी की जयंती मनी

बरही। गया रोड स्थित आकाश पैलेस होटल में मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद रामचंद्र प्रजापति विद्यार्थी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कमल शंकर पंडित ने की, जबकि संचालन परमेश्वर पंडित ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत रामचंद्र विद्यार्थी के चित्र पर माल्यार्पण और केक काटकर हुई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रामगढ़ निवासी गोपी प्रजापति, कृष्णा प्रजापति, देवधारी प्रजापति और गोपाल पंडित मुख्य रूप से मौजूद थे। देवधारी प्रजापति ने बताया कि 8 अगस्त 1942 को गांधीजी द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया गया था। इसी आंदोलन में 14 अगस्त को रामचंद्र विद्यार्थी ने अपने साथियों के साथ देवरिया जिला मुख्यालय में यूनियन जैक उतारकर तिरंगा फहरा दिया। इस पर अंग्रेजों ने गोली चला दी, जिसमें वे शहीद हो गए। कमल शंकर पंडित ने कहा कि महज 13 साल की उम्र में शहीद होने वाले रामचंद्र विद्यार्थी का नाम इतिहास के पन्नों में नहीं है, लेकिन प्रजापति समाज उन्हें हमेशा याद रखेगा। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और संगठन की मजबूती पर भी चर्चा हुई।

बड़कागांव में झामुमो के स्थापना दिवस तैयारी शुरू

बड़कागांव। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अपने 46वें स्थापना दिवस की तैयारियों में जुट गया है। इसको लेकर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ के जिला सचिव संजय सिंह ने बड़कागांव, केरेडारी और कटकमदाग प्रखंडों का दौरा किया। उन्होंने विभिन्न पंचायतों में जाकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें 4 अप्रैल को हजारीबाग जिला स्कूल प्रांगण में होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया। संजय सिंह ने बताया कि स्थापना दिवस की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन, कैबिनेट मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विधायक मथुरा प्रसाद, झामुमो केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे, फागु बेसरा और हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया जैसे वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस दौरे में झामुमो मीडिया प्रभारी संजय भुईयां, कटकमदाग प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र बांडो, सचिव राजकुमार, पंकज करमाली, सूरज वर्मा, दीपक साव, इंद्रदेव राम, शंकर साव, काली महतो सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। पार्टी कार्यकर्ताओं में इस आयोजन को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

बरही : सड़क दुर्घटना में मजदूर की मौत

बरही। गौरियाकरमा ग्रामीण सड़क पर मंगलवार रात करीब 9 बजे एक सड़क हादसे में बाइक सवार अजय मरांडी (30 वर्ष), निवासी बेहराटोला, थाना ललपनियां, जिला बोकारो, की दुर्घटना में मौत हो गई। उनके साथ सवार हीरालाल करमाली (35 वर्ष), निवासी नवाडीह, थाना बलसगरा, जिला रामगढ़, गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवारों ने सड़क पर अचानक आए एक जानवर को बचाने की कोशिश की, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने दोनों को बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अजय मरांडी को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल हीरालाल करमाली को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। अजय मरांडी भवन निर्माण कार्य में मजदूरी करते थे और एक ठेकेदार के अधीन कार्यरत थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही ठेकेदार ने मृतक के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए 25 हजार रुपये की सहायता दी।

सड़क हादसे में गैस एजेंसी के मालिक की मौत

बरकट्ठा। चांदनी चौक के पास दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें ए. बी. इंडेन गैस एजेंसी के मालिक विनदेश्वर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उन्हें हजारीबाग के एक निजी नर्सिंग होम में रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विनदेश्वर यादव प्रखंड मुख्यालय से अपने घर, गोपीडीह, लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। मंगलवार को उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार बराकर नदी में किया गया। जैसे ही उनका शव चलकुशा के गोपीडीह पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। लोग भावुक हो गए और सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार में विधायक अमित कुमार यादव, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष चंदन देवी, जिप सदस्य सबिता सिंह, मुखिया आलोक सिंह, सुखदेव यादव, जे.एम.एम. प्रखंड अध्यक्ष सलीम अंसारी, दशरथ यादव, केदार यादव, भिखी सिंह, असगर अंसारी सहित कई गणमान्य लोग एवं प्रखंड के अन्य लोग शामिल हुए।

यज्ञ के दौरान मुस्लिम समुदाय नहीं करेंगे मांसाहार

बड़कागांव। ग्राम बादम में जामा मस्जिद परिसर में हिंदू-मुस्लिम बुद्धिजीवियों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ के सफल आयोजन पर चर्चा की गई। हिंदू समाज के लोगों ने कहा कि बादम में पहली बार यज्ञ हो रहा है, और इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए मांस, मछली, मुर्गी और शराब के सेवन पर रोक आवश्यक है। मुस्लिम समाज के लोगों ने आश्वासन दिया कि 27 अप्रैल से 8 मई तक मुस्लिम मोहल्ले में नहीं मांसाहार किया जाएगा और न ही किसी प्रकार की जीव हत्या होगी। मुस्लिम समाज ने यज्ञ में आर्थिक सहयोग देने का भी निर्णय लिया। बैठक में हिन्दू और मुस्लिम समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुखिया ने पति पर लगाया मारपीट का आरोप

बरही। थाना क्षेत्र के कोनरा पंचायत की मुखिया यास्मीन तबस्सुम ने अपने पति मो ताजुद्दीन के खिलाफ मारपीट व जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए बरही थाना में आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल की रात 1 बजे पति मो ताजुद्दीन ने शराब के नशे में घर पहुंचे और मेरे साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया। वहीं उन्होंने बताया कि 20 मार्च 2025 को मेरे पति ने मुझे तलाक दे दिया, जिसकी जानकारी मैंने अपने ससुर व अपने परिजनों को दी। जिसके बाद सामाजिक बैठक कर हम दोनों को अलग कर दिया गया। जिसके बावजूद मो ताजुद्दीन मुझ पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता था।

एक विश्लेषण : क्या है वक़्फ (संशोधन) विधेयक

हर्ष रंजन

8 अगस्त, 2024 को लोकसभा में दो विधेयक, वक़्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 और मुसलमान वक़्फ (निरसन) विधेयक, 2024 पेश किए गए, जिनका उद्देश्य वक्फ बोर्ड के काम को सुव्यवस्थित करना और वक्फ संपत्तियों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करना है, ताकि वक्फ संपत्तियों के विनियमन और प्रबंधन में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों का समाधान किया जा सके। संशोधन विधेयक का उद्देश्य देश में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार करना है। इसका उद्देश्य है:

* पिछले अधिनियम की कमियों को दूर करना और अधिनियम का नाम बदलने जैसे बदलाव करके वक्फ बोर्डों की कार्यकुशलता को बेहतर करना
* वक्फ की परिभाषाओं को अद्यतन करना
* पंजीकरण प्रक्रिया में सुधार करना
* वक्फ रिकॉर्ड के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका बढ़ाना

निम्नलिखित पूछे जाने वाले प्रश्न वक्फ संशोधन 2024 विधेयक को समझने में मदद करते हैं।

1) भारत में वक्फ प्रबंधन के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक निकाय कौन से हैं और उनकी भूमिकाएँ क्या हैं?

भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रशासन वर्तमान में वक्फ अधिनियम, 1995 द्वारा शासित है, जिसे केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित और विनियमित किया जाता है। वक्फ प्रबंधन में शामिल प्रमुख प्रशासनिक निकायों में शामिल हैं:

केंद्र सरकार द्वारा लागू वक्फ अधिनियम 1995 वर्तमान में वक्फ संपत्तियों को विनियमित करता है। मुख्य प्रशासनिक निकाय हैं:

५ केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) - सरकार और राज्य वक्फ बोर्डों को नीति पर सलाह देती है, लेकिन वक्फ संपत्तियों को सीधे नियंत्रित नहीं करती है।

५ राज्य वक्फ बोर्ड (एसडब्ल्यूबी) - प्रत्येक राज्य में वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन और सुरक्षा करते हैं।

५ वक्फ न्यायाधिकरण - विशेष न्यायिक निकाय, जो वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवादों को संभालते हैं।

यह प्रणाली बेहतर प्रबंधन और मुद्दों के तेज समाधान को सुनिश्चित करती है। पिछले कुछ वर्षों में, कानूनी बदलावों ने वक्फ प्रशासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और जवाबदेह बना दिया है।

2) वक्फ बोर्ड से संबंधित मुद्दे क्या हैं?

1. वक्फ संपत्तियों की अपरिवर्तनीयता

एक बार वक्फ, हमेशा वक्फ₹ के सिद्धांत ने विवादों को जन्म दिया है, जैसे कि बेट द्वारका में द्वीपों पर दावे, जिन्हें अदालतों ने भी उलझन भरा माना है।

2. कानूनी विवाद और कुप्रबंधनः वक्फ अधिनियम, 1995 और इसका 2013 का संशोधन प्रभावकारी नहीं रहा है। कुछ समस्याओं में शामिल हैं:

* वक्फ भूमि पर अवैध कब्जा
* कुप्रबंधन और स्वामित्व विवाद
* संपत्ति पंजीकरण और सर्वेक्षण में देरी
* बड़े पैमाने पर मुकदमे और मंत्रालय को शिकायतें

3. कोई न्यायिक निगरानी नहीं

वक्फ न्यायाधिकरणों द्वारा लिए गए निर्णयों को उच्च न्यायालयों में चुनौती नहीं दी जा सकती।

इससे वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो जाती है।

4. वक्फ संपत्तियों का अधूरा सर्वेक्षण

सर्वेक्षण आयुक्त का काम खराब रहा है, जिससे देरी हुई है।

गुजरात और उत्तराखंड जैसे राज्यों में अभी तक सर्वेक्षण शुरू नहीं हुआ है।

उत्तर प्रदेश में 2014 में आदेशित सर्वेक्षण अभी भी लंबित है।

विशेषज्ञता की कमी और राजस्व विभाग के साथ खराब समन्वय ने पंजीकरण प्रक्रिया को धीमा कर दिया है।

5. वक्फ कानूनों का दुरुपयोग

कुछ राज्य वक्फ बोर्डों ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, जिसकी वजह से सामुदायिक तनाव पैदा हुआ है।

निजी संपत्तियों को वक्फ संपत्ति घोषित करने के लिए वक्फ अधिनियम की धारा 40 का व्यापक रूप से दुरुपयोग किया गया है, जिससे कानूनी लड़ाई और अशांति पैदा हुई है।

30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केवल 8 राज्यों द्वारा डेटा दिया गया, जहां धारा 40 के तहत 515 संपत्तियों को वक्फ घोषित किया गया है।

6. वक्फ अधिनियम की संवैधानिक वैधता

वक्फ अधिनियम केवल एक धर्म पर लागू होता है, जबकि अन्य के लिए कोई समान कानून मौजूद नहीं है।

दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है, जिसमें सवाल उठाया गया है कि क्या वक्फ अधिनियम संवैधानिक है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

3) विधेयक पेश करने से पहले मंत्रालय ने क्या कदम उठाए और हितधारकों से क्या परामर्श किया?

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने विभिन्न हितधारकों से परामर्श किया, जिसमें सच्चर समिति की रिपोर्ट, जन प्रतिनिधियों, मीडिया और आम जनता द्वारा कुप्रबंधन, वक्फ अधिनियम की शक्तियों के दुरुपयोग और वक्फ संस्थाओं द्वारा वक्फ संपत्तियों के कम उपयोग के बारे में उठाई गई चिंताएं शामिल हैं। मंत्रालय ने राज्य वक्फ बोर्डों से भी परामर्श किया।

मंत्रालय ने वक्फ अधिनियम, 1995 के प्रावधानों की समीक्षा की प्रक्रिया शुरू की और हितधारकों के साथ परामर्श किया। दो बैठकें आयोजित की गईं- एक 24.07.2023 को लखनऊ में और दूसरी 20.07.2023 को नई दिल्ली में, जिसमें निम्नलिखित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभावित हितधारकों की समस्याओं को हल करने के लिए इस अधिनियम में उपयुक्त संशोधन करने के लिए आम सहमति बनी।

सीडब्ल्यूसी (केंद्रीय वक्फ परिषद) और एसडब्ल्यूबी (राज्य वक्फ बोर्ड) की संरचना का आधार बढ़ाना

मुतवल्लियों की भूमिका और जिम्मेदारियां

न्यायाधिकरणों का पुनर्गठन

पंजीकरण की प्रक्रिया में सुधार

टाइटल्स की घोषणा

वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण

वक्फ संपत्तियों का म्यूटेशन

मुतवल्लियों द्वारा खातों फाइलिंग

वार्षिक खाता फाइलिंग में सुधार

निष्क्रांत संपत्तियों/परिसीमा अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की समीक्षा

वक्फ संपत्तियों का वैज्ञानिक प्रबंधन

इसके अलावा, मंत्रालय ने सऊदी अरब, मिस्र, कुवैत, ओमान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की जैसे अन्य देशों में वक्फ प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं का भी विश्लेषण किया है और पाया है कि वक्फ संपत्तियों को आम तौर पर सरकार द्वारा स्थापित कानूनों और संस्थानों द्वारा विनियमित किया जाता है।

4) वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को पेश करने की प्रक्रिया क्या थी?

* वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और शासन में कमियों को संबोधित करने के प्राथमिक उद्देश्य से 8 अगस्त, 2024 को पेश किया गया था।

* 9 अगस्त, 2024 को संसद के दोनों सदनों ने विधेयक को 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा सदस्यों की एक संयुक्त समिति को जांचने और उस पर रिपोर्ट देने के लिए भेजा।

* विधेयक के महत्व और इसके व्यापक निहितार्थों को ध्यान में रखते हुए, समिति ने उक्त विधेयक के प्रावधानों पर आम जनता और विशेष रूप से विशेषज्ञों/हितधारकों और अन्य संबंधित संगठनों से विचार प्राप्त करने के लिए ज्ञापन आमंत्रित करने का निर्णय लिया था।

* संयुक्त संसदीय समिति ने छत्तीस बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के प्रतिनिधियों के विचार/सुझाव सुने जैसेः अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय, विधि एवं न्याय, रेलवे (रेलवे बोर्ड), आवास और शहरी मामलों, सड़क परिवहन और राजमार्ग, संस्कृति (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण), राज्य सरकारें, राज्य वक्फ बोर्ड और विशेषज्ञ/हितधारक।

*** पहली बैठक 22 अगस्त, 2024 को हुई और बैठकों के दौरान जिन प्रमुख संगठनों/हितधारकों से परामर्श किया गया, वे थे:**

ऑल इंडिया सुन्नी जमीयतुल उलमा, मुंबई;

इंडियन मुस्लिम्ज ऑफ सिविल राइट्स (आईएमसीआर), नई दिल्ली

मुत्तहेदा मजलिस-ए-उलेमा, जेएंडके (मीरवाइज उमर फारूक)

जकात फाउंडेशन ऑफ इंडिया

अंजुमन ए शीतली दाऊदी बोहरा समुदाय

चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना

ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज, दिल्ली

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), दिल्ली

ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल (एआईएसएससी), अजमेर

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, दिल्ली

मुस्लिम महिला बौद्धिक समूह - डॉ. शालिनी अली, राष्ट्रीय संयोजक

जमीयत उलमा-ए-हिंद, दिल्ली

शिया मुस्लिम धर्मगुरु और बौद्धिक समूह

दारुल उलूम देवबंद

* समिति को भौतिक और डिजिटल दोनों तरीकों से कुल 97,27,772 ज्ञापन प्राप्त हुए।

* वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 की गहन समीक्षा करने के लिए, समिति ने देश के कई शहरों में विस्तृत अध्ययन दौरे किए। इन दौरों से सदस्यों को हितधारकों से जुड़ने, जमीनी हकीकत का आकलन करने और वक्फ संपत्ति प्रबंधन पर क्षेत्र-विशिष्ट जानकारी जुटाने में मदद मिली। 10 शहरों में अध्ययन दौरों का विवरण इस प्रकार है:

26 सितंबर-1 अक्टूबर, 2024: मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु

9-11 नवंबर, 2024: गुवाहाटी, भुवनेश्वर

18-21 जनवरी, 2025: पटना, कोलकाता, लखनऊ

* समिति ने प्रशासनिक चुनौतियों और कानूनी बाधाओं पर चर्चा करने के लिए 25 राज्य वक्फ बोर्डों (दिल्ली में 7, दौरे के दौरान 18) से परामर्श किया।

* इसके बाद, संयुक्त समिति ने 27 जनवरी, 2025 को आयोजित अपनी 37वीं बैठक में विधेयक के सभी खंडों पर खंडवार विचार-विमर्श पूरा किया। सदस्यों द्वारा प्रस्तुत संशोधनों पर मतदान हुआ और उन्हें बहुमत से स्वीकार किया गया।

* मसौदा रिपोर्ट को स्वीकार किया गया और अध्यक्ष को उनकी ओर से रिपोर्ट पेश करने के लिए अधिकृत किया गया। 38वीं बैठक 29 जनवरी, 2025 को आयोजित की गई।

* संयुक्त समिति ने 31.01.2025 को अपनी रिपोर्ट लोकसभा के माननीय अध्यक्ष को सौंपी और 13 फरवरी, 2025 को संसद के दोनों सदनों में यह रिपोर्ट रखी गई।

5) वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के कुछ प्रमुख सुधार क्या हैं?

इस विधेयक, 2024 के तहत प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करके देश में वक्फ प्रशासन में बदलाव लाना है। इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-संचालित और कानूनी रूप से मजबूत फ्रेमवर्क तैयार करना है और साथ ही लक्षित लाभार्थियों के लिए सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

एकीकृत वक्फ प्रबंधनः वक्फ संपत्तियों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों में शामिल हैं:

वक्फ संपत्तियों का अधूरा सर्वेक्षण

ट्रिब्यूनल और वक्फ बोर्डों में मुकदमों का काफी बैकलॉग

मुतवल्लियों का अनुचित लेखा, लेखा परीक्षा और निगरानी

सभी वक्फ संपत्तियों का म्यूटेशन ठीक से नहीं किया गया है

केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों का सशक्तिकरण:

प्रतिनिधित्व और दक्षता बढ़ाने के लिए निर्णय लेने में गैर-मुस्लिम, अन्य मुस्लिम समुदायों, मुस्लिम समुदायों के बीच अन्य पिछड़े वर्गों और महिलाओं आदि जैसे विविध समूहों को शामिल करना।

राज्य वक्फ बोर्डों की दक्षता:

एक डिजिटल पोर्टल और डेटाबेस वक्फ पंजीकरण, सर्वेक्षण, म्यूटेशन, ऑडिट, लीज़िंग और मुकदमेबाजी को स्वचालित करेगा, जिससे वैज्ञानिक, कुशल और पारदर्शी शासन सुनिश्चित होगा।

औकाफ का विकास:

पोर्टल-आधारित जीवनचक्र प्रबंधन प्रशासन को सुव्यवस्थित करेगा।

धारा 65 के तहत वक्फ बोर्ड को छह महीने के भीतर प्रबंधन और आय में सुधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य है, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

धारा 32(4) वक्फ बोर्ड को आवश्यकता पड़ने पर मुतवल्लियों से संपत्ति लेकर वक्फ भूमि को शैक्षणिक संस्थानों, शॉपिंग सेंटरों, बाजारों या आवासों के रूप में विकसित करने की अनुमति देती है।

6) वक्फ विधेयक 1995 और वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के बीच मुख्य अंतर क्या हैं?

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 वक्फ अधिनियम, 1995 में कई बदलाव पेश करता है, जिसका उद्देश्य वक्फ प्रबंधन में बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और समावेशिता लाना है। नीचे मुख्य अंतर दिए गए हैं:

श्रेणी

वक्फ अधिनियम, 1995

वक्फ संशोधन विधेयक, 2024

अधिनियम का नाम

क्फ अधिनियम, 1995

इसका नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 कर दिया गया है

वक्फ का गठन

घोषणा, उपयोगकर्ता या बंदोबस्ती (वक्फ-अलल-औलाद) द्वारा अनुमति दी गई

उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ को हटा दिया गया है; केवल घोषणा या बंदोबस्ती की अनुमति है। दानकर्ता को 5+ वर्षों से मुस्लिम होना चाहिए। महिला उत्तराधिकार से इनकार नहीं किया जा सकता

वक्फ के रूप में सरकारी संपत्ति

कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं

वक्फ के रूप में पहचानी गई सरकारी संपत्तियां वक्फ नहीं रह जाती हैं। विवादों का समाधान कलेक्टर द्वारा किया जाता है, जो राज्य को रिपोर्ट करता है

वक्फ निर्धारण की शक्ति

वक्फ बोर्ड के पास अधिकार था

प्रावधान हटा दिया गया.

वक्फ का सर्वेक्षण

सर्वेक्षण आयुक्तों और अपर आयुक्त द्वारा संचालित

कलेक्टरों को संबंधित राज्यों के राजस्व कानूनों के अनुसार सर्वेक्षण करने का अधिकार दिया गया है

केंद्रीय वक्फ परिषद

सभी सदस्यों को मुस्लिम होना चाहिए, जिसमें दो महिलाएं शामिल हैं

इसमें दो गैर-मुस्लिम शामिल हैं; सांसदों, पूर्व न्यायाधीशों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों का मुस्लिम होना जरूरी नहीं है। निम्नलिखित सदस्यों का मुस्लिम होना जरूरी है: मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि, इस्लामी कानून के विद्वान, वक्फ बोर्डों के अध्यक्ष, मुस्लिम सदस्यों में से दो सदस्य महिलाएं होनी चाहिए।

राज्य वक्फ बोर्ड

दो निर्वाचित मुस्लिम सांसद/विधायक/बार काउंसिल सदस्य; कम से कम दो महिलाएं

राज्य सरकार दो गैर-मुस्लिमों, शिया, सुन्नी, पिछड़े वर्ग के मुसलमानों, बोहरा और आगाखानी समुदाय से एक-एक सदस्य को मनोनीत करती है। कम से कम दो मुस्लिम महिलाओं का होना जरूरी है

न्यायाधिकरण की संरचना

न्यायाधीश के नेतृत्व में, जिसमें अपर जिला मजिस्ट्रेट और मुस्लिम कानून विशेषज्ञ शामिल हैं

मुस्लिम कानून विशेषज्ञ को हटाया गया; इसमें जिला न्यायालय के न्यायाधीश (अध्यक्ष) और एक संयुक्त सचिव (राज्य सरकार) शामिल हैं

न्यायाधिकरण के आदेशों पर अपील

केवल विशेष परिस्थितियों में उच्च न्यायालय का हस्तक्षेप

उच्च न्यायालय में 90 दिनों के भीतर अपील की अनुमति

केंद्र सरकार की शक्तियां

राज्य सरकारें कभी भी वक्फ खातों का ऑडिट कर सकती हैं

केंद्र सरकार को वक्फ पंजीकरण, खातों और लेखा परीक्षा (सीएजी/नामित अधिकारी) पर नियम बनाने का अधिकार दिया गया है

संप्रदायों के लिए अलग-अलग वक्फ बोर्ड

शिया और सुन्नी के लिए अलग-अलग बोर्ड (यदि शिया वक्फ 15 प्रतिशत से अधिक है)

बोहरा और अगाखानी वक्फ बोर्ड को भी अनुमति दी गई है

7) संयुक्त समिति द्वारा अनुशंसित प्रमुख सुधार क्या हैं?

वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 (जेसीडब्लयूएबी) पर संयुक्त समिति द्वारा अनुशंसित वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन, प्रगतिशील सुधारों को पेश करते हैं, जिनमें शामिल हैं:

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 में प्रमुख सुधार

१. वक्फ से ट्रस्टों का पृथक्करण: किसी भी कानून के तहत मुसलमानों द्वारा बनाए गए ट्रस्टों को अब वक्फ नहीं माना जाएगा, जिससे ट्रस्टों पर पूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित होगा।

२. प्रौद्योगिकी और केंद्रीय पोर्टलः एक केंद्रीकृत पोर्टल वक्फ संपत्ति प्रबंधन को स्वचालित करेगा, जिसमें पंजीकरण, ऑडिट, योगदान और मुकदमेबाजी शामिल है, जिससे दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। यह वक्फ प्रबंधन के स्वचालन के लिए प्रौद्योगिकी का कुशलतापूर्वक उपयोग भी करता है।

३. वक्फ समर्पण के लिए पात्रताः केवल प्रैक्टिसिंग मुस्लिम (कम से कम पांच साल से) ही अपनी संपत्ति वक्फ को समर्पित कर सकते हैं, जो 2013 से पहले के प्रावधान को बहाल करता है।

४. 'उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ' संपत्तियों का संरक्षण: पहले से पंजीकृत संपत्तियां वक्फ ही रहती हैं, जब तक कि विवादित न हों या सरकारी भूमि के रूप में पहचानी न जाएं।

५. पारिवारिक वक्फ में महिलाओं के अधिकारः महिलाओं को वक्फ समर्पण से पहले अपनी सही विरासत मिलनी चाहिए, जिसमें विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथों के लिए विशेष प्रावधान हैं।

५. पारदर्शी वक्फ प्रबंधनः जवाबदेही बढ़ाने के लिए मुतवल्लियों को छह महीने के भीतर केंद्रीय पोर्टल पर संपत्ति का विवरण दर्ज करना होगा।

५. सरकारी भूमि और वक्फ विवादः कलेक्टर के पद से ऊपर का एक अधिकारी वक्फ के रूप में दावा की गई सरकारी संपत्तियों की जांच करेगा, जिससे अनुचित दावों को रोका जा सकेगा।

५. वक्फ न्यायाधिकरणों को मजबूत करनाः एक संरचित चयन प्रक्रिया और निश्चित कार्यकाल विवाद समाधान में स्थिरता और दक्षता सुनिश्चित करता है।

७.. गैर-मुस्लिम प्रतिनिधित्वः समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय और राज्य वक्फ बोर्डों में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

७.. कम वार्षिक योगदानः वक्फ बोर्डों में वक्फ संस्थानों का अनिवार्य योगदान 7 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे परोपकारी कार्यों के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा।

७. परिसीमा अधिनियम का उपयोगः परिसीमा अधिनियम, 1963 अब वक्फ संपत्ति के दावों पर लागू होगा, जिससे लंबें समय तक चलने मुकदमेबाजी कम होगी।

७. वार्षिक लेखा परीक्षा सुधारः सालाना 1 लाख रुपये से अधिक कमाने वाली वक्फ संस्थाओं को राज्य सरकार द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा करानी होगी।

७. मनमाने ढंग से संपत्ति के दावों को समाप्त करनाः यह विधेयक धारा 40 को हटाता है, जिससे वक्फ बोर्ड मनमाने ढंग से संपत्तियों को वक्फ घोषित करने से बाज आएंगे तथा पूरे गांव को वक्फ घोषित करने जैसे दुरुपयोग से बचा जाएगा।

इन मामलों ने वक्फ बोर्डों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मनमानी और अविनियमित शक्ति को रेखांकित किया। इसे संबोधित करने के लिए, वक्फ अधिनियम की धारा 40 को हटाया जा रहा है, जिससे वक्फ संपत्तियों का निष्पक्ष और न्यायपूर्ण प्रशासन सुनिश्चित हो सके।

8) गैर-मुस्लिम संपत्तियों को वक्फ घोषित किए जाने के कुछ उदाहरण क्या हैं?

सितंबर 2024 तक, 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वक्फ बोर्डों के आंकड़ों से पता चलता है कि 5,973 सरकारी संपत्तियों को वक्फ घोषित किया गया है। कुछ उदाहरणों में शामिल हैं:

* सितंबर 2024 में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार, 108 संपत्तियां भूमि और विकास कार्यालय के नियंत्रण में हैं, 130 संपत्तियां दिल्ली विकास प्राधिकरण के नियंत्रण में हैं और सार्वजनिक डोमेन में 123 संपत्तियों को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है और मुकदमेबाजी में लाया गया है।

कर्नाटक (1975 और 2020): 40 वक्फ संपत्तियों को अधिसूचित किया गया, जिनमें कृषि भूमि, सार्वजनिक स्थान, सरकारी भूमि, कब्रिस्तान, झीलें और मंदिर शामिल हैं।

* पंजाब वक्फ बोर्ड ने पटियाला में शिक्षा विभाग की भूमि पर दावा किया है।

वक्फ घोषित की गई अन्य गैर-मुस्लिम संपत्तियों के उदाहरणः

* तमिलनाडुः थिरुचेंथुरई गांव का एक किसान वक्फ बोर्ड के पूरे गांव पर दावे के कारण अपनी जमीन नहीं बेच पाया। इस अप्रत्याशित आवश्यकता ने उसे अपनी बेटी की शादी के लिए ऋण चुकाने के लिए अपनी जमीन बेचने से रोक दिया।

* गोविंदपुर गांव, बिहारः अगस्त 2024 में, बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड के पूरे एक गांव पर दावे ने सात परिवारों को प्रभावित किया, जिसके कारण पटना उच्च न्यायालय में मामला चला। मामला विचाराधीन है।

* केरलः सितंबर 2024 में, एनार्कुलम जिले के लगभग 600 ईसाई परिवार अपनी पुश्तैनी जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति में अपील की है।

* कर्नाटकः वक्फ बोर्ड द्वारा विजयपुरा में 15,000 एकड़ जमीन को वक्फ भूमि के रूप में नामित किए जाने के बाद किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। बल्लारी, चित्रदुर्ग, यादगीर और धारवाड़ में भी विवाद हुए। हालांकि, सरकार ने आश्वासन दिया कि कोई बेदखली नहीं होगी।

* उत्तर प्रदेशः राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के खिलाफ शिकायतें की गई हैं।

9) वक्फ संशोधन विधेयक 2024 से गरीबों को किस तरह लाभ मिलने की उम्मीद है?

वक्फ धार्मिक, धर्मार्थ और सामाजिक कल्याण की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खास तौर पर वंचितों के लिए। हालांकि, कुप्रबंधन, अतिक्रमण और पारदर्शिता की कमी के कारण इसका प्रभाव अक्सर कम हो जाता है। गरीबों के लिए वक्फ के कुछ प्रमुख लाभः

पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए डिजिटलीकरण

* एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल वक्फ संपत्तियों को ट्रैक करेगा, जिससे बेहतर पहचान, निगरानी और प्रबंधन सुनिश्चित होगा।

* ऑडिटिंग और अकाउंटिंग उपायों से वित्तीय कुप्रबंधन को रोका जा सकेगा और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि फंड का इस्तेमाल केवल कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए किया जाए।

कल्याण और विकास के लिए राजस्व में वृद्धि

* वक्फ भूमि के दुरुपयोग और अवैध कब्जे को रोकने से वक्फ बोर्डों के राजस्व में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें कल्याणकारी कार्यक्रमों का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

* स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास और आजीविका सहायता के लिए धन आवंटित किया जाएगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सीधे लाभ होगा।

* नियमित लेखा परीक्षा और निरीक्षण से वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा मिलेगा और वक्फ प्रबंधन में जनता का विश्वास मजबूत होगा।

10) वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने से वक्फ प्रबंधन में क्या योगदान होता है और निर्णय लेने में उनकी भूमिका और प्रभाव की सीमा क्या है?

* गैर-मुस्लिम हितधारकः दाता, वादी, पट्टेदार और किरायेदार वक्फ प्रबंधन में शामिल होते हैं, इसलिए निष्पक्षता के लिए वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) में उनका प्रतिनिधित्व आवश्यक है।

* धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों का विनियमनः धारा 96 केंद्र सरकार को वक्फ संस्थानों के शासन, सामाजिक, आर्थिक और कल्याणकारी पहलुओं को विनियमित करने का अधिकार देती है, जिसकी पुनः पुष्टि न्यायालय के फैसलों से होती है।

* केंद्रीय वक्फ परिषद की निगरानी भूमिकाः सीडब्ल्यूसी राज्य वक्फ बोर्डों की निगरानी करता है, वक्फ संपत्तियों पर सीधे नियंत्रण के बिना अनुपालन सुनिश्चित करता है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि वक्फ प्रबंधन धार्मिक पहलुओं से परे आर्थिक और वित्तीय विनियमन तक फैला हुआ है।

* गैर-मुस्लिम प्रतिनिधित्वः

राज्य वक्फ बोर्डः 11 सदस्यों में से 2 (पदेन सदस्यों को छोड़कर) गैर-मुस्लिम हो सकते हैं।

केंद्रीय वक्फ परिषदः 22 सदस्यों में से 2 (पदेन सदस्यों को छोड़कर) गैर-मुस्लिम हो सकते हैं।

* हालांकि निर्णय बहुमत से किए जाएंगे, लेकिन गैर-मुस्लिम सदस्य प्रशासनिक और तकनीकी विशेषज्ञता का योगदान दे सकते हैं, जिससे वक्फ संस्थानों की दक्षता और शासन में सुधार होगा।

मुंबई में 1 से 4 मई, 2025 तक वेव्स क्रिएटोस्फेयर में 32 चैलेंज से 750 फाइनलिस्ट भाग लेंगे

1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के हिस्से के रूप में लॉन्च किए गए क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) सीजन-1 ने 1,100 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित 85,000 पंजीकरणों को पार करने की एक नई उपलब्धि हासिल की है।

32 विविध चैलेंजों में से एक सावधानीपूर्वक चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए 750 से अधिक फाइनलिस्टों को अपनी व्यक्तिगत चुनौती, अपनी प्रतिभा और कौशल के परिणाम और आउटपुट को दिखाने के अलावा पिचिंग सत्रों सहित अपने संबंधित क्षेत्र के व्यापारिक नेताओं के साथ नेटवर्किंग के अवसर और मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, सम्मेलनों आदि के माध्यम से वैश्विक दिग्गजों से सीखने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। क्रिएट इन इंडिया चैलेंजों के विजेताओं को मुंबई में एक भव्य समारोह में ह्यवेव्स क्रिएटर अवाड्र्सह्ल से सम्मानित किया जाएगा।

इन चैलेंजों ने रचनात्मक परिदृश्य में एक शक्तिशाली प्रवेश किया है। इससे भारत और उसके बाहर नवाचार और जुड़ाव की एक लहर पैदा हुई है, जो वैश्विक स्तर पर रचनात्मक प्रतिभा के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभर रहा है। हाई-एनर्जी रील मेकिंग कॉम्पिटिशन, सॉल्यूशन-ओरिएंटेड ट्रुथ टेल हैकथॉन, दूरदर्शी यंग फिल्ममेकर चैलेंज और कल्पनाशील कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप सहित 32 विविध और सशक्त चैलेंजों की विशेषता के साथ, सीआईसी क्रिएटर्स को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

ए.आई अवतार क्रिएटर चैलेंज, डब्ल्यूएएम! एनीमे चैलेंज, ईस्पोर्ट्स टूनामेंट, ट्रेलर मेकिंग कॉम्पिटिशन, थीम म्यूजिक कॉम्पिटिशन और अत्याधुनिक एक्सआर क्रिएटर हैकथॉन सीआईसी को कहानीकारों, डिजाइनरों और डिजिटल इनोवेटर की अगली पीढ़ी के लिए एक निश्चित लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करते हैं। विभिन्न विषयों, सीमाओं और पीढ़ियों के रचनाकारों को एकजुट करके, सीआईसी न केवल भारत की रचनात्मक ऊर्जा का जश्न मनाता है - इसने कहानी कहने और डिजिटल अभिव्यक्ति के भविष्य के बारे में वैश्विक संवाद को बढ़ावा दिया है। इस उल्लेखनीय आधार के साथ रचनाकारों को सशक्त बनाने और कल के सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने के अपने मिशन को जारी रखेगा।

वेव्स के बारे में

भारत सरकार द्वारा 1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई, महाराष्ट्र में मीडिया और मनोरंजन (एम एंड ई) क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम, प्रथम विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) आयोजित किया जाएगा। चाहे आप इस इंडस्ट्री के पेशेवर हों, निवेशक हों, निमार्ता हों या नवोन्मेषक हों, शिखर सम्मेलन एम एंड ई परिदृश्य से जुड़ने, सहयोग करने, नवोन्मेष करने और योगदान करने के लिए अंतिम रूप से एक वैश्विक मंच प्रदान करता है।

वेव्स भारत की रचनात्मक शक्ति को बढ़ाने के लिए तैयार है, जो सामग्री निर्माण, बौद्धिक संपदा और तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को बढ़ाएगा।

इसके केन्द्र में प्रसारण, प्रिंट मीडिया, टेलीविजन, रेडियो, फिल्म, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स, ध्वनि और संगीत, विज्ञापन, डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, जनरेटिव एआई, एक्सटेंडेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर), और एक्सटेंडेड रियलिटी (एक्सआर) जैसे उद्योग और अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

यह कदमा स्थित चित्रगुप्त भवन है। जो कदमा के कुंडली रोड पर स्थित है। दो मंजिला इस भवन के ग्राउंड फ्लोर पर श्रीश्री महावीर मंदिर सामुदायिक भवन है जबकि फर्स्ट फ्लोर पर चित्रगुप्त भवन है।

छठव्रतियों ने किया खरना का व्रत, चैती छठ का पहला अर्घ्य आज

सूर्य मंदिर घाट पर तैयारी पूरी, अन्य घाटों पर प्रशासन हुआ रेस

खबर मन्त्र ब्यूरो

गंडक रोड, साकची में खरना करती व्रती।

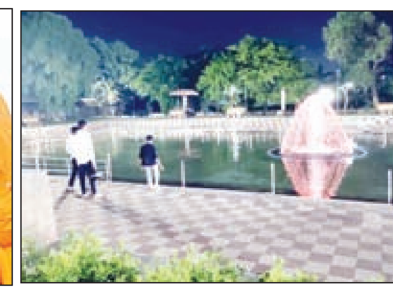
सज-धज कर तैयार सूर्यमंदिर घाट।

जमशेदपुर। चैती छठ को लेकर बुधवा को खरना संपन्न हुआ। ब्रतियों के हाथ श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही ब्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगया। 3 अप्रैल को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि 4 अप्रैल को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त होगा। इस पर्व में स्वच्छता का विशेष महत्व है, और भगवान सूर्य और छठी मईया की पूजा के साथ यह व्रत चार दिनों तक चलता है। यह चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से लेकर सप्तमी तिथि तक श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। दूसरी ओर, सिद्गोड़ा स्थित सूर्य मंदिर में चैती छठ पूजा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सूर्य मंदिर समिति ने व्रतधारियों की सुविधा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि समिति के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह के मार्गदर्शन में सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। मंदिर परिसर स्थित दोनों तालाबों की गहन सफाई कर उनमें स्वच्छ और निर्मल जल भरा गया है। साथ ही, मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक फूलों से सजाया गया है। उन्होंने बताया कि छठ व्रतियों की सेवा के लिए विशेष सेवा शिविर भी लगाए गए हैं, जहां प्रातः अर्घ्य के दिन शुक्रवार को गाय का कच्चा दूध, अगरबत्ती, चाय और पेयजल की व्यवस्था की गई है। चौती छठ के संध्या अर्घ्य के अवसर पर गुरुवार को श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय शरबत का वितरण किया जाएगा। हर साल की तरह इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्य मंदिर परिसर में छठ पूजा के लिए उमड़ेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया गया है। जिसमें स्थानीय प्रशासन और मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सैकड़ों सदस्य मुस्तैदी से तैनात रहेंगे। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि श्रद्धालु ''पहले आओ-पहले पाओ'' की तर्ज पर घाट पर भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे। इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसर में व्रतधारियों के लिए मेडिकल कैंप और चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने श्रद्धालुओं से चौती छठ पूजा में सूर्य मंदिर आकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देने का आग्रह किया है।

प्रशासन ने शहर के विभिन्न घाटों पर मरम्मती कार्य की शुरुआत की

जमशेदपुर। चौती छठ महापर्व और रामनवमी शोभायात्रा के सुचारू आयोजन को लेकर केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति की सक्रियता रंग लाई है। समिति के पदाधिकारियों द्वारा घाटों की बदहाल स्थिति और अव्यवस्थाओं को लेकर जताई गई चिंता पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए समिति के पदाधिकारियों के संग घाटों के निरीक्षण कर व्याप्त समस्याओं के समाधान की शुरुआत कर दी। बुधवार को जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने घाटों का निरीक्षण किया और कार्रवाई करते हुए संबंधित एजेंसियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। इस दौरान घाटों पर स्वच्छता अभियान तेज कर दिया गया।

स्पीड न्यूज

सड़क दुर्घटना बाल-बाल बचे झामुमो के प्रखंड सचिव मंगल माझी

गम्हरिया। बीते मंगलवार की देर रात एनएच 33 के कांदरबेड़ा चौक के समीप एक कंटेनर की ठोकर से झामुमो गम्हरिया प्रखंड सचिव मंगल माझी घायल हो गए तथा उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गम्हरिया में आयोजित अभिनंदन समारोह में भाग लेकर मंगल माझी अपने साथी रवींद्र बास्के और सूरज वर्मा के साथ सरहुल पर्व में शामिल होने चांडिल जा रहे थे। इसी दौरान कांदरबेड़ा चौक के पास जमशेदपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कंटेनर ने कार को टक्कर मार दिया जिससे मंगल माझी घायल हो गए। वहीं, उनका कार भी हादसे में क्षतिग्रस्त हो गई। उनके साथ कार में बैठे दोनों युवकों को भी हल्की चोटें आई। घटना के बाद साथ में पीछे-पीछे कार से जा रहे अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उंक्तघटना के बाद भाग रहा कंटेनर भी कुछ दूर जाकर अनियंत्रित होकर पलट गया।

स्व मोहन सिंह की स्मृति में 95 यूनिट रक्तदान

जमशेदपुर। एससीसीएन के संस्थापक स्व मोहन सिंह की स्मृति में बारी मैदान, क्लब हाउस साकची में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 95 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। यह आयोजन एससीसीएन और जन सेवक समिति के संयुक्त तत्वावधानर में किया गया था। शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाने पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक सरयू राय, समाजसेवी शिवशंकर सिंह, विकास सिंह, समाजसेवी प्रेमचंद, जवाहरलाल शर्मा, शंभूनाथ सिंह, डॉ फतेह बहादुर सिंह, डा कविता परिमार समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत एससीसीएन न्यूज के निदेशक प्रशांत सिंह ने किया।

डॉ शुभेंदु महतो बने झामुमो सरायकेला-खररसावां के जिला अध्यक्ष

गम्हरिया। झामुमो ने अपने जिला अध्यक्षों की घोषणा की है, जिसमें डॉ शुभेंदु महतो को लगातार तीसरी बार सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि भुंडा बेसरा, धरमु गोप, संजय प्रधान, भोला मोहंती व सुधीर किस्कू को उपाध्यक्ष, वैद्यनाथ टुडू को सचिव, करम सिंह मुंडा व अमृत महतो को संगठन सचिव, धानु मुखी, जगदीश महतो, सोमा पूर्ति, सोनाराम मुर्मू व गोरा बर्मन को सह सचिव तथा मनोहर कर्मकार को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इधर, जिला अध्यक्ष बनने पर सरायकेला विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी गणेश महाली समेत कई कार्यकर्ताओं ने डॉ शुभेन्दु को बधाई दी है। गणेश महाली ने डॉ महतो के आवास जयकान जाकर उन्हें बधाई दी और उनके नेतृत्व में झामुमो को और मजबूत बनाने के लिए काम करने का वादा किया। झामुमो समर्थकों ने भी डॉ महतो के नेतृत्व में झामुमो को और मजबूत बनाने के लिए काम करने की बात कही।

एलआइसी बिष्टुपुर कार्यालय से 55 लाख रुपये से अधिक का कैश गायब, हड़कंप

खबर मन्त्र ब्यूरो

एलआइसी बिल्डिंग के इसी दफ्तर से लाखों रुपये गायब हुए हैं।

घटना से हतप्रभ सीनियर ब्रांच मैनेजर राकेश रंजन सिन्हा।

जमशेदपुर। बिष्टुपुर स्थित हिन्दुस्तान बिल्डिंग में अवस्थित एलआईसी जमशेदपुर ब्रांच-2 और कैरियर एजेंट ब्रांच जो क्रमशः दूसरे और तीसरे तल्ले स्थित हैं की तिजारी से 55 लाख रुपये से अधिक की रकम रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है। घटना की जानकारी कर्मचारियों को बुधवार सुबह मिली, जब वे एलआईसी ऑफिस पहुंचे।

कर्मचारियों के अनुसार जब वे बुधवार सुबह ऑफिस पहुंचे तो इस दौरान तिजोरी का ताला टूटा पाया गया, और कैंपस में लगे सीसीटीवी के रिकर्ड भी गायब मिले। इससे पूरे ब्रांच में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी अनुसर करीब 55 लाख से अधिक के रुपये गायब होने की आशंका है। इसकी जानकारी बुधवार सुबह कर्मचारियों ने बिष्टुपुर एलआईसी के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक के राजेश रंजन सिन्हा को दी। सिन्हा ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पत्रकारों से बात करते हुए वरिष्ठ शाखा प्रबंधक राकेश रंजन सिन्हा ने बताया कि बुधवार सुबह कर्मचारी ऑफिस पहुंचे,जहां सीसीटीवी नहीं चलने की सूचना मिली। उन्होंने इंजिनियर को बुलाया तभी पता चला की सीसीटीवी के रिकार्ड गायब है। वहीं तिजोरी का ताला भी टूटा पाया गया, जहां से करीब 55 लाख से अधिक के गायब होने की सूचना है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। एलआइसी के अधिकारियों ने फिलहाल इस मामले में कोई टिप्पणी करने से इंकार किया है।

बाल मंदिर अखाड़ा साकची का हुआ उद्घाटन, रघुवर दास हुए शामिल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्री श्री बाल मंदिर द्वारा साकची स्थित झंडा चौक में पंडाल का उद्घघाटन समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के महानगर कार्यवाह रविन्द्र जी, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन यादव, केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा के अध्यक्ष अरुण सिंह, संतोष अग्रवाल, राकेश सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमन अग्रवाल एवं संचालन सन्नी संघी ने किया। इस दौरान उन्होंने स्थित श्री राम दरबार में भगवान की आरती कर आर्शीवाद लिया। समिति के सदस्यों ने रघुवर दास को पगड़ी, पुष्प गुच्छ, तलवार भेंट कर उनका स्वागत किया।

टाटा मोटर्स : पूजा-अर्चना के साथ जमशेदपुर प्लांट में कमर्शियल वाहनरों का उत्पादन शुरु

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स लिमिटेड के जमशेदपुर प्लांट में नये वित्तीय वर्ष के पहले दिन बुधवार को पूजा-अर्चना कर विधिवत कॉमर्शियल व्हीकल का उत्पादन शुरु किया गया। सबसे पहले सुबह 10 बजे फ्रंट एक्सल क्षेत्र में पूजा की गई। उसके उपरांत रियर एक्सल में और अंत मे एचबीटीएल प्रांगण में पूजा अर्चना किया गया। ताकि नए वित्तीय वर्ष में अच्छी तरह से गाड़ियां बने और यह वित्तीय वर्ष पूर्ण रूपेण लाभकारी रहे। इस पूजा अर्चना में यूनियन के महामंत्री आरके सिंह और पूरे ऑफिस वेयरर उपस्थित रहे वहीं कंपनी के सभी वरीय पदाधिकारी इसमें ऐ के दास, सुभासिष दास, राजीव बंसल, गुलाम मंडल, डॉ पदन आदि शामिल रहे। प्लांट हेड सुनील कुमार तिवारी शहर से बाहर होने के वजह से वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूजा अर्चना का अवलोकन कर अपनी उपस्थिति दर्ज किया।

पूजा करते अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

जमशेदपुर और आदित्यपुर में टाटा की बिजली महंगी होना निराशा की बात : जवाहरलाल शर्मा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पिछले दिनों विद्युत नियामक आयोग की ओर से आयोजित जन सुनवाई के बाद जमशेदपुर और आदित्यपुर में टाटा की बिजली महंगी हो गई। इसको लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ता जवाहरलाल शर्मा ने निराशा जाहिर की है। एक प्रेस रिलीज जारी कर उन्होंने बिजली महंगी करने पर सवाल उठाया है और टाटा स्टील को सलाह भी दी है। शर्मा ने कहा है कि झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा जमशेदपुर व आदित्यपुर में टाटा की बिजली महंगी किया जाने का समाचार सुनकर दुख और निराशा हुई। निराशा इसलिए कि एक तो जन सुनवाई में नगण्य लोग जाते हैं तथा दूसरी ओर सभी राजनीतिक पार्टियों के लोग भी इससे दूरी बनाए रखते हैं, जिसकी वजह से आयोग जनता की तकलीफों को महत्व नहीं देता और कंपनी की ही तरफदारी करता रहता है। हमेशा कंपनी की ही सुनी जाती है। आयोग को बताया गया था कि चीन की वजह से टाटा स्टील को घाटा हो रहा है जिसकी वजह से मजदूरों की छंटनी भी हो रही है तथा दूसरी ओर टाउन से हुए मुनाफे को इसमें मिलाकर घाटे को कम किया जाता है, जो सरासर गलत है। टाटा को चाहिए कि वह जनता से अपनी परेशानी बताए ताकि जनता के दबाव से सरकार द्वारा चीन पर भारी टेरिफ लगाया जा सके। पर टाटा स्टील ऐसा करने करने के बजाय जनता पर ही बोझ डाल रही है। मैं इस बढ़ोतरी की आलोचना करता हूं।

विश्व आत्मकेंद्रिता दिवस पर विशेष कार्यक्रम का किया गया आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। विश्व आत्मकेंद्रितता दिवस के अवसर पर जागरूकता बढ़ाने और आत्मकेंद्रित व्यक्तियों की अनूठी प्रतिभाओं का जश्न मनाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ साहिर पाल, सिविल सर्जन, पूर्वी सिंहभूम ने शिरकत की और आत्मकेंद्रित व्यक्तियों के लिए समावेशी वातावरण बनाने के महत्व पर जोर दिया। पी बाबू राव, सचिव, पीएएमएचजे, ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया और न्यूरोडाइवर्सिटी को समझने और अपनाने की आवश्यकता पर भावनात्मक रूप से प्रकाश डाला। पुष्पा और लता ने विश्व आत्मकेंद्रितता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। साबिर सिंह सहोता और अमृता कुलताज ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

टाटा स्टील की एफएएमडी को मिला वाटर डाइजेस्ट वर्ल्ड वाटर अवार्ड्स

कंपनी को सर्वश्रेष्ठ एकीकृत जल प्रबंधन के लिए किया गया सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

केंद्रीय मंत्री राजू भूषण चौधरी से अवार्ड ग्रहण करती टाटा स्टील की वरिष्ठ पदाधिकारी नताशा झा।

जमशेदपुर/नयी दिल्ली। टाटा स्टील के फेरो एलयज एंड मिनरल्स डिवीजन (एफएएमडी) ने गत सोमवार 31 मार्च को दिल्ली में आयोजित वटर डाइजेस्ट वर्ल्ड वटर अवर्ड्स 2024-25 में 'सर्वश्रेष्ठ एकीकृत जल प्रबंधन परियोजना' श्रेणी में जीत हासिल की। जल शक्ति राज्य मंत्री, राज भूषण चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और टाटा स्टील को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। इसके बाद कंपनी को औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। टाटा स्टील की ओर से नताशा झा, हेड-प्रोजेक्ट्स, टेक्नोलजी और इम्प्रूवमेंट (एफएएमडी), ने यह सम्मान ग्रहण किया। टाटा स्टील द्वारा जल प्रबंधन को अधिक प्रभावी और सस्टेनेबल बनाने के लिए अपनाई गई अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों की सराहना करते हुए, यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वाटर डाइजेस्ट, भारत की अग्रणी जल पत्रिका द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। यह आयोजन जल संरक्षण के अग्रदूतों और उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। पंकज सतीजा, एग्जीक्यूटिव-इन-चार्ज (एफएएमडी), टाटा स्टील ने कहा, 'भारत एक जल-संकटग्रस्त देश है, जहां कृषि, समाज और उद्योग समेत विभिन्न क्षेत्रों के बीच इस बहुमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा है। हम अपनी प्रक्रियाओं में जल खपत को न्यूनतम करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। जल प्रबंधन में हमारी प्रतिबद्धता और नवीन डिजिटल समाधानों को अपनाने की दिशा में किए गए प्रयासों को मान्यता मिलने पर हमें गर्व है। एफएएमडी अपनी प्रतिबद्धता को प्रभावी रूप से लागू कर रहा है, जिसमें ओडिशा के जाजपुर जिले में स्थित कमारदा और सरुआबिल खदानों में सीईटीपी) और सुकिंदा खदान में ईटीपी व सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) जैसी पहल शामिल हैं।

एक नजर में

भारतीय अदिवासी भूमिज समाज की हुई बैठक में चुहाड़ विद्रोह के नायक रघुनाथ सिंह पर चर्चा

जमशेदपुर। भारतीय अदिवासी भूमिज समाज की जमशेदपुर के सोनारी स्थित ट्राईबल कल्चर सोसाइटी भवन में बैठक हुई। जिसकीअध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष तपन कुमार सरदार (पश्चिम बंगाल) ने की। बैठक में अदिवासी भूमिज समाज के असम, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और झारखंड के भूमिज समाज के लोगों ने शिरकत की। इस मौके पर समाज के संगठात्मक विस्तार, केन्द्रीय सदस्यों में फेर बदल, भूमिज भाषा के यूनिकोड, केन्द्रीय भाषा संसति इकाई के गठन, भूमिज चुहाड़ विद्रोह आंदोलन में ब्रिटिश हुकूमत के खघ्लिाफ विद्रोह के नायक रघुनाथ सिंह इतिहास को मिटाने के प्रयास पर विशेष रूप परिचर्चा करके प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में तय किया गया कि सभी राज्यों के प्रदेश इकाई के अध्यक्ष, सचिवों, संगठात्मक विस्तार समाज के गांव-गांव तक ले जाने व राष्ट्रीय कोष संग्रह करने फैसला लिया गया। बैठक में केंद्रीय उपाध्यक्ष निर्मला सामाद, संजय सरदार, पं बंगाल, सचिव अबोध सिंह, गीतामनी सिंह, सचिव नित्यालाल सिंह, पं बंगाल, सुभाष सरदार, मकर भूमिज, असम, पाईका सिंह पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबुल सिंह पातर प्रदेश अध्यक्ष पं बंगाल, रथु सिंह प्रदेश अध्यक्ष झारखंड, राजतिलक भूमिज असम सचिव, असम जोरहाट के केन्द्रीय सदस्य निरेन भूमिज, जुही भूमिज, सुशील भूमिज, बाबुल भूमिज, सुकेन भूमिज, देबू भूमिज, हरी भूमिज, रंजित भूमिज, सुभाष सिंह, मनोहर सिंह, सुनील सिंह, जय सिंह भूमिज, मेयालाल, छुटू भूमिज विमल भूमिज, शुभकंर सिंह आदि भूमिज समाज के लोग शामिल हुए।

अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल झारखंड के पदाधिकारियों की घोषणा

जमशेदपुर। अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष पवन अग्रहरि की अध्यक्षता में साकची में एक बैठक का किया गया आयोजन। बुधवार के कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पवन अग्रहरि ने विभिन्न पदों पर लोगों की घोषणा की। मनोनीत सदस्यों में द्वारिका प्रसाद-संरक्षक, विनोद गुप्ता- जिला अध्यक्ष, महेंद्र पांडे- प्रदेश सचिव, अभिषेक बजाज-प्रदेश संयोजक, अनिल चौबे-प्रदेश प्रभारी की नियुक्ति की गई। प्रदेश अध्यक्ष पवन अग्रहरि एवं चंचल भाटिया ने सभी पदाधिकारी को शौल सम्मानित किया एवं उन्हें निरंतर संस्था में कार्य करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। प्रदेश अध्यक्ष पवन अग्रहरि ने बताया कि यह संस्था जल्द ही एक टोल फ्री नंबर जारी करने जा रही है जिससे कि शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कोई भी व्यापारी अपनी समस्याओं को बता सकते हैं एवं संस्था निरंतर प्रदेश, जिला एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सदस्यता अभियान भी चलाएगी एवं छोटे से छोटे व्यापारियों की समस्याओं के निदान का निरंतर प्रयास करेगी। इस संस्था में नारी शक्तियों को भी काफी प्राथमिकताएं दी जा रही है एवं छोटे से छोटे व्यापारी महिलाएं निरंतर इस संस्था में जुड़ रही हैं। कार्यक्रम में चंचल भाटिया, मनोज शर्मा, सुनीता जायसवाल, पिंकी प्रसाद, प्राची सर्वप्रिया एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

वीवीडीए के वार्षिक समारोह में नवयुग दल को सम्मानित किया गया

जमशेदपुर। टाटानगर के माइकल जन अडिटोरियम में बुधवार को वीवीडीए का 38 वां वार्षिक समारोह' में गायत्री परिवार टाटानगर के युवा प्रकोष्ठ 'नवयुग दल एवं प्रज्ञा महिला मंडल' को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वर्ष 2024-25 में टटव। के माध्यम से 300 से ज्यादा संस्थाओं के सहयोग से 'कुल 40156 यूनिट रक्त' संग्रह किया गया। जिसमें ज्जं डवजवते यूनियन के तरफ से एक दिन में सर्वाधिक 2906 यूनिट एकत्रित कर भारत में एक कीर्तिमान स्थापित किया। इस रक्त संग्रह में 'गायत्री परिवार टाटानगर के तरफ से वर्ष भर में 4 कैम्प लगाकर कुल 778 यूनिट रक्त' संग्रह किया गया। इस अवसर पर 'प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार झारखंड के समन्वयक संतोष कुमार राय' ने सभी रक्तदान शिविर में सहयोग करने वाले युवा साथियों का आभार व्यक्त किया और शुभकामनाएं दिए।

आम बगान में डिजनीलैंड मेला का भूमि पूजन संपन्न

जमशेदपुर। साकची आमबगान मैदान स्थित फन वर्ल्ड द्वारा आयोजित डिजनीलैंड मेला-2025 का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। उक्त जानकारी देते हुए फनवर्ल्ड के संचालक श्री शेखर पर्वत ने कहा कि 16 अप्रैल से शुरू होने वाले इस मेले का इस वर्ष मुख्य आकर्षण सुनामी झुला एवं रिवलविंग चेयर झुला होगा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हस्तशिल्प के उत्पाद, कटन गारमेन्ट्स, लेडिज, जेन्ट्स एवं किड्स के परिधान, फर्नीचर सेल आदि के अतिरिक्तडिजनीलैंड में वाटर बोट एवं टोरा टोरा के अतिरिक्तअन्य झुलें बच्चों का आकर्षण का केन्द्र होगा। ज्ञात रहे कि फन वर्ल्ड द्वारा आयोजित डिजनीलैंड मेला का इंतजार न केवल जमशेदपुर वासियों को बल्कि इसके आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को भी रहता है यही कारण है कि डिजनीलैंड मेला काफी सफल रहता है। फन वर्ल्ड के संयोजक चन्द्रशेखर पर्वत ने बताया कि इस फन वर्ल्ड (डिजनीलैंड) में मिनी भारत की एक झलक दिखेगी। जहां हिन्दुस्तान के हर प्रांत के परिधान एवं हेन्डी क्राफ्ट के समान उपलब्ध रहेंगे। इस फन वर्ल्ड एक ऐसा समूह है जो कि बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराता है।

नरवा पहाड़ में पल्ली समिति का चौती दुर्गा पूजा का उद्घाटन आज

जादूगोड़ा। नरवा पहाड़ स्थित मुर्गाघुटू पल्ली समिति की ओर से आयोजित चौती दुर्गा पूजा को लेकर तैयारी पूरी कर ली है। पोटका के बागो के कारीगर पंडाल निर्माण में जुटे है। पंडाल पूरी तरह तैयार हो जायेगा। संध्या समय घाटशिला से भाजपा प्रत्याशी बाबू लाल सोरेन पंडाल का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के साथ ही दुर्गा पूजा पंडाल के पट भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। कमिटी के अध्यक्ष दिवाकर दास,सचिव धनपति दास, कोषाध्यक्ष शक्ति पदों दास ने कहा कि अष्टमी 5 अप्रैल के दिन बाउल संगीत व 6 को आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम रखा गया हैं। बंगाल के पुजारी की बुलाया गया है। कार्यक्रम में मीरा मुंडा, चंपई सोरेन पोटका विधायक संजीव सरदार रौशन झा, ललन प्रसाद साह, हिरण्य मय दास खास मेहमान होगे।

रेलवे ट्रैक के पास खाई में गिरी ट्रक

चांडिल। मंगलवार देर रात करीब एक बजे चांडिल थाना क्षेत्र के पाटा गोलचक्कर के पास टाटा से चांडिल की और आ रही ट्रक संख्या यूपी 21 सीटी 0829 अनियंत्रित होकर रेलवे ट्रैक के पास गिर गया। ट्रक और थोड़ा नीचे आने पर सिधे रेलवे ट्रैक पर जा गिरता। घटना की सुचना मिलने पर चक्रधरपुर डिवीजन का टिम घटना स्थल पर पहुंच कर रेस्क्यू करने में जुट गए। डीआरयूसीसी मेंबर दिवाकर सिंह ने बताया कि रेलवे की टीम पुरी सतर्कता के साथ ट्रक को बाहर निकाला। इस कार्य में दो कोपलेन तथा एक हाइड्रा का उपयोग किया गया।

गुजरात ने रोका बेंगलुरु का विजय रथ

गुजरात ने बेंगलुरु को आठ विकेट से हराया, सिराज के बाद सुदर्शन और बटलर चमके आरसीबी को 18वें सीजन में चखाया पहली हार का स्वाद

बेंगलुरु 169/8 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
फिलिप सॉल्ट बो. सिराज	14	13	01	01
कोहली के. कृष्णा बो. अरशद	07	06	01	00
पडिक्कल बो. सिराज	04	03	01	00
पाटीदार एलबीडब्ल्यू इशांत	12	12	02	00
लिविंगस्टन के. बटलर बो. सिराज	54	40	01	05
जितेश के. तेवतिया बो. किशोर	33	21	05	01
कुणाल के.एंड बो. किशोर	05	05	01	00
टिम डेविड बो. प्रसिद्ध कृष्णा	32	18	03	02
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	01	02	00	00

अतिरिक्त : 07

विकेट पतन : 8-1, 13-2, 35-3, 42-4, 94-5, 104-6, 150-7, 169-8.

गेंदबाज : मोहम्मद सिराज : 4-0-19-3, अरशद खान : 2-0-17-1, प्रसिद्ध कृष्णा : 4-0-26-1, इशांत शर्मा : 2-0-27-1, साई किशोर : 4-0-22-2, राशिद खान : 4-0-54-0.

गुजरात 170/2 (17.5 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
सुदर्शन के. जितेश बो. हेजलवुड	49	36	07	01
गिल के. लिविंगस्टन बो. भुवनेश्वर	14	14	01	01
जोस बटलर नाबाद	73	39	05	06
शरफेन रदरफोर्ड नाबाद	30	18	01	03

अतिरिक्त : 04

विकेट पतन : 32-1, 107-2.

गेंदबाज : भुवनेश्वर कुमार : 4-0-23-1, जोश हेजलवुड : 3.5-0-43-1, यश दयाल : 3-0-20-0, रसिख दार : 3-0-35-0, क्रुणाल पंड्या : 3-0-34-0, लियाम लिविंगस्टन : 1-0-12-0.

एजेंसी

बेंगलुरु। पहले मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी और फिर जोस बटलर की तूफानी फिफ्टी से गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को उसके घर में 8 विकेट से हरा दिया। गुजरात की टीम की ये 18वें सीजन में दूसरी जीत है, जबकि आरसीबी को लगातार दो मैच में मिली जीत के बाद पहली हार का स्वाद चखना पड़ा है। गुजरात टाइटंस और आरसीबी के बीच यह मुकाबला एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। मैच में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। टॉस हारने के बाद आरसीबी की टीम ने लियाम लिविंगस्टोन और जितेश की पारी की मदद से निर्धारित 20 ओवर खेल में 8 विकेट के नुकसान पर जैसे-तैसे 169 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम ने 13 गेंद रहते ही 170 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस तरह आरसीबी को अपने घर में ही हारकर शर्मसार होना पड़ा।

बटलर और साई सुदर्शन ने किया कमाल

गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी में एक बार फिर से साईं सुदर्शन ने बल्लेबाजी में कमाल किया था। साईं सुदर्शन ने शुभमन गिल के साथ पारी की शुरूआत करते हुए 36 गेंद में 49 रनों की पारी खेली। वह सिर्फ 1 रन से अपनी फिफ्टी चूक गए। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 7 चौके और 1 छक्का भी लगाया। वहीं कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर से बल्लेबाजी में असरदार नहीं रहे। शुभमन के विकेट के बाद जोस बटलर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। कुछ देर तक क्रीज पर समय बिताने के बाद उन्होंने भी अपनी रफ्तार पकड़ी। इसके बाद तो मानों वह आरसीबी के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। बटलर गुजरात की तरफ से तूफानी अंदाज में बैटिंग करते हुए 39 गेंद में 73 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 5 चौके भी लगाए। वहीं उनके साथ इंपैक्ट सब के रूप में शेफरन रदरफोर्ड 18 गेंद में 30 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात के लिए रदरफोर्ड ने विनिंग शॉट लगाया। गुजरात के खिलाफ इस मुकाबले में आरसीबी के गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। आरसीबी की टीम कसी हुई फील्डिंग के बावजूद सिर्फ 2 विकेट ही निकाल पाई। टीम की करफ से ये दोनों विकेट तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के नाम रहा। इसके अलावा और कोई भी गेंदबाज विकेट निकालने में सफल रहे।

आरसीबी बनी इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली टीम

बेंगलुरु। आरसीबी ने इंस्टाग्राम पर अपनी लोकप्रियता के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टीम ने 18 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे वह इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी बन गई है। आरसीबी ने अपने अनोखे और आकर्षक कंटेंट के जरिए फैंस से गहरा जुड़ाव बनाया है, जिससे सोशल मीडिया उनके लिए ब्रांड ग्रोथ और कमर्शियल एंगेजमेंट का एक मजबूत जरिया बन गया है। यह जानकारी फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में दी गई। पिछले साल नवंबर 2023 तक आरसीबी, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) से पीछे थी। हालांकि, टीम की प्रभावी सोशल मीडिया रणनीति और फैंस की जबरदस्त निष्ठा ने उसे इस रेस में आगे ला दिया। अब आरसीबी के 18.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि सीएसके के 17.8 मिलियन और एमआई के 16.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आरसीबी ने 23 मार्च को 17 मिलियन का आंकड़ा छुआ था और महज 10 दिनों में 18 मिलियन तक पहुंच गई।

दिग्वेश सिंह को जश्न मनाना पड़ा महंगा : लखनऊ : लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश सिंह को जश्न मनाना पड़ा महंगा। बीसीसीआई ने राठी पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक का जुर्माना लगाया गया है जिन्होंने आइपीएल मैच में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद पत्र लिखने की मुद्रा में जश्न मनाया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने राठी को पंजाब और लखनऊ के मैच दौरान आइपीएल की आचार संहिता तोड़ने के लिए दंडियत किया। आइपीएल मीडिया सूचना में कहा गया, दिग्वेश सिंह को धारा 2.5 के तहत लेवल एक के अपराध का दोषी पाया गया। उन्होंने मैच रैफरी द्वारा सुनाई गई सजा स्वीकार कर ली है। इसमें कहा गया, लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। यह विवादित जश्न उन्होंने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर प्रियांश को आउट करने के बाद मनाया गया। प्रियांश जब पवेलियन लौट रहे थे तब दिल्ली टी20 लीग के उनके साथी खिलाड़ी दिग्वेश ने उनके पास जाकर हाथ से पत्र लिखने का इशारा किया।

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
1.	पंजाब	02	02	00	00	04	+1.485
2.	दिल्ली	02	02	00	00	04	+1.320
3.	बेंगलुरु	03	02	01	00	04	+1.149
4.	गुजरात	03	02	01	00	04	+0.807
5.	मुंबई	03	01	02	00	02	+0.309
6.	लखनऊ	03	01	02	00	02	-0.150
7.	चेन्नई	03	01	02	00	02	-0.771
8.	हैदराबाद	03	01	02	00	02	-0.871
9	राजस्थान	03	01	02	00	02	-1.112
10	कोलकाता	03	01	02	00	02	-1.428

पर्पल कैप
09 विकेट
नूर अहमद
चेन्नई

ऑरेंज कैप
189 रन
निकोलस पूरन
लखनऊ

केकेआर का सनराइजर्स से सामना

कोलकाता। तीन में से दो मैच हार चुकी गत चैंपियन कोलकाता और पिछले साल फाइनल खेलने वाली हैदराबाद गुरुवार को आइपीएल मैच में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा। तीन मैचों में दो हार के बाद अब टीम का मनोबल थोड़ा गिरा होगा। वहीं पहले मैच में छह विकेट पर 286 रन बनाने वाली सनराइजर्स पिछले दो मैचों में 200 रन भी नहीं बना पाई। पैट कमिंस की टीम को पिछले आइपीएल फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने के लिए अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा।

जयसिंघानी ने चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराया

बेंगलुरु। भारत के राघव जयसिंघानी ने चौथी वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर बिंदा को हराकर बुधवार को एसएम कृष्णा मेमोरियल (एसएमके) ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। क्वालीफाइंग दौर से आगे बढ़ने वाले जयसिंघानी ने इटली के बिंदा के खिलाफ शानदार वापसी की। पहला सेट हारने के बाद, उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और दूसरा सेट 6-3 से अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में अपनी लय बरकरार रखी, पहले और पांचवें गेम में सर्विस तोड़कर 2-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की।

डफी आइसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई। वेलिंगटन में पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मैच में अपनी टीम की शानदार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने आइसीसी पुरुष टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। डफी ने वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील होसेन को शीर्ष स्थान से हटाकर यह मुकाम हासिल किया। डफी ने पिछले सप्ताह सात पायदान की छलांग लगाई थी और एडम जाम्पा के साथ संयुक्त रुप से पांचवें स्थान पर पहुंच गए थे और इस सप्ताह उन्होंने होसेन के अलावा वानिंदु हसरंगा, आदिल राशिद और वरुण चक्रवर्ती को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 18 रन देकर दो विकेट लिए, जिसमें सलामी बल्लेबाज हसन नवाज और तीसरे नंबर के बल्लेबाज ओमैर यूसुफ का विकेट शामिल है।

चक्रवर्ती टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, पांड्या ऑलराउंडरों में शीर्ष पर

दुबई। भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुष टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि हार्दिक पांड्या बुधवार को जारी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। चक्रवर्ती 706 रेटिंग अंक के साथ न्यूजीलैंड के जेकब डफी (723) और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन (707) से पीछे हैं। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (674) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) क्रमशः सातवें और 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य दो भारतीय गेंदबाज हैं। अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। भारत के बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट तीसरे स्थान पर हैं। दो अन्य भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। पांड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

मिशेल के 99 और बेन के पंजे से जीता न्यूजीलैंड

एजेंसी

हैमिल्टन। विकेटकीपर-बल्लेबाज मिशेल हे (99 नाबाद) और बेन सियर्स के (5/59) के पंजे की मदद से न्यूजीलैंड ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में 84 रनों की शानदार जीत हासिल की। अपने पहले अंतरराष्ट्रीय शतक से चूकने वाले हे ने 99 रन की पारी में सात छक्के और इतने ही चौके लगाये। उन्होने अपना अर्धशतक मोहम्मद वसीम की गेंद पर छक्का लगाकर पूरा किया जबकि आखिरी ओवर में गेंद को विकेटकीपर को छकाकर सीमा रेखा पार भेजा। हे के अलावा मोहम्मद अब्बास (41), हेनरी निकोल्स (22) और माइकल ब्रेसवेल (17) के योगदान से न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट पर 292 रन स्कोर खड़ा किया।

पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का भव्य स्वागत

रांची। प्रथम पारा थ्रो बॉल एशिया चैंपियनशिप 2025 कंबोडिया में आयोजित खेल में रांची के खिलाड़ियो कांस्य पदक जीतकर वापस रांची वापस लौटे। प्रतियोगिता में दोनों ही वर्ग महिला/ पुरुष कांस्य पदक जीत कर बुधवार को रांची रेलवे स्टेशन पर झारखंड सभी खिलाड़ियों ने ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया। वही पुरुष वर्ग में मुकेश कंचन (कप्तान) सनोज महतो, मुकेश कुमार महतो, पवन लकड़ा, राजेश कुमार मेहता, और महिला वर्ग में प्रतिमा तिर्की, अनिता तिर्की, महिमा उरांव, संजुक्ता एक्का, पुष्पा मिंज, असुंता टोप्पो, तारामणि लकड़ा शामिल थे। मौके पर संजू कुमारी, भारत साहू, शिवरानी कुमारी, आर्यन, अनीता देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य मीना देवी, उप मुखिया हूंदुर महेश महतो, श्याम साहू, सरिता सिन्हा सहित आदि उपस्थित थे।

हॉकी इंडिया ने महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए की 40 संभावितों की घोषणा

एजेंसी

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने यहां साई में चल रहे सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए बुधवार को 40 सदस्यीय कोर समूह की घोषणा की। 23 मार्च को शुरू हुए इस शिविर में शुरू में 65 संभावित खिलाड़ी शामिल थे। पिछले दो सप्ताह के उनके प्रदर्शन के आधार पर अब समूह को घटाकर 40 खिलाड़ी कर दिया गया है। मौजूदा कोर समूह की 28 खिलाड़ियों ने अपना स्थान बरकरार रखा है, वहीं 15वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन और शुरूआती राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उनके प्रयासों के आधार पर कोर समूह के बाहर से 12 नए खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड के 8 खिलाड़ी

रांची। हॉकी इंडिया ने आगामी अंतर्राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं के लिए सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम की 40 महिला हॉकी खिलाड़ियों के कोर ग्रुप बनाया है, इन 40 सदसायी ग्रुप में झारखंड के 08 खिलाड़ी सामिल किये गये है। झारखंड के इन 08 खिलाड़ियों में से 06 खिलाड़ी सलीमा टेटे, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग, दीपिका सोरेंग, महिमा टेटे और अंजना डुंगडुंग सिमडेगा जिला की तथा 02 खिलाड़ी निक्की प्रधान और अलबेला रानी टोप्पो खूंटी जिला की है। सलीमा टेटे और महिमा टेटे दोनो सगी बहन है। झारखंड के इतिहास में संभवत यह पहला अवसर जब दो सगी बहनों की जोड़ी एक साथ सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के कोर ग्रुप में शामिल है। महिमा, अंजना और अलबेला रानी को पहली बार सीनियर भारतीय टीम में सामिल किया गया है, वैसे महिमा टेटे पूर्व में जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रह चुकी है। हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, मनोज कोनबेगी, रजनीस कुमार, शशि कांत प्रसाद, असरिता लकड़ा, माइकल लाल, असुंता लकड़ा, जयंत केरकेट्टा, अशोक भगत, सुरजीत झा, संजीव झा, सहित हॉकी झारखड़ा और खेल विभाग के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई और शुभकामना दी है।

ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप फाइनल्सः अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए मंच तैयार, भूटिया-पॉल करेंगे शिरकत

एजेंसी

गोवा। ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप फुटबॉल 2025 का नेशनल फाइनल 8 अप्रैल से गोवा में शुरू होगा। इस वर्ष टूर्नामिंट को और अधिक रोमांचक बनाते हुए प्रसिद्ध इंग्लिश क्लब नॉर्विच सिटी एफसी की यूथ टीम भी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है। इस चैंपियनशिप में देशभर से कुल 16 टीमें, जिसमें आठ लड़कों और आठ लड़कियों की टीमें शामिल हैं, खिताब के लिए संघर्ष करेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा नामित राज्योंः- असम, झारखंड, केरल, राजस्थान, गोवा, ओडिशा, कर्नाटक और दिल्ली की टीमें पहली बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामिंट का हिस्सा बनेंगी। ग्रुप स्टेज के मुकाबले एसएजी बेनौलिम फुटबॉल ग्राउंड और उटोर्डा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे। वहीं, 15 अप्रैल को राया फुटबॉल ग्राउंड में ग्रैंड फिनाले का आयोजन होगा। इस अवसर पर भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया और सुब्रत पॉल भी उपस्थित रहेंगे। टूर्नामिंट के सभी मुकाबले फैनकोड पर लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे। ड्रीम स्पोर्ट्स के सीओओ और सह-संस्थापक भावित सेठ ने कहा, यह टूर्नामिंट भारत में जमीनी स्तर पर फुटबॉल के विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। अंतरराष्ट्रीय टीमों को शामिल करने से युवा खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस साल लड़कियों की टीमों को भी शामिल कर हमने फुटबॉल को और अधिक समावेशी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। हम एआइएफएफ के समर्थन के लिए आभारी हैं, जिसने हमारे इस विजन को साकार करने में योगदान दिया है। टूर्नामिंट के दौरान ड्रीम अगेन पहल के तहत नॉर्विच सिटी एफसी के कोचों द्वारा सभी भाग लेने वाली टीमों के सहायक स्टाफ के लिए नॉलेज एक्सचेंज वर्कशॉप्स आयोजित की जाएंगी।

वुशू कोच विजय ने दिव्या के चयन पर जताई खुशी

जमशेदपुर। वुशू कोच एवं पूर्वी सिंहभूम वुशू संघ के संयुक्त सचिव विजय सोय ने जमशेदपुर की गोल्डन गर्ल दिव्या सोय के राष्ट्रीय चैंपियनशिप में चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। दिव्या सोय ने पिछले दिनों रांची के खेलगांव में आयोजित राज्यस्तरीय अस्मिता खेलो इंडिया वुशू चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड टीम में स्थान हासिल किया था। दिव्या सोय राष्ट्रीय प्रतियोगिता गुजरात के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय लेबार्ड में 2 अप्रैल से 7 अप्रैल 2025 सब-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप खेली जानी है, जिसमें जमशेदपुर से झारखंड टीम में दिव्या सोय भी शामिल है। रांची से टीम के साथ गुजरात रवाना होंगी।

प्लेऑफ में पहली बार आमने सामने होंगे मोहन बागान और जमशेदपुर एफसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी गुरुवार को भारतीय सुपर लीग (आइएसएल) 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले चरण में मोहन बागान सुपर जायंट (एमबीएसजी) की मेजबानी करेगी। यह पहली बार होगा जब ये दोनों टीमें प्लेऑफ में आमने-सामने होंगी। एमबीएसजी आइएसएल लीग शील्ड जीतने के कारण अंतिम-चार में पहुंची थी, जबकि जमशेदपुर ने एलिमिनेटर में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 2-0 से हराया था।

रियल मैड्रिड ने रियल सोसिएदाद को हराकर फाइनल में बनायी जगह

एजेंसी

कोपा डेल रे सेमीफाइनल, रूडिगर बने हीरो

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने मंगलवार को रियल सोसिएदाद के खिलाफ रोमांचक 4-4 के ड्रॉ के साथ कोपा डेल रे के फाइनल में जगह बनाई, जिससे उसने कुल 5-4 के स्कोर के साथ सेमीफाइनल जीत लिया। एंटोनियो रूडिगर ने 115वें मिनट में हेडर के जरिए निर्णायक गोल किया, जिससे मैड्रिड अब फाइनल में बार्सिलोना या एटलेटिको मैड्रिड का सामना करेगा। पहले चरण में 1-0 से पिछड़ रही रियल सोसिएदाद ने एंडर बार्रेनचेया के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन एंड्रिक के शानदार चिप शॉट से रियल मैड्रिड ने बराबरी कर ली। डेविड अलाबा के आत्मघाती गोल और मिकेल ओयारजाबल के डिफ्लेक्टेड शॉट से सोसिएदाद को बढ़त मिली, लेकिन मैड्रिड ने जूड बेलिंघम और आरेलियन चुआमेनी के गोलों से वापसी की। ओयारजाबल ने स्टापेज टाइम में दूसरा गोल कर मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींचा, लेकिन सोसिएदाद पेनल्टी तक मुकाबला नहीं ले जा सकी। अंततः रूडिगर के हेडर ने मैड्रिड को फाइनल में पहुंचा दिया। मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो को शुरूआती लाइनअप में रखा, जबकि काइलियन एम्बाप्पे को आराम दिया और उनकी जगह एंड्रिक को मौका मिला। 18 वर्षीय एंड्रिक, जिन्होंने पहले चरण में एकमात्र गोल किया था, शुरूआती मिनटों में सक्रिय दिखे और एक शानदार ओवरहेड किक से गोल करने के करीब पहुंचे। बेलिंघम ने भी गोल करने की कोशिश की, लेकिन बढ़त रियल सोसिएदाद ने ली। बार्रेनचेया ने पाब्लो मारिन के पास पर बढ़त बनाते हुए गोल किया। हालांकि, मैड्रिड ने जल्द ही बराबरी कर ली। विनीसियस ने बाएं फ्लैंक से बेहतरीन थ्रू बॉल दी, जिस पर एंड्रिक ने शानदार लोब्ड फिनिश करते हुए गोल किया। सोसिएदाद ने पहले हाफ के अंत में पेनल्टी की मांग की, जब ताकेफुसा कुबो बॉक्स में विनीसियस से टकरा गए, लेकिन रेफरी ने इसे खारिज कर दिया। दूसरे हाफ में एंसेलोटी ने एंड्रिक की जगह एम्बाप्पे को मैदान पर उतारा, लेकिन मौके बनाने में सोसिएदाद अधिक सफल दिखी। गोलकीपर आंद्रिय लूनिन ने मार्टिन जुबिमेंडी का शानदार बचाव किया, लेकिन 72वें मिनट में मारिन के क्रॉस पर अलाबा का आत्मघाती गोल हुआ, जिससे सोसिएदाद को बढ़त मिली। इसके बाद ओयारजाबाल का डिफ्लेक्टेड शॉट लूनिन को छकाते हुए गोल में चला गया, जिससे सोसिएदाद की बढ़त और मजबूत हो गई। लेकिन इसके बाद मैड्रिड ने जोरदार वापसी की। 82वें मिनट में विनीसियस के पास पर बेलिंघम ने गोल किया और चार मिनट बाद चुआमेनी के हेडर पर गोलकीपर रेमिरो की गलती से स्कोर 4-4 हो गया। 90+3वें मिनट में ओयारजाबाल के हेडर से मुकाबला अतिरिक्त समय तक गया, लेकिन सोसिएदाद अंतिम क्षणों तक बढ़त नहीं बचा सकी। अंततः 115वें मिनट में अरदा गुलर के कॉर्नर पर रूडिगर के बेहतरीन हेडर ने मैड्रिड को फाइनल में पहुंचा दिया।

भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रैल में होने वाले विश्व कप चरण-1 के लिए नहीं मिला अमेरिकी वीजा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी टीम ने घोषणा की है कि वह अमेरिकी वीजा प्राप्त करने में असमर्थ है और संभवतः 8 से 13 अप्रैल तक फ्लोरिडा में होने वाले विश्व कप स्टेज-1 प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएगी। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआइ) ने खुलासा किया कि 16 सदस्यीय टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एएआई ने इंस्टाग्राम पर कहा, दुर्भाग्य से पिछले 40 दिनों में हमारे अथक प्रयासों और कई फॉलो-अप के बावजूद भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण अमेरिकी वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में अभी भी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। परिणामस्वरूप, हम आगामी विश्व कप प्रतियोगिता से बाहर होने के कगार पर हैं, जिसका हमारी भागीदारी और प्रतिस्पर्धी संभावनाओं पर गंभीर असर पड़ेगा। इस मुद्दे को हल करने और हमारी टीम के लिए संभावित झटके को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप जरूरी है। 2025 विश्व कप में पांच प्रतियोगिताएं शामिल हैं और यह 8 अप्रैल से 19 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें फ्लोरिडा, शंघाई, अंताल्या, मैड्रिड और नानजिंग मेजबान शहर होंगे।

2025 के लिए भारतीय टीम

- **रिकर्व पुरुषः** अतनु दास, धीरज बोम्मदेवरा, तरूणदीप राय और पार्थ सुशांत सालुंखे।
- **रिकर्व महिलाः** दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त, सिमरनजीत कौर और अंशिका कुमारी।
- **कंपाउंड मैनः** अभिषेक वर्मा, ऋषभ यादव, ओजस प्रवीण देवताले और उदय कंबोज।
- **मिश्रित महिलाएंः** मधुरा धमनगांवकर, ज्योति सुरेखा वेन्नम, तानीपर्थी चिकिथा और अदिति स्वामी।

नहाय खाय के साथ चार दिवसीय चैती छठ शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। लोक आस्था का महापर्व चार दिवसीय चैती छठ मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो जायेगा। इसे लेकर फुसरो शहर के श्रद्धालुओं ने चैती छठ की तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार को छठव्रती नहाय खाय का प्रसाद बनाकर भगवान भास्कर को भोग लगाकर ग्रहण करेगी। इसके बाद बुधवार की शाम खरना करने के बाद छठव्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जायेगा। गुरुवार को फुसरो शहर के दामोदर नदी के छठ घाटों पर अस्तचलागामी सूर्य को अर्घ्य और शुक्रवार को उदयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ संपन्न हो जायेगा। छठ को लेकर घाटों की साफ सफाई की जा रही है। छठव्रती पूजा की तैयारी में जुटे हुए है। छठ को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण हो गया है।

स्पीड न्यूज

बाइक से गिरकर तीन लोग घायल दो की हालत गंभीर

बेरमो। डुमरी के एन एच19 पर बाइक से गिरकर तीन लोग घायल हो गए है। इसमें दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना डुमरी थाना क्षेत्र की है। बताया जाता है कि बाइक सवार तुईयो से अपनी बेटी को देखने के लिए बढाई जा रहे थे जैसे ही उन्होंने हाईवे पर चढ़ा अचानक से एक गाय दौड़कर बाइक के सामने आ गई। जिसमें गाय को बचाने के क्रम में बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर गया। इसमें एक महिला समेत दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए है। वहीं घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया है।

खनन विभाग ने की कार्रवाई

बेरमो। बेरमो अनुमंडल स्थित पेटरवार प्रखंड के आसनापानी गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वहीं देखा की जिस सड़क के माध्यम से असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध बालू का परिवहन किया जा रहा था, उस सड़क को टीम द्वारा जेसीबी से ट्रेंच काट दिया गया, ताकि बालू के अवैध खनन पर रोक लगाई जा सके। ज्ञात हो कि, मंगलवार को ग्रामीणों ने अवैध बालू का खनन अवैध तरीके से ट्रैक्टरों द्वारा बालू का परिवहन किया जा रहा था जिसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा विरोध किया गया था। उक्त कार्य में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहे। इसकी जानकारी जिला खनन पदाधिकारी श्री रवि कुमार सिंह ने दी।

शहीद रघुनाथ महतो की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम 5 अप्रैल को

बोकारो। भारत के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी एवं चुआड़ विद्रोह के महानायक वीर शहीद रघुनाथ महतो की 247 वीं पुण्यतिथि आगामी 5 अप्रैल 2025 को बोकारो-धनबाद हाईवे दामोदर नदी तेलमोच्चो ब्रीज स्थित शहीद रघुनाथ महतो पार्क में शहीद रघुनाथ महतो स्मारक समिति एवं झारखंडी भाषा संघर्ष समिति के द्वारा मनाया जायेगा। कार्यक्रम में झारखंडी संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष तौर पर राज्य के मंत्री विधायक सांसद एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे। यह जानकारी आयोजन समिति सह झारखंडी भाषा संघर्ष समिति के अध्यक्ष निमाई महतो ने दी है।

शातिर चोर गिरफ्तार, गया जेल

दुमका। शहर के नगर थाना क्षेत्र के नयापाड़ा स्थित दो अलग-अलग हार्डवेयर की गोदाम से चोरी की घटना के तीन दिनों के बाद नगर थाना पुलिस ने मामले का उद्भेदन करते हुए दो शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर दोनों के घरों से चोरी के सामानों को भी बरामद कर लिया है। चोरी करने के दौरान एक आरोपी स्नेहिल लाहा के नकाब उतर जाने पर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसका सत्यापन पुलिस कर रही है।

पुवाल के पुंज में लगी आग, हजारों का नुकसान

हंसडीहा। हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत धावा ताड़ गांव में बुधवार को नवल किशोर राणा के पुआल पुंज में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद ग्रामीणों द्वारा मामले की सूचना हंसडीहा पुलिस को दी सुचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रकाश सिंह पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच अग्निशमन दल को फोन कर मामले की जानकारी दी हालांकि जब तक अग्निशमन की टीम घटना स्थल पर पहुंची उससे पहले ग्रामीणों द्वारा आग पर काबू पा लिया गया था। आग पर काबू पाने के बाद अग्निशमन वाहन गांव पहुंची जो बचे हुए आग की लपटे को बुझाया। इस हादसे में ग्रामीणों के सहयोग ससमय आग पर काबू पा लिया गया नही तो आसपास स्थित घरों में भी आग पकड़ सकती थी।

डीपीएस बोकारो में नये सत्र के स्वागत में मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो में नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अवसर पर स्पेशल असेंबली में आयोजित मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी कुशल कलात्मक व रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। गणपति की प्रार्थना के बाद सामूहिक सरस्वती वंदना सुरीली प्रस्तुति से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी शुरू हुई।

परंपरा व संस्कृति एवं उल्लास का नवबिहान थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधता एवं समृद्धि का जीवंत मंचन किया। इसी कड़ी में कक्षा 6 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत फैशन-शो आकर्षण का केन्द्र रहा जिसमें तमिलनाडु पंजाब राजस्थान पश्चिम बंगाल झारखंड असम ओडिशा जम्मू-कश्मीर एवं महाराष्ट्र की परंपरा-संस्कृति दशार्यी गई। साथ ही मानव जीवन की नौ भावनाओं से संबंधित नव-रस यथा- हास्य करुणा रौद्र भय उत्साह आदि को भी प्रदर्शित किया गया। सीनियर इकाई के छात्र-छात्राओं ने महाभारत पर आधारित मनोहारी नृत्य के जरिए निर्णय-निर्धारण व धर्म की अधर्म पर विजय आदि का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने सभी को नए सत्र की बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कठिन परिश्रम समर्पण निरंतरता और दृढ़ इच्छाशक्ति आवश्यक है। लक्ष्य के प्रति केंद्रित होकर इसके लिए प्रयासरत होने पर कामयाबी तय है।

उन्होंने जोर देते हुए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के संतुलित इस्तेमाल का भी संदेश दिया। प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं द्वारा नवभारत-निर्माण की विषयवस्तु पर आधारित पेंटिंग के संग्रहण से तैयार विद्यालय के नए एनुअल प्लानर का विमोचन किया। तदुपरांत विगत सत्र में विभिन्न कक्षाओं के टॉपर रहे छात्र-छात्राओं को प्रोफिसिएंशी कप देकर पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण-पूर्व रेलवे ने 2024-25 में सबसे उच्चतम माल लदान का बनाया रिकॉर्ड

बोकारो। दक्षिण पूर्व रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे अधिक माल लदान का प्रदर्शन किया है। इस वित्तीय वर्ष में दपूरे ने 212.37 मिलियन टन माल लदान किया जो अब तक का उसका सबसे उच्चतम रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि पिछले वर्ष की तुलना में 0.36% की वृद्धि को दशार्ती है। चक्रधरपुर मंडल और आद्रा मंडल ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चक्रधरपुर मंडल ने 154.04 मिलियन टन माल लदान किया। वहीं आद्रा मंडल ने 29.12 मिलियन टन माल लदान किया जिसमें 4.16% की वृद्धि देखी गई। इस शानदार प्रदर्शन से दक्षिण पूर्व रेलवे को लगभग 18,949.83 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 31 मार्च 2025 को एक दिन में सबसे अधिक 1.78 मिलियन टन माल लदान जो पिछले रिकॉर्ड से 30.9% अधिक है। इसके अलावा सबसे तेजी से 200 मिलियन टन माल लदान मात्र 349 दिनों में 15 मार्च 2025 को किया गया। सबसे अधिक 55.56 मिलियन टन कोयला लदान हुआ जिसमें 4.23% की वृद्धि दर्ज की गई। सबसे अधिक कंटेनर लदान 2.43 मिलियन टन का रहा जो पिछले वर्ष की तुलना में 44.8% अधिक है।

बीएसएल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

डीआई ने कर्मियों को दी बधाई

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में बीएसएल ने प्रोडक्शन व डिस्पैच तथा टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स में कई नए कीर्तिमान बनाकर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 4 फर्नेस परिचालन से हॉट मेटल उत्पादन एसएमएस-न्यू से क्रूड स्टील टोटल क्रूड स्टील तथा सीआर सेलेबल के उत्पादन में कीर्तिमान बने हैं।

साथ ही समग्र ऊर्जा खपत कोक रेट सीडीआई रेट तथा अन्य टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर एवं ग्रेन्यूलेटेड स्लैग के डिस्पैच में भी नए रिकॉर्ड बने। बोकारो स्टील प्लांट ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 में प्रमुख उत्पादों में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की है। इस कड़ी में वित्तीय वर्ष 2024-2025 चार फर्नेस परिचालन से हॉट मेटल के उत्पादन में 5 प्रतिशत टोटल क्रूड स्टील के उत्पादन में 4.7 प्रतिशत तथा टोटल सी आर सेलेबल स्टील में 8.7 फीसदी की वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज की है।

बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ बोकारो स्टील प्लांट के शीर्ष प्रबंधन ने बीएसएल की इस शानदार उपलब्धि पर संयंत्र के विभिन्न विभागों का दौरा कर अधिकारियों व कर्मियों एवं संविदा कर्मियों समेत पूरे टीम बीएसएल को बधाई दी तथा नए वित्तीय वर्ष में अपने प्रदर्शन के स्तर को और आगे ले जाने एवं सेफ़्टी और गुणवत्ता पर फोकस करने का आह्वान किया।

नयी शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण पर संपन्न हुई आचार्य कार्यशाला

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी बोकारो में तीन दिवसीय वार्षिक आचार्य कार्यशाला का समापन आज शाम को किया गया। समापन सत्र भारत माता पूजन एवं ओंकार ध्वनि के साथ प्रारंभ किया गया। मंचस्थ अतिथि सिद्धेश नारायण दास का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य के द्वारा कराया गया। वृत निवेदन के क्रम में प्राचार्य ने बताया कि विद्या विकास समिति झारखंड के योजनानुसार अपने विद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक आचार्य कार्यशाला अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हुए समाप्ति की ओर है। कुल चौदह सत्रों में तीन दिनों की कार्यशाला संपादित की गई जिसमें गत सत्र के कमजोर बिंदुओं को वर्तमान सत्र में चुनौती के स्वरूप लिया गया। साथ ही साथ आगामी सत्र में विद्यालय की छोटी-छोटी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा जगत में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने की योजना बनाई गयी। पहले खुद को शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार करें और जब नए सत्र में बच्चों के बीच जाएं तो उन्हें भी यह लगे कि हमारे आचार्य आज हमारे बीच एक नए रूप में उपस्थित हैं। उक्त बातें विद्या भारती के मार्कण्डेय पांडेय संकुल संयोजक ने कहीं। प्रांतीय योजना अनुसार सेक्टर-3सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन के सत्र को वह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बच्चों के बीच जब हम जाएं तो हमारी सोच बिल्कुल प्रयोगात्मक होनी चाहिए क्योंकि अगर हम अभी बच्चों के बीच साधारण तरीके से जाएंगे तो वो हमें साधारण तौर पर ही लेंगे और अगर नई-नई सोच के साथ क्रियात्मक दृष्टिकोण के साथ जाएंगे तो बच्चे आपके विषय को रुचिकर समझते हुए समझेंगे और इसका सीधा लाभ बच्चों के साथ-साथ आपके विद्यालयों को मिलेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा रोजगारपरक शिक्षा लाई जा रही है इसलिए नई शिक्षा नीति में क्षेत्रीय भाषाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

स्वस्थ जीवनशैली पर हुई विस्तृत चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। आरोग्य भारती की सेक्टर -1 में आयोजित बैठक में स्वस्थ जीवनशैली पर विस्तार से चर्चा की गई। आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव सह आयुष मंत्रालय भारत सरकार की सलाहकार समिति के सदस्य अशोक वार्ष्णेय ने इस अवसर पर कहा कि रात्रि में सोने के पहले हमें ब्रश कर लेना चाहिए एवं हाथ पैर धोकर शय्या पर जाना चाहिए। इससे व्यक्ति का मन व शरीर दोनों ही स्वस्थ रहता है। प्रातः काल प्रसन्नता के साथ नींद खुलती है। स्वस्थ रहने के लिए अच्छी नींद जरूरी है। आरोग्य भारती के बोकारो महानगर मंत्री डॉ. रामनारायण प्रसाद ने कहा कि आरोग्य भारती पूरे देश में स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ परिवार स्वस्थ ग्राम तथा स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत है। धनबाद विभाग के बौद्धिक प्रमुख डॉ नरेंद्र कुमार राय ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए समुचित जीवन शैली अनिवार्य है। बैठक को सह सचिव डॉ. शैलेंद्र तथा औषधीय वनस्पति आयाम प्रमुख डॉ जगदंबी मंडल ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सिंधु चौधरी ने किया। मौके पर महानगर कार्यवाह रतन महतो सुदर्शन रामवचन सिंह नवल किशोर शर्मा डॉ सिंगो बेसरा डॉ गौतम गिरि सुशील कुमार डॉ राहुल प्रसाद राहुल कुमार विनोद कुमार पवन अग्रवाल पूर्णेन्दु रीता राय अंजना महतो डॉ. पवन अग्रवाल सह-सचिव कालीचरण मुंडा विकास महतो आदि मौजूद रहे।

श्री राम-जानकी के विवाह महोत्सव की चर्चा के दौरान प्रस्तुत भजनों पर श्रद्धालु हुए भाव विभोर

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो नगर के सेक्टर 4 स्थित श्री राम कथा वचन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक राजन जी महाराज ने कहा कि सीता स्वयंवर के दौरान शिवजी के धनुष भंग होते ही तीनों लोक में भयंकर गर्जना हुई। पाताल लोक में हलचल मच गई। भारत भू के वर्तमान में मध्य प्रदेश स्थित महेंद्र गिरी पर तपस्या में लीन परशुराम जी का ध्यान भंग हो गया। परंतु प्रभु श्री राम शांतचित और शांत मुद्रा में पड़े रहे। स्वयंवर में शिव धनुष को हिला न पाने वाले सभी असफल राजा/राजकुमार आपस में अपनी असफलता की झूठी वाहवाही पर परिचर्चा कर रहे थे तभी क्रोध से तमतमाते परशुराम जी का आगमन जनकपुर में हुआ। परशुराम परशुराम जी की क्रोधाग्नि देख सभी राजा/राजकुमार की कंपकंपी छूटने लगी परंतु पंक्ति तोड़कर, धनुष किसने तोड़ा ? यह बताने की हिम्मत किसी ने न उठाई। इस पर श्री राम ने कहा मुनिवर धनुष तोड़ने वाला आपका सेवक ही होगा। क्रोध से भरे हुए परशुराम इस बात को समझ नहीं पा रहे थे। इस पर लक्ष्मण जी ने क्षत्रिय परंपरा की दुहाई देते हुए हास्य विनोद भरे अंदाज में कहा कि धनुष तो था ही पुराना, वह श्री राम के छूते ही टूट गया। श्री राम ने विनम्रतापूर्वक परशुराम जी के समझ सच्चाई व्यक्त की। राजा दशरथ के समक्ष मिथिला के दूतों द्वारा विवाह संदेश की सूचना देने, चक्रवर्ती राजा दशरथ के बारात के मिथिला के प्रस्थान एवं मिथिला में श्री राम-जानकी के विवाह महोत्सव की सप्रसंग व्याख्या करते हुए राजन जी महाराज ने मधुर भजनों की झड़ी लगा दी और श्रद्धालु भाव विभोर हो आनंदित होते रहे। राजन जी बताया कि जानकी की छोटी बहन उर्मिला से लक्ष्मण जी का विवाह एवं उनकी चचेरी बहनों से उसी मंडप में भरत और शत्रुघ्न जी का विवाह संपन्न हुआ। विवाह प्रसंग के बीच में राजन जी महाराज द्वारा प्रस्तुत भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्रद्धालु भाव विभोर हो ऐसा महसूस कर रहे थे जैसे वे मिथिला नगरी में विवाह समारोह में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हों।

खबर एक नजर में

स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता के अधिकारों का हनन बंद करो : सौरव

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। समाजसेवी सौरव पाराशर ने झारखंड सरकार द्वारा 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा पर सवाल उठते हुए कहा है की , स्मार्ट मीटर लगाने के बाद गरीब और मध्यम वर्ग को इसका असली लाभ नहीं मिलेगा। बिजली अधिनियम 2003 और अन्य उपभोक्ता अधिकारों के तहत सरकार और बिजली कंपनियों को जनता के हितों की रक्षा करनी होगी, न कि उन पर आर्थिक बोझ डालना। बिना पूर्व सूचना के बिजली काटने की मनमानी बंद हो। इस तरह की कई शिकायतें जनता द्वारा की जा रही हैं मनमाने ढंग से बिजली बिल दिया जा रहा है और जनता कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर हो रही है। एक माह 55 यूनिट बिजली की खपत होती है किसी माह 225 यूनिट दिखा दिया जाता है और बिल 2100 ,2200 रुपए बिल मीटर रीडर द्वारा दिया जाता है और जनता उसे देने के लिए मजबूर होती है। ये मांग आम जनता की मांग है और इस पर अतिशीघ्र कार्रवाई होनी चाहिए।

बिजली अधिनियम 2003 के अनुसार जनता के अधिकार

धारा 43 - हर नागरिक को बिजली आपूर्ति का अधिकार है। सरकार या कंपनी अपनी मनमानी नहीं चला सकती।

धारा 45 - बिजली दरें उचित और पारदर्शी होनी चाहिए। स्मार्ट मीटर से छिपे हुए चार्ज जनता पर नहीं थोपा जा सकते।

धारा 55-मीटर उपभोक्ता के लिए सुविधाजनक और पारदर्शी होना चाहिए, न कि उसकी आर्थिक परेशानी बढ़ाने वाला।

धारा 56 - बिना उचित सूचना के किसी भी उपभोक्ता की बिजली काटना गैरकानूनी है। स्मार्ट मीटर से सरकार कभी भी बिजली काट सकती है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

स्मार्ट मीटर से जनता को नुकसान : बिना सूचना के बिजली काटने का खतर, 200 यूनिट फ्री योजना का सही लाभ नहीं मिलेगा। अन्य राज्यों में स्मार्ट मीटर के कारण गलत बिल की शिकायतें बढ़ीं, गरीबों को ज्यादा चार्ज देना होगा, जिससे आर्थिक संकट बढ़ेगा।

जनता की मांग- स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट बंद हो, सरकार पहले यह स्पष्ट करे कि स्मार्ट मीटर से 200 यूनिट फ्री योजना कैसे लागू होगी।बिजली अधिनियम के तहत उपभोक्ताओं को पर्याप्त सुरक्षा मिले। पारंपरिक मीटर रखने का विकल्प दिया जाए।

सभी के सहयोग से 2025-26 में 54 लाख टन कोयला उत्पादन लक्ष्य को पूरा करेंगे : जीएम

बेरमो। सीसीएल के ढोरी एरिया ने 48.90 लाख टन कोयला उत्पादन किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जीएम रंजय सिन्हा ने कहा सभी के सहयोग से कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त किया। जीएम श्री सिन्हा ने कहा कि 2025 -26 में सीसीएल मुख्यालय से लक्ष्य 54 लाख टन कोयला उत्पादन और ओबी का निस्तारण 150 लाख टन क्यूबिक मीटर मिला है। सभी के सहयोग से पूरा करेगे। पीओ राजीव कुमार सिंह ने कहा कि 27.80 लाख टन कोयला का उत्पादन लक्ष्य को पूरा किया। कहा कि चालू विद्या वर्ष में 33 लाख टन का कोयला उत्पादन लक्ष्य मिला है जिसे हर हाल में पूरा करेंगे।बुधवार को परियोजना में कार्यक्रम आयोजित कर।पूजा अर्चना और प्रसाद वितरण की गई।

सीसीएल बीएडके में 8 सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गयी विदाई

बेरमो। सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के करगली ऑफिसर क्लब में बुधवार को 8 सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। मौके पर जीएम चितरंजन कुमार ने सभी को शॉल औढाकर और उपहार देकर सम्मानित किया। जीएम श्री सिन्हा ने कहा सेवानिवृत्तकर्मी हमारे संगठन की आधारशिला रहे हैं। वर्षों के कठिन परिश्रम समर्पण और निष्ठा से इन्होंने सीसीएल को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर एसओ पीएडपी एस के झा, पीओ सुधीर सिंहा, कार्मिक प्रबंधक पीएन सिंह,यूनियन प्रतिनिधि गजेंद्र प्रसाद सिंह ,दिलीप मालिक ,विजय भोई आदि मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

इनमोसा नेता सह ओवरमैन शशांक शेखर ने केक काटकर जन्मदिन धूम-धाम से मनाई

बेरमो। इनमोसा नेता सह अमलो परियोजना मे ओवरमैन शशांक शेखर ने केक काटकर जन्मदिन घूम-घाम से मनाई। इस अवसर पर इनमोसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, अमलो पीओ राजीव कुमार सिंह, मैनेजर मुनीनाथ सिंह, एसओपी माला कुमारी, राकोमसं शाखा सचिव गणेश मल्लाह व शाखा अध्यक्ष जयराम सिंह, कार्मिक प्रबंधक अभिषेक सिंहा,इनमोसा के ढ़ोरी क्षेत्रीय अध्यक्ष तुलसी महतो व क्षेत्रीय सचिव पवन कुमार सिंह,बीएंडके क्षेत्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह सहित प्रमोद कुमार सिंह, निरंजन नोनिया,सहित सैकडो गणमान्य लोग शामिल हुए।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में कथारा कोलियरी का रहा शानदार प्रदर्शन : पीओ

बेरमो। बोकारो जिला के सीसीएल कथारा क्षेत्र के कथारा कोलियरी ने वित्तीय वर्ष 2024 -25 में शानदार प्रदर्शन किया है। यह प्रदर्शन यहां कार्यरत कामगारों की कड़ी मेहनत, स्टेकहोल्डर तथा श्रमिक प्रतिनिधियों का सहयोग एवं अधिकारियों की कुशल नेतृत्व का प्रतिफल है।उक्त बातें कथारा कोलियरी के पीओ दुर्गेश कुमार सिन्हा ने कही। पीओ सिन्हा ने बताया कि कोलियरी परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2023 -24 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024- 25 में कोयला उत्पादन में 133 प्रतिशत ग्रोथ दर्ज किया है, जिसमें परियोजना द्वारा 9 लाख 43 हजार 842.2 टन कोयला उत्पादन कर पिछले साल के उत्पादन 4,19,278 टन की अपेक्षाकृत 5,24,564 टन अधिक कोयला उत्पादन किया है।

नवमनोनित केन्द्रीय सचिव एवं कार्यकारिणी समिति सदस्य को किया गया सम्मानित

फुसरो। झारखंड कोलियरी मजदूर युनियन ढोरी एवं बीएंडके प्रक्षेत्र के यूनियन पदाधिकारियों की बैठक चपरी रेस्ट हाउस के सभागार में ढोरी सचिव जयनाथ मेहता के नेतृत्व में हुई। बैठक की अध्यक्षता झामुमो बोकारो जिला महानगर सचिव मदन महतो व संचालन बीएडके एरिया सचिव किशोर कुमार ने किया। यहां जेसीएमयू के जोनल सचिव जयनारायण महतो को ऑल इंडिया कोल वर्कस माईन्स फेडरेशन (सीटू) द्वारा केन्द्रीय सचिव मनोनित करने एवं ढोरी अध्यक्ष पंकज कुमार महतो को कार्यकारिणी समिति का सदस्य बनाए जाने पर यूनियन के लोगो ने बुके व माला पहनाकर स्वागत सह सम्मानित किया।

तीन दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर चर्चा

बेरमो। कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन में तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषयों पर विशेष सत्र हुए। इसमें आगामी सत्र 2025 26 के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक क्रियाकलापों की योजना बनी। दिनांक 2 अप्रैल 2025 को तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ विद्यालय के सचिव धीरज कुमार पांडे एवं प्रधानाचार्य ने सभी आचार्य जी दीदी जी को उनके दायित्व और विद्यालय के प्रति जिम्मेवारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। समापन सत्र में समाजसेवी रामनरेश द्विवेदी, बृज बिहारी पांडे, जवाहर यादव, राजेश्वर सिंह, भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष दिनेश यादव, संकुल संयोजक अमित कुमार सिंह,प्रधानाचार्य रण सुमन सिंह ने कार्यशाला की सफलता पर आचार्य जी और दीदी जी को बधाई प्रधान की। इस मौके पर संकुल के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा, गणेश पाल, झरना चटर्जी, परमानंद सिंह एवं मंटू गिरी उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

सीरियल ब्लास्ट के आरोपी गिरफ्तार

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम में राजस्थान के जयपुर शहर को सीरियल ब्लास्ट से दहलाने की साजिश रचने वाले 11 वें फरार आरोपी फिरोज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार थाना निंबाहेड़ा राजस्थान पुलिस द्वारा 30 मार्च 2022 को चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी लेते उसमें तीन व्यक्तियों जुबेर, सैफुल्ला एवं अल्तमश निवासी रतलाम को विस्फोटक एवं बम बनाने में प्रयुक्त होने वाला सामान जिसमें टायमर, सेल, वायर सहित अन्य सामग्री के साथ पकड़ा था।

फिल्म छोरी 2 का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा की बहुप्रतीक्षित हॉरर-थ्रिलर 'छोरी 2' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। विशाल फुरिया के निर्देशन में फिल्म छोरी 2 ,11 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने जा रही है।हाल ही में रिलीज किए गए नए पोस्टर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। पोस्टर में नुसरत बेहद इंटेंस और डरावने लुक में नजर आ रही हैं।

पाक के राष्ट्रपति जरदारी अस्पताल में हुये भर्ती

कराची। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की तबीयत खराब होने पर उन्हें मंगलवार शाम एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रपति अपने पैतृक शहर गए हैं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। मीडिया के अनुसार श्री जरदारी अपने पैतृक शहर गये हुए थे और उन्हें बुखार और संक्रमण की शिकायत होने पर डॉक्टरों ने उन्हें आगे की जांच के लिए कराची ले जाने का फैसला किया। डॉक्टर उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

इजरायल में अमेरिकी आयात पर शुल्क रद्द

तेल अवीव। इजरायल सरकार ने अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर सभी सीमा शुल्क रद्द कर दिए हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच और अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के निर्देश पर इजरायल ने अमेरिका, इजरायल के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार से आने वाले उत्पादों पर अब तक लगाए गए सभी सीमा शुल्क रद्द कर दिए हैं। अमेरिका और इजरायल के बीच 1985 के मुक्त व्यापार समझौते के तहत अमेरिका से आयातित 99 प्रतिशत वस्तुओं को शुल्क से छूट दी थी।

सोमालिया में आइएस के कई आतंकवादी मारे गये

मोगादिशु। सोमालिया की सेना ने देश के पूर्वी भाग में आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) (रूस में प्रतिबंधित) के कई ठिकानों पर हवाई हमले कर कई आतंकवादियों को मार गिराया है। सोमाली मीडिया ने बताया कि मंगलवार को पंटलैंड के कैल मिस्काट पहाड़ों में आईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन कथित तौर पर अमेरिकी सेना की सहायता से किया गया था।

मेरठ में 10 वीं के छात्र की गोली मारकर हत्या

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ के गंगानगर थाना क्षेत्र में 10वीं कक्षा के छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ग्लोबल सिटी कॉलोनी में मंगलवार देर रात मिले शव के सीने में गोली लगने का निशान था, पास में ही पिस्टल पड़ी मिली। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

भारत में कृषि, दवा, इलेक्ट्रिकल व रसायन पर होगा ट्रैफिक का असर

भारत और अमेरिका के बीच संभावित शुल्क अंतर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग : विशेषज्ञ

नयी दिल्ली। अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने से कृषि, बहुमूल्य पत्थर, रसायन, औषधि, चिकित्सकीय उपकरण, इलेक्ट्रिकल व मशीनरी सहित क्षेत्रों के सामान प्रभावित हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन क्षेत्रों में उच्च शुल्क अंतर के कारण अमेरिकी प्रशासन से अतिरिक्त सीमा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। उच्च शुल्क अंतर किसी उत्पाद पर अमेरिका और भारत द्वारा लगाए गए आयात शुल्कों के बीच का अंतर है। व्यापक क्षेत्र स्तर पर, भारत और अमेरिका के बीच संभावित शुल्क अंतर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग है। रसायनों तथा औषधि पर यह अंतर 8.6 प्रतिशत; प्लास्टिक पर 5.6 प्रतिशत; वस्त्र व परिधान पर 1.4 प्रतिशत; हीरे, सोने तथा आभूषणों पर 13.3 प्रतिशत; लोहा, इस्पात व आधार धातुओं पर 2.5 प्रतिशत; मशीनरी व कंप्यूटर पर 5.3 प्रतिशत; इलेक्ट्रॉनिक पर 7.2 प्रतिशत और वाहन तथा उसके घटकों पर 23.1 प्रतिशत है। एक निर्यातक ने कहा कि शुल्क अंतर जितना अधिक होगा, क्षेत्र उतना ही अधिक प्रभावित होगा। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के विश्लेषण के अनुसार, कृषि में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र मछली, मांस व प्रसंस्कृत समुद्री भोजन होगा। इसका 2024 में निर्यात 2.58 अरब अमेरिकी डॉलर था और इसे 27.83 प्रतिशत शुल्क अंतर का सामना करना पड़ेगा झींगा जो अमेरिका का एक प्रमुख निर्यात है, अमेरिकी शुल्क लागू होने के कारण काफी कम प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक योगेश गुप्ता ने कहा कि अमेरिका में हमारे निर्यात पर पहले से ही डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्क लागू हैं। शुल्कों में अतिरिक्त वृद्धि से हम अप्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। भारत के कुल झींगा निर्यात में से हम 40 प्रतिशत अमेरिका को निर्यात करते हैं।

भोपाल में वक्फ बिल के समर्थन में 'थैंक यू मोदी जी' पोस्टर लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिला। बुर्का पहने महिलाएं, हाथों में गुलाब और 'थैंक यू मोदी जी' के प्लेकार्ड लिए सड़कों पर उतर आए। ये सभी वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में इकट्ठा हुए थे। शहर के विभिन्न मुस्लिम समुदायों ने विधेयक के समर्थन में रैलियां निकालीं। बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी प्रदर्शनों में भाग लिया और थैंक यू, मोदी जी लिखे पोस्टर पकड़े थे। लोग ढोल बजाकर और आतिशबाजी करके अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। यह बिल वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को बेहतर बनाने और दुरुपयोग को रोकने के लिए है। वक्फ संशोधन बिल 2024,अधिनियम 1995 में कुछ बदलाव करने के लिए लाया जा रहा है।

जदयू को किसी से नहीं चाहिए सेक्लुर का सर्टिफिकेट : ललन

▸▸ बिहार में नीतीश कुमार ने मुसलमानों के लिए कई काम किया है

▸▸ केवल एक प्रशासनिक और विनियामक संस्था है वक्फ बोर्ड

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में शामिल जदयू ने लोकसभा में बुधवार को पेश वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया। विधेयक पर जारी चर्चा में भाग लेते हुए पार्टी नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी के 20 साल के बिहार में नीतीश कुमार ने मुसलमानों के लिए कई काम किया है। उन्हें किसी से सेक्लुर के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। जदयू नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि वक्फ के बारे में भ्रम फैलाया जा रहा है कि यह मुस्लिम विरोधी है। वक्फ मुस्लिम संस्था नहीं है। वक्फ केवल एक ट्रस्ट है। वक्फ बोर्ड केवल एक प्रशासनिक और विनियामक संस्था है। ट्रस्ट को चाहिए कि वे महिला और पसमंदा मुसलमानों सहित सभी मुसलमानों के साथ न्याय करे। उन्होंने कहा कि विधेयक का विरोध दो तरह के

लोग कर रहे हैं, एक वे जिन्हें वोट बैंक की राजनीति करनी है और दूसरा वे जिनका वक्फ संपत्तियों पर कब्जा है। मोदी सरकार वक्फ को लेकर पारदर्शिता और संपत्ति से होने वाली आमदनी बढ़ाना चाहती है। जातीय जनगणना पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने पसमंदा मुसलमानों का मुद्दा उठाया और कहा कि पसमंदा मुसलमानों की गणना भी होनी चाहिए।

शाह का अखिलेश पर तंज, 25 साल तक सपा अध्यक्ष बने रहेंगे

अध्यक्ष को लेकर भाजपा में चल रहा आंतरिक संघर्ष : अखिलेश

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने विषय से हटकर भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन में देरी को लेकर कटाक्ष किया। इस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमति शाह ने उसी अंदाज में वंशवाद को लेकर सपा पर तंज कसा। लोकसभा में चर्चा के दौरान अखिलेश ने चेहरे पर व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ कहा कि भाजपा में आंतरिक संघर्ष चल रहा है। एक पार्टी को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा किया जाता है, वह अभी तक अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। गृहमंत्री शाह ने उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि

अखिलेश जी ने हंसते-हंसते कहा है, इसलिए मैं भी उसी अंदाज में जवाब दूंगा। शाह ने कहा कि मेरे सामने जितनी भी पार्टियां हैं, उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कुछ परिवार के लोग ही करेंगे। हमें 12-13 करोड़ सदस्यों में से प्रक्रिया के बाद चुनना होता है। इसलिए इसमें समय लगता है। आपके मामले में इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। मैं कह रहा हूं कि आप 25 साल तक अध्यक्ष बने रहेंगे।

यूजीसी के मसौदा पर सुझाव आमंत्रित किये गये हैः प्रधान

नयी दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियम सार्वजनिक कर दिया गया है और राज्य अपने सुझाव दे सकते हैं। प्रधान ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान द्रविड मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य तिरुची शिवा द्वारा पूछे गये सवाल के उत्तर में यह बात कही। शिवा ने पूछा था कि क्या यूजीसी के मसौदा दिशा-निर्देशों के संबंध में राज्यों के साथ कोई परामर्श किया गया है। प्रधान ने कहा कि यूजीसी के पास सुधारवादी नियम बनाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि मसौदा प्रस्ताव जनता के लिए उपलब्ध है और प्रत्येक राज्य के मुख्य सचिव और प्रधान सचिवों को इसकी जानकारी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि दस से अधिक राज्यों ने सुझाव दिए हैं, साथ ही राज्य, केंद्रीय, निजी और 52 विश्वविद्यालयों ने भी सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यापक रूप से परामर्शी दृष्टिकोण अपनाया है और सुधारित मसौदा सार्वजनिक डोमेन में डाल दिया गया है।

आप्रवास बिल को संसद की मंजूरी

देश की आंतरिक सुरक्षा व अर्थतंत्र को मजबूती देगा विधेयक : नित्यानंद राय

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा ने देश में प्रवेश, निवास और यात्रा से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल तथा पारदर्शी बनाने और विदेशियों तथा आप्रवासन से संबंधित सभी मामलों को विनियमित करने वाले आप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक 2025 को विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ ही इस विधेयक पर संसद की मुहर लग गयी।

लोकसभा इस विधेयक को पहले की पारित कर चुकी है। विपक्षी सदस्यों ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के जवाब से असंतुष्ट होकर सदन से बहिगर्मन किया। राय ने विधेयक पर चार घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पुराने कानून के कमजोर और बिखरे हुए होने के कारण संबंधित कानूनों को समाहित करके नया कानून बनाना जरूरी हो गया था। उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश की आंतरिक सुरक्षा तथा अर्थतंत्र को मजबूती देगा और वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के लिए मजबूत नींव रखने के लिए लाया गया है। विपक्ष के देश में भय का माहौल बनाने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश में भय का माहौल बनाने के लिए नहीं बल्कि देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त विदेशियों को देश से बाहर निकालने तथा उनके देश में प्रवेश पर रोक लगाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि देश में आने वाले हर व्यक्ति की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को तीन वर्ष के गहन विचार विमर्श के बाद देश की आवश्यकता के अनुरूप लाया गया है और इसमें देश में आने वाले के लिए वैध दस्तावेजों की अनिवार्यता की गयी है। उन्होंने कहा कि इसीलिए देश में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सूचना और निगरानी को अनिवार्य बनाया गया है।

महादेव एप मामले में बघेल पर एफआइआर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर सीबीआइ ने महादेव सट्टा एप मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल समेत 21 आरोपियों के नाम शामिल हैं।

मामले में बघेल को आरोपी बनाया गया है। वह छह नंबर के आरोपी बनाए गए हैं। प्राथमिकी के बाद सीबीआई इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री से पूछताछ कर सकती है। सीबीआई ने हाल ही में देशभर में श्री भूपेश बघेल समेत तमाम आरोपियों के 60 जगहों पर छापेमारी की थी। कई राजनेता, नौकरशाह और पुलिस अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई थी। इनमें छत्तीसगढ़, भोपाल, कोलकाता और दिल्ली में छापे मारे गए थे। इस दौरान कई राजनेताओं, पुलिस अधिकारियों के परिसरों पर तलाशी लेकर छानबीन की गई थी।

मध्य प्रदेश मुठभेड़ में मुठभेड, दो खूंखार महिला नक्सली ढेर

भोपाल। केन्द्र एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा मार्च, 2026 तक भारत को वामपंथी अतिवाद की पुरानी समस्या से मुक्त करने के उद्देश्य से अपनाई गई बहुआयामी रणनीति के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने बुधवार एक मुठभेड़ में माओवादियों के एम.एम.सी. जोन (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) के के.बी. डिवीजन की भोरमदेव एरिया कमेटी के 02 हार्डकोर महिला नक्सलियों को मार गिराया। इनके कब्जे से 01 एसएलआर रायफल तथा 01 अन्य रायफल, भरी मैगजीन, 01 वॉकीटॉकी सेट तथा चाकू बरामद किया गया।

पाकिस्तान में महंगाई से मचा हाहाकार

▸▸ 1200 रुपए किलो बिक रहा है मुर्गी का गोश्त

▸▸ टमाटर -180, प्याज-60 और चीनी 170 रुपये किलो

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में महंगाई को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। महंगाई की मार से दुकानदार और खरीदार दोनों परेशान हैं, रमजान खत्म हो गए लेकिन सामान के दाम में कटौती नहीं हुई है। मुर्गी का बगैर हड्डी का गोश्त बढ़कर 1200 रुपए हो गया। वहीं टमाटर 60 से बढ़कर 180 रुपए किलो हो गए। सरकारी रेट की बजाए चीनी 170 से बढ़कर 180 रुपए किलो में बेची जा रही है। जिंदा मुर्गी 490 रुपए, प्याज 40 से बढ़कर 60 रुपए किलो वहीं अचार की मिर्च 110 से बढ़कर 200 रुपए किलो में बेची जा रही है। नींबू के दाम में भारी इजाफा हुआ है। साथ ही फलों के दाम में भी कटौती नहीं हुई है, सेब 400 रुपए किलो और केला 200 रुपए दर्जन में बेचा जा रहा है। रमजान शुरू होते ही कराची में ब्रायलर चिकन की कीमत में 120 से 150 रुपये प्रति किलो का उछाल आया था। इसी के साथ ब्रायलर चिकन की कीमत बढ़कर 720 से 800 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो हो गई थी। पाकिस्तान में लिक्विड पेट्रोलियम गैस की नई कीमत 1 अप्रैल से प्रभावी होकर 248.37 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित की गई है। 11.8 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 6.40 पाकिस्तानी रुपये की वृद्धि हुई है, जिससे नई कीमत 2,930.71 पाकिस्तानी रुपये हो गई है। चिकन की कीमत पर कंट्रोल बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी सरकार ने इसकी कीमत तय की है, लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है। पाकिस्तान के कई शहरों की फुटकर मार्केट में सरकारी आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। दुकानदार सरकारी कीमत के मुकाबले काफी महंगा चिकन बेच रहे हैं।

इजरायल की एयर स्ट्राइक में 32 फिलिस्तीनी मारे गये

यरुशलम। गाजा में बड़े क्षेत्र को घेरकर इजरायली सेना का सघन अभियान शुरू हो गया है और बुधवार को इसमें 32 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। मारे गए लोगों में करीब एक दर्जन बच्चे हैं। सबसे ज्यादा 17 लोग दक्षिणी शहर खान यूनिस में मारे गए जबकि 15 लोग उत्तर के जबालिया कैंप में मारे गए। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि यह अभियान हथियारबंद लड़ाकों के खात्मे के लिए है जो इजरायल के लिए खतरा हैं। इजरायल ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से गाजा में बफर जोन बनाया जाना जरूरी है। बफर जोन गाजा की भूमि पर गलियारे की शक्ल में बनेगा और उसके घेरे में फिलस्तीनी आबादी होगी।

टैरिफ अनिश्चितताओं के बावजूद बाजार ने लगाई छलांग

सेंसेक्स 593 और निफ्टी 167 अंक उछला

निवेशकों ने एक दिन में 3.53 लाख करोड़ रुपये कमाया

एजेंसी

मुंबई । अमेरिकी टैरिफ की अनिश्चितताओं के बावजूद स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत पिछले दिवस के कोहराम से उबरकर आज शेयर बाजार ने लंबी छलांग लगाई।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 592.93 अंक अर्थात 0.78 प्रतिशत उछलकर 76,617.44 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 166.65 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 23332.35 अंक पर बंद हुआ। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 1.38 प्रतिशत मजबूत होकर 41,667.65 अंक और स्मॉलकैप

0.99 प्रतिशत चढ़कर 47,136.15 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4085 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2863 में तेजी जबकि 1091 में गिरावट रही वहीं 131 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कुल 2977 कंपनियों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2148 में लिवाली जबकि 757 में बिकवाली हुई वहीं 72 के भाव स्थिर रहे। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 412.96 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 409.43 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों ने करीब 3.53 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। विश्लेषकों के अनुसार, पारस्परिक टैरिफ को लेकर अनिश्चितता आज की टैरिफ घोषणा के साथ कुछ हद तक कम हो सकती है। लेकिन, ट्रम्प के पहले भी टैरिफ को लेकर बार-बार अपने रुख में बदलाव करने की वजह से यह अनिश्चितता आज के बाद भी जारी रहने की संभावना है। मार्च के अंतिम कुछ कारोबारी दिनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के खरीददार बनने का कारण साल के अंत की तैयारियां थीं। एफआईआई की खरीददारी से होने वाली शॉर्ट-कवरिंग ने मार्च में भारत के प्रदर्शन को बेहतर बनाया। वहीं, अब स्थिति बदलती नजर आ रही है। पिछले दो दिनों में एफआईआई ने नकद बाजार में 10 हजार 255 करोड़ रुपये की बिक्री की, जिससे शॉर्टिंग फिर से शुरू हो गई। इसका प्रभाव कल निफ्टी में 353 अंकों की तेज गिरावट के रूप में देखा गया। निवेशकों को सलाह है कि वे टैरिफ और बाजार के रुझान के बारे में स्पष्टता का इंतजार करें। यदि टैरिफ की घोषणाएं उम्मीद से भी अधिक कठोर होती हैं तो बाजार में एक और बड़ी बिकवाली देखी जा सकती है। हालांकि, ऐसी स्थिति में भी घरेलू खपत से जुड़े सेक्टर मजबूत बने रहेंगे।